{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 01 फरवरी 2026
कृष्ण शुक्ल 14 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 129
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

फास्टैग के लिए नो योर व्हीकल प्रोसेस खत्म

नई दिल्ली। नई कार, जीप और वैन के लिए 1 फरवरी से फास्टैग जारी करते समय अब नो योर व्हीकल प्रोसेस की जरूरत नहीं होगी। नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने नई कार के लिए नो योर व्हीकल प्रोसेस बंद करने का फैसला किया है। साथ ही, जिन कारों पर पहले से फास्टैग लगा है, उनके मालिकों को भी अब रुटीन नो योर व्हीकल कराने की जरूरत नहीं होगी। इससे वाहन मालिकों को वैलिड डॉक्यूमेंट होने के बावजूद लंबी वेरीफिकेशन प्रक्रिया के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरकार के इस कदम का उद्देश्य फास्टैग एक्टिव होने के बाद होने वाली परेशानी को खत्म करना है। पहले यूजर्स को अक्सर शिकायत रहती थी कि टैग एक्टिव होने के बाद भी बैंक या अथॉरिटी की ओर से वेरिफिकेशन के नाम पर देरी की जाती है। नई गाइडलाइन के बाद अब फास्टैग को बार-बार अपडेट करने की जरूरत खत्म हो जाएगी।

फिल्ममेकर विक्रम भट्ट की जमानत खारिज

उदयपुर। करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में फिल्ममेकर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी सहित तीन लोगों की जमानत याचिका राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर ने खारिज कर दी है। हाईकोर्ट ने माना कि इस स्तर जमानत की सुविधा दिया जाना उचित नहीं है। राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस विनोद कुमार भारवानी ने आज इस मामले में सुनवाई की। इस दौरान विशिष्ट लोक अभियोजक ने जमानत प्रार्थना पत्र का विरोध किया। उनका तर्क था कि इस मामले में अभी जांच चल रही है। अब तक की जांच में पाया गया है कि आरोपी विक्रम भट्ट व श्वेताम्बरी भट्ट द्वारा अलग-अलग नामों से अलग-अलग फर्जी बिल तैयार करवाकर परिवादी से पैसा ट्रांसफर करवाया गया है। उस पैसे को वापस अपने खातों में डलवाकर स्वयं ने ही उपयोग में ले लिया है। उन्होंने कहा- इस प्रकार आरोपियों ने मिलकर नाम से 4,23,13,424 रूपए लिए हैं। इसमें से 1,65,69,955 रूपए खुद के ही खातों में कर्जा उतारने के लिए उपयोग में ले लिए गए हैं।

रेलूराम हत्याकांड के आरोपी बेटी-दामाद की रिहाई पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

हिसार। हिसार में पूर्व विधायक रेलूराम हत्याकांड मामले में आरोपी बेटी सोनिया और दामाद संजीव की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। साथ ही पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट को समय से पहले हुई रिहाई पर दोबारा विचार करने के निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट ने 9 दिसंबर को उम्रकैद की सजा काट रहे संजीव और सोनिया को दो महीने की अंतरिम जमानत दी थी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज पेश करेंगी आम बजट...

इनकम टैक्स, किसानों, शिक्षा, डिफेंस और रेलवे से जुड़े बड़े ऐलान की संभावना

आम बजट से मिडिल क्लास को बड़ी उम्मीदें

नई दिल्ली। आम बजट 2026-27 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के मौजूदा कार्यकाल का एक अहम बजट माना जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी यानी रविवार को सुबह 11 बजे संसद में ये बजट पेश करेंगी। पिछले साल का बजट एक लोकप्रिय बजट माना जाता है जिसमे मिडिल क्लास को बड़ी राहत मिली थी। इस बजट में इनकम टैक्स में छूट, सैलरीड क्लास के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन, किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने, सस्ती दवाओं और इंश्योरेंस सेक्टर में सुधार जैसे बड़े फैसले लिए गए थे। इस साल सरकार का ध्यान अर्थव्यवस्था पर है। बताया जा रहा है कि भारतीय शेयर बाजार में भी रविवार को आम दिनों की तरह ही कारोबार होगा। बजट के चलते नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज 1 फरवरी 2026 को रविवार को खुला रहेगा। इंडस्ट्री के तमाम स्टेकहोल्डर्स सरकार के साथ अपनी अपेक्षाएं साझा कर रहे हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि आने वाले बजट में इन प्राथमिकताओं को शामिल किया जाएगा। बजट 2026 से उम्मीद है कि इनकम टैक्स सुधारों का सिलसिला जारी रहेगा। सरकार का लक्ष्य है कि टैक्स के नियमों को और भी सरल बनाया जाए, उनमें स्पष्टता लाई जाए, लोगों का भरोसा बढ़ाया जाए और देश में निवेश को बढ़ावा मिले। हालांकि विशेषज्ञ अभी बजट को लेकर अनुमान व्यक्त कर रहे हैं, लेकिन इस बात की पूरी संभावना है कि हर बार की तरह कुछ चीजें सस्ती हो सकती हैं, जबकि कुछ के लिए लोगों को ज्यादा दाम चुकाने पड़ सकते हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि टैक्स और सब्सिडी में राहत नहीं मिलने की स्थिति में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ सकते हैं। इसके अलावा उर्वरक, प्रीमियम कारें, महंगी घड़ियां, ज्वेलरी, हवाई टिकट, विदेशी इलेक्ट्रॉनिक सामान भी महंगे होनी की संभावना व्यक्त की जा रही है। दूसरी ओर, आगामी बजट बजट में सरकार लोगों को कुछ राहत भी दे सकती हैं। होम लोन में राहत देने से लोगों को किश्त में राहत मिल सकती हैं, जबकि अन्य लोगों का किफायती घर का सपना पूरा हो सकता है। सरकार घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए कदम उठा सकती है। इससे मेड इन इंडिया टीवी और मोबाइल सस्ते हो सकते हैं। जरूरी दवाइयां, बीज और कृषि उपकरणों पर सरकार राहत दे सकती है।

सस्ते इलाज पर फोकस

आगामी यूनियन बजट 2026-27 के लिए हेल्थ सेक्टर ने सरकार से कुछ खास उम्मीदें लगाई हैं। वे चाहते हैं कि सरकार देश के बड़े लक्ष्यों और आम लोगों के लिए इलाज को सस्ता बनाने के बीच की खाई को पाटे। त्रश्रद्ब हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. पी. सेंथिलनाथन ने कहा कि आने वाले साल के लिए जो योजना बने, वह लंबी अवधि की सोच पर आधारित होनी चाहिए। हेल्थ सेक्टर चाहता है कि सरकार डिजिटल तकनीकों को अपनाने पर जोर दे और मेडिकल उपकरणों पर टैक्स को कम करें। इससे इलाज और सस्ता हो सकेगा। यह कदम देश को स्वस्थ बनाने और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को पूरा करने में मदद करेगा।

सोने-चांदी पर लागू कस्टम ड्यूटी में होगी कटौती

बजट 2026 में क्या सरकार सोने-चांदी पर लागू कस्टम ड्यूटी में कटौती करेगी? और अगर ऐसा हुआ तो क्या घरेलू बाजार में कीमतें सचमुच नीचे आएंगी? पिछले कुछ सालों के बजट फैसलों को देखें तो साफ होता है कि कस्टम ड्यूटी में बदलाव का असर सीधे तौर पर सोने-चांदी के दाम पर पड़ता है, लेकिन यह असर हमेशा लंबे समय तक टिके, ऐसा जरूरी नहीं होता।

डिफेंस बजट में हो सकती है रेकॉर्ड बढ़ोतरी

भारत के रक्षा बजट में बड़ा बदलाव आने वाला है। आने वाले बजट में रक्षा उपकरणों की खरीद पर ज्यादा जोर दिया जाएगा। इसका मतलब है कि रक्षा बजट का एक बड़ा हिस्सा नई खरीद और आधुनिकीकरण पर खर्च होगा। यह पैसा खास तौर पर भारत में ही बने रक्षा सामानों की खरीद के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2027 के लिए रक्षा उपकरणों की खरीद के बजट में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी मांगी है। यह अब तक की सबसे बड़ी एक साल की बढ़ोतरी होगी। मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि वह भारत में बने रक्षा सामानों की खरीद को पहली प्राथमिकता देगा। इससे डिफेंस स्टॉक्स में तेजी देखी जा सकती है।

रविवार को खुला रहेगा शेयर बाजार

रविवार को पेश होने वाले आम बजट के दिन शेयर बाजार खुला रहेगा। बता दें कि बजट अगर शनिवार या रविवार को पड़ता है तो भी शेयर बाजार में लाइव ट्रेडिंग सेशन आयोजित होते हैं। हाल ही में एनएसई ने एक सर्कुलर में कहा था कि रविवार को 1 फरवरी 2026 को बजट वाले दिन सुबह 9ः15 बजे से दोपहर 3ः30 बजे तक शेयर बाजार खुले रहेंगे।

महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के तौर पर सुनेत्रा पवार ने शपथ ली

मुंबई। शनिवार शाम सुनेत्रा पवार ने महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। मुंबई के लोकभवन में हुए शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सुनेत्रा पवार को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रिय कार्याध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, राज्य अध्यक्ष सुनील तटकरे, मंत्री छगन भुजबल, और पार्टी के सभी 48 विधायक मौजूद थे। शपथ ग्रहण समारोह बहुत ही भावुक माहौल में हुआ। इस बीच, सुनेत्रा पवार के आने पर मौजूद विधायकों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अजित दादा अमर रहें, एक ही वादा, अजित दादा, भाभी जी, आप आगे बढ़ो, हम आपके साथ हैं, और महाराष्ट्र के एकमात्र दादा, अजित दादा जैसे नारे लगाए। गौरतलब हो कि राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के असामयिक निधन के बाद, उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री पद के लिए चुना गया। इस तरह, सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनने का सम्मान मिला है। इस बीच, उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह से पहले विधान भवन में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की विधायक दल की बैठक हुई। इस बैठक में पार्टी के सभी विधायक और प्रमुख नेता मौजूद थे। इस बैठक में सुनेत्रा पवार को एनसीपी विधायक दल का नेता चुना गया। इसके बाद शाम 5 बजे उनका शपथ ग्रहण समारोह हुआ। विधान भवन में, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायक दल के नेता के रूप में सुनेत्रा पवार के नाम का प्रस्ताव वरिष्ठ नेता और मंत्री छगन भुजबल ने रखा और दिलीप वलसे-पाटिल ने इसका समर्थन किया। इसके बाद, सुनेत्रा पवार के चुनाव का प्रस्ताव विधानसभा और विधान परिषद दोनों के कुल 48 विधायकों के हस्ताक्षर से पास हो गया। इस बैठक में दो प्रस्ताव पास हुए- पहले में उन्हें ग्रुप लीडर बनाया गया, जबकि दूसरे में उन्हें पार्टी लीडर के तौर पर चुने जाने को मंजूरी दी गई। क्योंकि दोनों प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास हुए, इसलिए अब सुनेत्रा पवार के पास पार्टी की सभी शक्तियां हैं इस चुनाव के संबंध में आधिकारिक जानकारी विधानमंडल के सचिव को दी गई।

रिश्वतखोरी-निवेशकों को गुमराह करने के आरोप...फ्रॉड केस में 90 दिनों में देना होगा जवाब

अडाणी ने यूएस-कोर्ट के नोटिस को 15 महीने बाद स्वीकारा

नई दिल्ली। अमेरिकी रेगुलेटर सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन के दायर सिविल फ्रॉड केस में 15 महीने के बाद गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी कानूनी नोटिस स्वीकार करने को तैयार हो गए हैं। न्यूयॉर्क की एक अदालत में दाखिल दस्तावेजों के मुताबिक, अडाणी के वकीलों ने रेगुलेटर के पेपर्स स्वीकार करने पर सहमति जताई है। इसके बाद अब जज को इस बात पर फैसला नहीं लेना होगा कि अडाणी परिवार को नोटिस कैसे भेजा जाए। यह मामला नवंबर 2024 का है, जब सीईसी ने अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को लेकर निवेशकों को गुमराह करने का आरोप लगाया था। अब नोटिस स्वीकार होने के बाद अडाणी ग्रुप के पास अपना पक्ष रखने के लिए 90 दिनों का समय होगा।

न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन फेडरल कोर्ट में हुई फाइलिंग के अनुसार, अडाणी और सीईसी के बीच एक सहमति पत्र साइन हुआ है। इससे पहले सीईसी ने कोर्ट से अपील की थी कि अडाणी भारत में हैं और उन तक नोटिस नहीं पहुंच पा रहा है, इसलिए ईमेल या अन्य माध्यमों से नोटिस भेजने की इजाजत दी जाए। हालांकि, अब अडाणी के वकीलों ने खुद नोटिस रिसीव करने की बात मान ली है, जिससे यह कानूनी अड़चन दूर हो गई है।

यह सिर्फ एक कानूनी प्रक्रिया है

अडाणी ग्रीन एनर्जी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में साफ किया है कि यह कदम केवल एक कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा है। कंपनी के मुताबिक, नोटिस स्वीकार करने का मतलब यह नहीं है कि उन्होंने न्यूयॉर्क कोर्ट के क्षेत्राधिकार यानी ज्यूरिस्डिक्शन को मान लिया है। ग्रुप ने अपने सभी बचाव के अधिकार सुरक्षित रखे हैं और वे इस केस को खारिज करने की मांग करेंगे।

रिश्वतखोरी-निवेशकों को गुमराह करने के आरोप

एसईसी का आरोप है कि अडाणी ग्रीन एनर्जी ने अमेरिकी निवेशकों से फंड जुटाते समय गलत जानकारियां दीं। इसके अलावा, अमेरिकी अभियोजकों यानी प्रॉसिक्यूटर्स ने एक अलग क्रिमिनल केस में अडाणी पर भारत में सोलर पावर कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए 265 मिलियन डॉलर (करीब 2,429 करोड़ रुपए) की रिश्वत देने की साजिश का आरोप भी लगाया है। हालांकि, अडाणी ग्रुप ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें बेबुनियाद बताया है।

ग्रुप की साख पर बुरा असर

नोटिस स्वीकार करने से इनकार करने को अंतरराष्ट्रीय बाजार नेगेटिव लेता। इससे निवेशकों में यह संदेश जाता कि ग्रुप कानून का सामना करने से डर रहा है, जिसका सीधा असर कंपनी के शेयरों और ग्लोबल रेटिंग्स पर पड़ सकता था। अगर कोर्ट ईमेल के जरिए नोटिस भेजने की अनुमति दे देता और अडाणी फिर भी जवाब नहीं देते, तो अमेरिकी अदालत उनके खिलाफ एकतरफा फैसला भी सुना सकती थी। इससे अडाणी को अपनी बात रखने का मौका ही नहीं मिलता। कानूनी जानकारों के मुताबिक, अगर कोई आरोपी जानबूझकर नोटिस से बचने की कोशिश करता है, तो जज का रुख उस पक्ष के प्रति सख्त हो सकता है। इससे अडाणी की छवि एक भगोड़े या कानून से बचने वाले व्यक्ति की बन सकती थी। चूंकि गौतम अडाणी भारत में हैं, इसलिए अमेरिकी रेगुलेटर को 'हेग कन्वेंशन' नाम की अंतरराष्ट्रीय संधि का सहारा लेना पड़ता।

पश्चिम बंगाल दौरे पर बोले शाह

2026 टीएमसी को टाटा बाय-बाय कहने का साल

कोलकाता। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए बड़ा राजनीतिक हमला बोला है। उत्तर 24 परगना जिले में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए घुसपैठियों को बाहर किया जाएगा और अगर कोई बच भी गया, तो भाजपा का मुख्यमंत्री बनते ही उसे भी राज्य से बाहर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि साल 2026 तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को 'टाटा, बाय-बाय' कहने का साल साबित होगा।

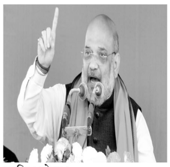

दो दिवसीय दौरे पर पश्चिम बंगाल पहुंचे अमित शाह ने कहा कि ममता बनर्जी सरकार अवैध घुसपैठियों को वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल कर रही है, लेकिन बंगाल की जनता अब सब समझ चुकी है। उन्होंने दावा किया कि राज्य की जनता टीएमसी को उखाड़ फेंकने के लिए पूरी तरह तैयार है और उसकी विदाई का समय आ गया है। शाह ने ममता बनर्जी को चुनौती देते हुए कहा कि वह एसआईआर का जितना विरोध करना चाहें कर लें, लेकिन मतदाता सूची से घुसपैठियों को हटाना तय है।

अपने भाषण में शाह ने भाजपा की चुनावी सफलताओं का जिक्र करते हुए कहा कि 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। इसके बाद आंध्र प्रदेश, ओडिशा और अरुणाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी।

तेजप्रताप ने खाली किया सरकारी बंगला...पंखा, कुर्सी, एसी, बल्ब तक अपने साथ ले गए

पटना। पूर्व मंत्री और जेजेडी अध्यक्ष तेजप्रताप यादव ने पटना स्थित अपना सरकारी आवास खाली कर दिया है। बताया जा रहा है कि आवास में मौजूद फर्नीचर और अन्य जरूरी सामान को एलआर भारत के नाम से स्थित ऑफिस में शिफ्ट किया गया है।

लेकिन सरकारी आवास खाली होने के बाद नया विवाद सामने आ गया है। दरअसल, ये बंगला मंत्री लखेंद्र पासवान को मिला है।

आईजी जैसे पदों के लिए अब दो साल का केंद्रीय प्रतिनियुक्ति का अनुभव अनिवार्य

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आईपीएस अधिकारियों के लिए वरिष्ठ केंद्रीय पदों पर नियुक्ति के नए नियम लागू कर दिए है। इसके तहत आईजी जैसे पदों के लिए अब एसपी या डीआईजी स्तर पर कम से कम दो साल का केंद्रीय प्रतिनियुक्ति का अनुभव होना अनिवार्य होगा। अब तक एसपी/डीआईजी स्तर के आईपीएस अधिकारी बिना केंद्रीय सेवा अनुभव के सीधे सीनियर पोस्ट के लिए उपयुक्त हो सकते थे, लेकिन अब इसके लिए उन्हें पहले केंद्र में प्रतिनियुक्ति अनुभव पूरा करना होगा। केंद्रीय पुलिस संगठनों और एजेंसियों में अनुभव और क्षमता बढ़ाने के लिए फैसले को अहम माना जा रहा है। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने बदलाव की जानकारी राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र के जरिए दी है। ये नियम 2011 बैच के आईपीएस अधिकारियों और उसके बाद के बैचों पर लागू होगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय के इस फैसले का मकसद केंद्र सरकार के संगठनों में एसपी/डीआईजी और सीनियर लेवल के आईपीएस अधिकारियों का अनुभव सुनिश्चित करना है।

मुसलमानों को गाली देने से भारत हिंदू राष्ट्र नहीं बनेगा

बांदा। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने उत्तरप्रदेश के बांदा में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में हिंदू समाज को महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को गाली देने या किसी दूसरे समुदाय को निशाना बनाने से भारत हिंदू राष्ट्र नहीं बनेगा। अपने संबोधन में शास्त्री ने कहा कि पहले हिंदुओं को अपनी कुरीतियों और आंतरिक खामियों को सुधारने की जरूरत है। तभी समाज में शांति, एकता और सौहार्द स्थापित होगी।

दिव्य हनुमंत कथा के 10 दिन बाद एक बार फिर से धीरेंद्र शास्त्री शुक्रवार को बांदा पहुंचे। वे खुरहंड स्टेशन स्थित सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी के आवास पर आयोजित सुंदरकांड व हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा, हिंदू मेरी एक बात नोट कर लें, मुसलमानों को गालियां देकर हिंदू राष्ट्र नहीं बनेगा। हिंदुओं को अपनी कुरीतियां सुधारनी पड़ेंगी, तभी भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा। जो हमारे सनातन में कमियां हैं, उस दूर किया जाएगा, तभी बनेगा और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का एक ही उपाय है। वह है, जात-पात की करो विदाई, हम सब हिंदू भाई-भाई। बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर ने कहा कि उनके यहां तीन बार हूं.. हूं.. और तलाक, हमारे यहां तो जब तक 20 से 25 बार पेशी न हो जाए तब तक तलाक नहीं होता है।

मोहन सरकार का बड़ा फैसला :

10 साल पुराने संविदाकर्मियों को किया जाएगा नियमित

भोपाल। मध्यप्रदेश के करीब 2.50 लाख संविदाकर्मियों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ी सौगात दी है। मोहन सरकार ने संविदा नीति-2023 के तहत नियमितीकरण, सेवा सुरक्षा और भत्तों से जुड़ी एक अहम घोषणा की है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि 10 साल से अधिक अनुभव रखने वाले संविदाकर्मियों का नियमित पदों पर संविलियन होगा। यह प्रक्रिया रिक्त पदों में से 50 प्रतिशत पदों के लिए रहेगी। उन्होंने कहा कि आगे आने वाले समय में इसका दायरा बढ़ाया जाएगा।

मोहन सरकार के इस फैसले से हजारों संविदाकर्मियों के लिए स्थायी नौकरी का रास्ता खुल गया है। सीएम ने यह घोषणा मप्र संविदा कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मंच के राज्य स्तरीय सम्मेलन में की। साथ ही संविदाकर्मियों को कर्मचारियों के समान महंगाई भत्ता (डीए) देने और सेवा समाप्ति के मामलों में सीसीए नियम लागू करने पर भी सहमति बनी है। 2.50 लाख संविदाकर्मियों में से अभी 50 हजार हो जाएंगे नियमित कर्मचारी।

क्या संविलियन यानी स्थायी नौकरी? हां। संविलियन यानी संविदा कर्मचारी को नियमित (स्थायी) सरकारी कर्मचारी के रूप में शामिल करना। यानी नौकरी अब अस्थायी नहीं रहेगी, बल्कि स्थायी हो जाएगी। ये संविलियन कितने पदों पर होगा? अभी रिक्त नियमित पदों के 50 प्रतिशत हिस्से पर संविलियन होगा। अभी करीब 50 हजार को लाभ होगा। बिना नोटिस हटाया नहीं जा सकेगा। सेवा समाप्ति से पहले जवाब और सुनवाई का मौका मिलेगा। यानी नौकरी ज्यादा सुरक्षित होगी।

महंगाई भत्ता (डीए) को लेकर क्या? संविदाकर्मियों को भी नियमित के समान डीए मिलेगा। पहले इन्हें साल में एक बार मूल्य सूचकांक पर भत्ता दिया जाता था। भविष्य में और सुविधाएं मिलेंगी? संविदा नीति-2023 के तहत अब एनपीएस (पेंशन), हेल्थ बीमा, अनुकंपा नियुक्ति, ग्रेच्युटी जैसे लाभ लागू करने पर काम होगा।

संविलियन तुरंत लागू हो जाएगा? नहीं। पहले नीति में संशोधन होगा, फिर विभागवार रिक्त पदों की प्रक्रिया शुरू होगी।

कुछ ना कहना

गर्रा रेलवे ब्रिज निर्माण का डायवर्सन डेंजर रोड बना दुर्घटनाओं का हॉटस्पॉट

पुलिस और प्रशासन की अनदेखी से बढ़ा खतरा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर के समीप वारासिवनी रोड पर स्थित गर्रा रेलवे ब्रिज का निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में है। निर्माण के चलते सुरक्षा कारणों से इस मार्ग से सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। इसका सीधा असर बालाघाट नगर के बाईपास स्थित तथाकथित डेंजर रोड पर पड़ा है। जहां अचानक वाहनों का दबाव कई गुना बढ़ गया है। पहले से ही जर्जर हालत में मौजूद यह मार्ग अब दुर्घटनाओं का गढ़ बनता जा रहा है। बाईपास की यह डेंजर रोड बैनगंगा नदी के किनारे-किनारे घने जंगल क्षेत्र से होकर गुजरती है। मार्ग पर आधा दर्जन से अधिक तीखे घाट, खतरनाक मोड़ और अंधे घुमाव मौजूद हैं। जो विशेषकर रात के समय जानलेवा साबित हो रहे हैं। सड़क की हालत इतनी बदतर है कि कई स्थानों पर गहरे कटाव हो चुके हैं। किनारों पर साइड शोल्डर नहीं है, जिससे वाहन फिसलने और अनियंत्रित होने का खतरा लगातार बना हुआ है।

रेलवे अंडरपास के समीप सड़क की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। यहां डामर पूरी तरह उखड़ चुका है, गिट्टी बाहर आ गई है और बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। आए दिन वाहन इन गड्ढों में फंसकर हादसे का शिकार हो रहे हैं।

बीती रात इसी मार्ग पर एक पिकअप वाहन सड़क किनारे पलटते-पलटते बचा, जिससे बड़ा हादसा टल गया। वहीं 31 जनवरी को करीब 11:30 बजे हुई सड़क दुर्घटना में वार्ड पुनीत ठाकुर 34 वार्ड नंबर 1बूढ़ी बालाघाट निवासी घायल हो गए, जिनका जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार किया गया। खराब सड़क के कारण यहां रोजाना छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो रही हैं और राहगीर घायल हो रहे हैं। वर्षाकाल के समय ही नागरिकों और वाहन चालकों द्वारा कई बार प्रशासन का ध्यान इस सड़क की बदहाल स्थिति की ओर आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक न तो मरम्मत कार्य हुआ और न ही कोई अस्थायी सुरक्षा व्यवस्था की गई। गर्रा रेलवे ब्रिज के निर्माण के चलते आगामी करीब दो माह तक इसी बाईपास डेंजर रोड से भारी और हल्के वाहनों की आवाजाही बनी रहने की संभावना है, जिससे हालात और अधिक गंभीर हो सकते हैं।इस मार्ग से बालाघाट से वारासिवनी और लालबर्रा की ओर जाने वाली बसें, ट्रक, कारें और दोपहिया वाहन नियमित रूप से गुजरते हैं। रात के समय रोशनी की कमी, जंगल क्षेत्र और जर्जर सड़क मिलकर इस रास्ते को और भी भयावह बना देते हैं। यदि समय रहते सड़क की मरम्मत, गड्ढों की भराई, साइड शोल्डर निर्माण नहीं किया गया, तो किसी बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता।अब सवाल यह है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब संज्ञान लेगा—या फिर किसी बड़े हादसे के बाद ही जागना उसकी नियति बन चुका है। जैसे की बीते दिनों बूढ़ी स्थित गैस एजेंसी के पास बेलगाम ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से साइकिल सवार एक छात्रा घायल होने के बाद पुलिस प्रशासन ने नगर में भारी वाहनों के लिए नो एंट्री का समय सुबह 7:00 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक कर दिया गया। जिला प्रशासन संभवत डेंजर रोड पर भी ऐसे ही दर्दनाक सड़क दुर्घटना होने का शायद इंतजार कर रही है।

"मतदान है अधिकार हमारा" के नारे से गूंजा चांगोंटोला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा ग्राम चांगोंटोला में सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के चतुर्थ दिवस 31 जनवरी 2026 को प्रात: 6 बजे प्रभात फेरी निकालकर ग्रामीणों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। स्वयंसेवकों ने मतदान है अधिकार हमारा जैसे नारों के माध्यम से लोकतंत्र में मतदान के महत्व का संदेश दिया।

प्रभात फेरी के उपरांत ग्राम चांगोंटोला के चौक में साफ-सफाई कर स्वयंसेवकों द्वारा श्रमदान किया गया। इसके बाद मतदान जागरूकता रैली निकाली गई, जिसे पूरे ग्राम में भ्रमण कराया गया। रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने ग्राम से प्लास्टिक व पॉलीथिन एकत्रित कर स्वच्छता का संदेश देते हुए सरपंच महोदय एवं ग्राम पंचायत चांगोंटोला को सौंपा। इसी क्रम में चौक में राष्ट्रीय सेवा योजना लामता इकाई द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें मतदान का महत्व एवं सही मतदाता चयन की आवश्यकता को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया गया।

दोपहर के बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में तहसीलदार लामता श्री दशवंत सिंह मेरावी, सरपंच ग्राम चांगोंटोला श्री प्रमोद कुमार ठाकरे तथा जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री विनोद बोथरा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय परिवार से डॉ. अनिल कुमार चौरे (अर्थशास्त्र विभाग) एवं डॉ. कृष्ण सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वयंसेवक अमित धामड़े ने की।

मुख्य अतिथि तहसीलदार श्री मेरावी द्वारा एसआईआर (स्ढ्ढक्र) से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए मतदान के अधिकार एवं उसकी अनिवार्यता पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने युवाओं से लोकतंत्र को सशक्त बनाने हेतु मतदान में सक्रिय सहभागिता की अपील की। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. डुलेश्वरी टेंभरे के मार्गदर्शन में शिविर नायक हरेंद्र, शिविर प्रभारी निरंजन राहंगडाले एवं वरिष्ठ स्वयंसेवकों द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।

न्यायालय के आदेश का उल्लंघन पर सेवानिवृत्त शिक्षक ने धर्मशाला पर जमा रखा है अवैध कब्जा

धर्मशाला समिति संगठन ने सौपा ज्ञापन, धर्मशाला को अवैध कब्जे से मुक्त करने की लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से करीब 45 किमी दूर थाना ग्राम चांगोटोला स्थित एक धर्मशाला व धर्मशाला की भूमि पर अवैध तौर पर कब्जा किए जाने का एक मामला सामने आया है। जहां गेंदालाल सखा धर्मशाला समिति के पदाधिकारियो ने गांव के ही एक रिटायर्ड शिक्षक व समिति के पूर्व सचिव राम स्नेही सोनी पर धर्मशाला की भूमि में अवैध कब्जा कर भूमि को हथियाने का आरोप लगाया है।तो वही उन्होंने न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन कर उक्त अवैध कब्जे को खाली न करने की बात कहते हुए धर्मशाला और धर्मशाला की भूमि पर किए गए संपूर्ण अतिक्रमण को हटाकर धर्मशाला की भूमि अतिक्रमण मुक्त किए जाने की मांग की है।गेंदालाल सखा धर्म शाला के अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी ने जिला प्रशासन को एक ज्ञापन सौपकर उक्त मामले में कोर्ट की आवेहलना करने वाले रिटायर्ड शिक्षक के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही कर धर्मशाला को अतिक्रमण मुक्त किए जाने की गुहार लगाई है।

1975 की धर्मशाला में 2019 के बाद किया कब्जा

गेंदलाल सखा धर्मशाला समिति अध्यक्ष सतीश जैन सहित अन्य पदाधिकारियो ने बताया की चांगोटोला वार्ड नंबर 01 स्थित गेंदालाल सखा सार्वजनिक धर्मशाला का निर्माण सन 1975 में किया गया था भूमि सर्वे नंबर 123 के प्लॉट नंबर 20 और 21 में निर्मित इस धर्मशाला का संचालन समिति द्वारा वर्ष 2010 तक व्यवस्थित रूप से किया गया, इसके बाद उक्त धर्मशाला को सरस्वती शिशु मंदिर चांगोटोला को स्कूल संचालन के लिए दिया गया। जहां स्कूल वर्ष 2019 तक चला।बताया गया किधर्मशाला से जब स्कूल वर्ष 2019 में खाली कराया गया तो संस्था के तत्कालीन सचिव एवं शिक्षक राम स्नेही पिता रूपलाल सोनी ने अपने परिवार के साथ धर्मशाला व धर्मशाला की जमीन पर अवैधताओं को कब्जा कर लिया, जिस पर आपत्ति जताते हुए संस्था के अध्यक्ष सतीश जैन एवं अन्य सदस्यगणों द्वारा मामले की शिकायत एसडीएम न्यायालय में की गई।जिस पर की गई सुनवाई के उपरांत 13 फरवरी 2025 को एसडीएम कोर्ट निर्णय दिया कि प्लॉट नंबर 20 और 21 गेंदलाल सखा सार्वजनिक धर्मशाला के नाम से दर्ज किया जाए और जो अवैध कब्जा किया गया है उसे भी खाली कराकर धर्मशाला को अतिक्रमण मुक्त किए जाने और संस्था का पुन: गठन कर ,कब्जे वाली भूमि भी समिति के हैंडोवर किए जाने के आदेश दिए गए थे जिस पर राम स्नेही सोनी ने एसडीएम आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय जबलपुर में अपील की थी जिस पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने राम स्नेही की अपील को 24 अप्रैल 2025 को खारिज कर दिया था।जहां अपील खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने एसडीएम के आदेश को ही यथावत रखने के आदेश दिए गए थे।बावजूद इसके भी अब तक धर्मशाला की उक्त भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया गया है जिस पर समिति पदाधिकारी ने अपनी नाराजगी जताई है

न्यायालय के आदेशों का किया जाए पालन

गेंदलाल सखा सार्वजनिक धर्मशाला समिति अध्यक्ष सतीश जैन सहित अन्य ने बताया कि इस मामले में उच्च न्यायालय से मिले आदेशों के तहत धर्मशाला की भूमि से अतिक्रमण हटाकर बेदखली की कार्यवाही की गई थी। जिसके अंतर्गत धर्मशाला का प्लॉट नंबर 20 को अतिक्रमण मुक्त किया गया था लेकिन प्लॉट नंबर 21 को अतिक्रमण मुक्त नहीं किया गया। पदाधिकारियो ने बताया कि तहसीलदार द्वारा बेदखली की कार्यवाही की गई लेकिन सोनी परिवार के सदस्यों द्वारा वहां पर बुधवार 28 जनवरी 2025 को सतीश जैन (अध्यक्ष) के साथ गाली-गलौज की गई, वही तहसीलदार पटवारी के शासकीय कार्य में भी बंदा पहुंचाई गई है। अध्यक्ष सतीश जैन सहित अन्य पदाधिकारी का आरोप है कि गेंदालाल सखा सार्वजनिक धर्मशाला 83 बाय 65 यानी करीब 5500 स्क्वायर फीट में बनाई गई है जिसमें से लगभग 900 फीट की जमीन पर सोनी परिवार के लोगो ने अतिक्रमण कर कब्जा किया गया है जिसे मुक्त करने की वे लगातार मांग कर रहे हैं।वही न्यायालय से भी अतिक्रमण मुक्त भूमि करने की आदेश दिए जा चुके हैं लेकिन संबंधित सोनी परिवार द्वारा अवैध कब्जा खाली नहीं किया जा रहा है और ना ही प्रशासन द्वारा किसी प्रकार की सख्ती दिखाई जा रही है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से न्यायाधीशों का हवाला देते हुए धर्मशाला की उक्त भूमि से अवैध अतिक्रमण को हटाने की गुहार लगाई है।

सरकार की उपेक्षा का दंश झेल रहा रविदासिया समाज

1984 के बाद नहीं मिला किसी भी योजना का लाभ, संत गुरु रविदास जी की जयंती आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित तहसील व अन्य ग्रामीण अंचलों में 1फरवरी रविवार को संत गुरु रविदास जी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी।जिसके तहत जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएगे।जहां विभिन्न पार्टियों के नेता, विधायक ,सांसद सहित अन्य, संत रविदास जी की जयंती पर जगह-जगह प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जयकारे लगाएगे तो वहीं जगह-जगह पूजा,अर्चना ,हवन, पूजन, मंचीय कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे।लेकिन जिस संत गुरु रविदास जी की जयंती पर यह सभी आयोजन किए जा रहे हैं उसी संत गुरु रविदास के अनुयायियों पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है।आज भी मोची वर्ग विकास की मुख्यधारा से काफी पीछे छूटा हुआ है।जिन्हें अब तक सरकार से कोई मदद नहीं मिल पाई है। यूं तो प्रदेश में कई सरकारे आई और कई गई, लेकिन मोची का काम करने वाले लोगों की किसी ने कोई सुनवाई नहीं की।जिसका खामियाजा मोची वर्ग के लोग आज भी उठा रहे है।और उन्हें शासन प्रशासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

1984 के बाद से आज तक नहीं मिली कोई मदद

बताया गया कि बालाघाट जिले मे संत गुरु रविदास जी के मानने वाले मोची वर्ग की जनसंख्या 12 से 15 हजार के बीच है जबकि बात अगर पूरे जिले की करे तो पूरे जिले में मोचियो की लग्भग 50 दुकानें हैं।जिसमें से कई दुकाने सड़क किनारे तोड़े गए अतिक्रमण में हटा दी गई है।वही बात अगर बालाघाट नगर की करें तो 1984 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा नगर के 05 से 06 मोचीयों को सड़क किनारे गुमठी बनाकर दी गई थी। जहां सड़क किनारे ठेला लगाकर उनका व्यवसाय शुरू किया गया था। तब से लेकर आज तक मोची वर्ग को शासन प्रशासन से कोई सुविधा नहीं मिली है। जिन्हें ना तो बैंक लोन दे रही है और ना ही उन्हें पक्की दुकानें बनाकर दी जा रही है और ना ही उनके व्यवसाय को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा कोई प्रयत्न किए गए हैं।जिसके चलते संत गुरु रविदास जी को मारने वाले मोची वर्ग का उत्थान नहीं हो पा रहा है।

मोची वर्ग के लिए विशेष योजना की दरकार

संत गुरु रविदास जी के मानने वाले मोची वर्ग के लिए सरकार द्वारा कोई असरदार योजना नही बनाई गई है।जिससे कि उनका उत्थान हो सके।जिसपर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए मोची वर्ग के लोगों ने शासन से उनके समाज के उत्थान पर ध्यान दिए जाने की मांग की है।जिन्होंने प्रदेश सरकार पर उनके समाज की उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाते हुए उन्हें सड़क किनारे पक्की दुकान बना कर देने, व्यवसाय को बढ़ाने के लिए लोन दिए जाने और समाज विशेष के लिए अलग से कल्याणकारी योजनाएं बनाकर उन लोगों को योजनाओं का लाभ देकर, मोची वर्ग के जनजीवन को ऊपर उठाए जाने की मांग की है ।

सरकार ने आज तक हमारे उत्थान के लिए कुछ नहीं किया- विनोद कुरील

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान हनुमान चौक स्थित मोची विनोद कुरील ने बताया कि हमारे दादा परदादा के जमाने से एक ही दुकान है।यही फुटपाथ पर हम दुकान लगाते हैं। कल रविदास जयंती को सरकार बड़े धूमधाम से मना रही हैं।लेकिन सरकार ने अब तक हमें कोई सुविधा नहीं दी है। हम चाहते हैं कि हमें पक्की और स्थाई दुकान दी जाए ,दुकान बढ़ाने के लिए अनुदान मे सामग्री दिया।एक पहचान पत्र दिया जाए।वही बैंकों से लोन मिलना चाहिए।उन्होंने बताया की यह गुमठी पिता को सन 1984 में मिली थी।उसके बाद आज तक समाज के लोगो के लिए शासन ने कोई बड़ी कोई बड़ी योजना नही बनाई।

बेटा पढ़ाई करने के बाद रिक्शा चला रहा है- सूरज बारेकर

वही मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मोची सूरज बारेकर ने बताया कि शासन की तरफ से हमे व हमारे समाज को कोई सुविधा नहीं मिली है।हमारा समाज गरीब है प्रदेश सरकार ने हमारे समाज के उत्थान के लिए बहुत काम करने चाहिए। हमें लोन की सुविधा मिलनी चाहिए ,हम बरसो से फुटपाथ पर बूट पालिस करते आ रहे हैं जो अब भी कर रहे हैं। हमारे समाज में कोई धनी नहीं है जो 10 हजार रु की किराए की दुकान लेकर दुकान चला सके। हमारी मांग है कि हमें एक पक्की दुकान बना कर दी जाए ,भले ही राशि किस्तों में वसूला जाए, हमें लोन मिले, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।बेटा पढ़ाई करने के बाद रिक्शा चला रहा है।उसके लिए तक दुकान की व्यवस्था नही है।

आज भी हम फुटपाथ पर बूट पॉलिश कर रहे हैं-मनीष बारेकर

वही बस स्टैंड यात्री प्रतीक्षालय के बाजू में दुकान लगाकर बैठे मोची मनीष बारेकर ने बताया कि सरकार ने आज तक हमारे समाज के उत्थान के लिए कुछ नहीं किया है। आज भी हम विकास की मुख्यधारा से नहीं जुड़ पाए हैं। हमारी मांग है कि जो समाज में पढ़े लिखे लोग हैं उन्हें रोजगार मिलना चाहिए, वही जो फुटपाथ पर गुमठी में दुकान लगा रहे हैं उन्हें पक्की दुकान देना चाहिए ,उन्हें लोन की सुविधा मिलनी चाहिए।तब कहीं जाकर हमारे समाज का उत्थान हो पाएगा।आज तक दुकान में मीटर नहीं मिले हैं, विद्युत विभाग वाले बोलते हैं कि नगरपालिका से एनओसी लाओ ,नगरपालिका वाले, एलओसी नहीं देते तो वही बैंक वाले लोन नहीं देते हैं बोलते हैं कि पहले इनकम टैक्स लाओ। ऐसी कई योजनाएं हैं जिनका हमें अब तक लाभ नहीं मिला है।

आज हट्टा मे विराट हिन्दू सम्मेलन

पद्मेश न्यूज। हट्टा। हिन्दू समाज की बंधुता , परस्पर प्रेम सहयोग तथा स्वाभिमान का हिन्दू सम्मेलन का आयोजन आज दिनाक 01/02/2026 दिन रविवार को ग्राम हट्टा मे किया जा रहा है । जिसमे सनातन संस्कृति सामाजिक एकता और राष्ट्रबोध को सशक्त करने हेतु सभी धर्म प्रेमी, मातृ शक्ति , युवा व वरिष्टजनों से विनम्र आमंत्रण है । इस कार्यक्रम मे आज दिनाक 01/02/2026 दिन रविवार को भव्य कलश यात्रा सुबह 11:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक तत्पश्चात भोजन व्यवस्था दोपहर 2:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक स्थानीय गुजरी चौक हट्टा मे किया जाना है । हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति ,मंडल हट्टा के द्वारा समस्त सनातनी हिन्दू भाइयों बहनों से निवेदन किया गया है की अधिक से अधिक संख्या मे इस हिन्दू एकता के महाकुंभ मे उपस्थिति दर्ज कर सनातन एकता एवं हिन्दू सम्मेलन को सफल

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खुरमुंडी में एसडीएम अर्पित गुप्ता ने किया पुस्तकालय का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विकासखंड परसवाड़ा अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खुरमुंडी में विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विद्यालय परिसर में नवीन पुस्तकालय का शुभारंभ किया गया। पुस्तकालय का उद्घाटन अर्पित गुप्ता (आईएएस), अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं परियोजना प्रशासक, एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना बैहर द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य दलसिंह पन्द्रे, संस्था प्राचार्य श्रीमती कामिनी कोकोटे, विद्यालय स्टाफ, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। अतिथियों ने इस पहल को विद्यार्थियों के शैक्षणिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उद्घाटन अवसर पर अर्पित गुप्ता (आईएएस) द्वारा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय हेतु विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित 19 प्रकार की कुल 22 महत्वपूर्ण पुस्तकों का दान किया गया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर अन्य परीक्षाओं से संबंधित उपयोगी पुस्तकें भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अवसर पर श्री गुप्ता ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित कर नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं लक्ष्य निर्धारण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि पुस्तकालय का अधिकाधिक उपयोग कर वे अपने ज्ञान का विस्तार करें और अपने भविष्य को बेहतर दिशा दें। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार यह पुस्तकालय विद्यार्थियों के लिए अध्ययन की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराएगा तथा उन्हें उच्च शिक्षा एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने हेतु उचित मार्गदर्शन प्रदान करेगा। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया

आवश्यकता है
दो छोटे बच्चों की देखरेख करने और घरेलू कार्य करने के लिये युवती की आवश्यकता है
आकर्षक वेतनमान
6269524236
9009712121

आवश्यकता है
• कुक
• वेटर (महिला)
• हेल्पर (पुरूष)
• किचन हेल्पर (पुरूष/महिला)
• गार्ड
• सुपरवाईजर
• फ्राई मेन
• हेड कुक
• तंदूरवाला
• मेनेजर
• अनुभवी को प्राथमिकता
• आकर्षक वेतनमान
संपर्क करें- होटल कायनात
बैहर रोड, बालाघाट
मो. 6261931815, 7828373189

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

बोर्ड परीक्षाओं के दौरान बैहर, बिरसा व परसवाड़ा में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माह फरवरी 2026 में प्रारंभ होने वाली बोर्ड परीक्षाओं एवं विद्यालयों की वार्षिक परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षा अवधि के दौरान विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए तहसील बैहर, बिरसा एवं परसवाड़ा क्षेत्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना बैहर के परियोजना प्रशासक अर्पित गुप्ता (आईएएस) द्वारा इस संबंध में संभागीय अभियंता, म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैहर को पत्र जारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। पत्र में उल्लेख किया गया है कि कुछ ग्रामों में पिछले दो दिनों से ट्रांसफार्मर खराबी के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित होने की जानकारी प्राप्त हुई है, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

परियोजना प्रशासक ने निर्देशित किया है कि परीक्षा अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की अनावश्यक विद्युत कटौती न की जाए। यदि किसी तकनीकी कारण, लाइन फॉल्ट अथवा ट्रांसफार्मर खराबी के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित होती है, तो उसका त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विद्युत संबंधी शिकायतों के समाधान हेतु समुचित पूर्व तैयारी एवं त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं।

विद्युत आपूर्ति संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए सहायक अभियंता (एई), म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि. बैहर के मोबाइल नंबर 9425806306 तथा उपकेंद्र बैहर के संपर्क नंबर 9425808074 को निरंतर सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि शिकायत प्राप्त होते ही तत्काल समाधान किया जा सके।

प्रशासन द्वारा यह कदम विद्यार्थियों की परीक्षा तैयारियों को सुचारु बनाए रखने एवं उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

निर्माणाधीन भटेरा ओवरब्रिज में जल निकासी बन रही बाधा

विधायक श्रीमती मुंजारे ने निरीक्षण में दिए त्वरित समाधान के निर्देश

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज का बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और बीते कुछ दिनों से सामने आ रही जल निकासी की गंभीर समस्या पर संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। बताया गया कि ओवरब्रिज क्षेत्र में पानी की उचित निकासी नहीं होने के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। जलभराव की स्थिति के चलते निर्माण एजेंसी द्वारा कार्य आगे नहीं बढ़ाया जा पा रहा है, आम नागरिकों को भी सड़क आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विधायक अनुभा मुंजारे ने निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए कि जल निकासी की व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र दुरुस्त किया जाए, ताकि निर्माण कार्य में आ रही बाधाएं दूर हों और ओवरब्रिज का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जा सके।

31 जनवरी को भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज का बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने एसडीएम गोपाल सोनी, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों एवं वार्ड पार्षद योगराज लिल्हारे की उपस्थिति में स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ओवरब्रिज निर्माण की प्रगति, जमीनी समस्याओं और आमजन को हो रही परेशानियों की बारीकी से समीक्षा की गई। ओवरब्रिज का निर्माण कार्य वर्ष 2024 के जून माह में प्रारंभ हुआ था, जिसकी पूर्णता की समय-सीमा अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। कई महीने बीत जाने के बावजूद निर्माण कार्य की अपेक्षित प्रगति दिखाई नहीं दे रही है। निरीक्षण में सामने आया कि जल निकासी की समस्या इस परियोजना में सबसे बड़ी बाधा बनकर उभरी है। जहां बसों के डायवर्सन के लिए कार्य किया जाना था, वहां पानी की समुचित निकासी नहीं होने के कारण भारी मात्रा में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। इसके चलते निर्माण एजेंसी को कार्य आगे बढ़ाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, सड़क आवागमन को लेकर भी अब समस्याएं सामने आने लगी हैं, जिससे स्थानीय नागरिकों को परेशानी हो रही है। निरीक्षण के दौरान यह भी बताया गया कि नगर पालिका के सामने विभिन्न वार्डों से निकलने वाला पानी, विशेषकर बूढ़ी और भटेरा क्षेत्र की नालियों का जल, निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण बड़ी समस्या बन गया है। जल निकासी का वैकल्पिक मार्ग तय न होने से न केवल क्षेत्र में जलभराव बढ़ रहा है, बल्कि इसका सीधा असर ओवरब्रिज निर्माण कार्य पर भी पड़ रहा है। मौके पर मौजूद निर्माण एजेंसी के कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक जल निकासी सहित अन्य आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्थाएं नहीं बनाई जातीं, तब तक निर्माण कार्य को गति देना संभव नहीं है। इस पर विधायक अनुभा मुंजारे ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल निकासी की स्थायी और प्रभावी व्यवस्था शीघ्र तैयार की जाए, ताकि निर्माण कार्य में आ रही बाधाएं दूर हों। विधायक ने कहा कि रेलवे ओवरब्रिज आम जनता की सुविधा और शहर की यातायात व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है। इसमें अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ तत्काल समाधान निकालने और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

क्रांति मोर्चा ने आंदोलन का किया ऐलान

जनगणना 2027 में ओबीसी कॉलम नहीं होने पर भड़का क्रांति मोर्चा, ओबीसी जातिगत जनगणना पर वादा खिलाफी का आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय ओबीसी, एससी-एसटी क्रांति मोर्चा द्वारा स्थानीय सर्किट हाउस में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा जारी जनगणना 2027 के नोटिफिकेशन को लेकर गंभीर आपत्ति जताई गई। मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने जनगणना 2027 का नोटिफिकेशन तो जारी कर दिया है, लेकिन इसमें पिछड़ा वर्ग से संबंधित कॉलम को शामिल नहीं किया गया है, जो अत्यंत चिंताजनक और सामाजिक न्याय के विरुद्ध है। प्रेस वार्ता में मोर्चा के प्रतिनिधियों ने बताया कि प्रस्तावित जनगणना में कुल 33 कॉलम रखे गए हैं, लेकिन इनमें ओबीसी वर्ग की गणना से जुड़ा कोई भी कॉलम शामिल नहीं किया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार पिछड़े वर्ग की वास्तविक जनसंख्या को सामने लाने से बचना चाहती है।

राष्ट्रीय ओबीसी, एससी-एसटी क्रांति मोर्चा के पदाधिकारियों ने केंद्र सरकार पर ओबीसी जातिगत जनगणना को लेकर गंभीर वादा खिलाफी का आरोप लगाया है। स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान मोर्चा के पदाधिकारी उम्मेद लिल्हारे, महेश सहारे, रहीम खान, शिव जायसवाल सहित अन्य प्रतिनिधियों ने सरकार के इस निर्णय पर नाराजगी जाहिर करते हुए बड़े आंदोलन की चेतावनी दी। पदाधिकारियों ने बताया कि बीते दिनों केंद्र सरकार द्वारा यह घोषणा की गई थी कि वर्ष 2026 में ओबीसी वर्ग की जाति आधारित जनगणना कराई जाएगी। इस घोषणा का राष्ट्रीय ओबीसी, एससी-एसटी क्रांति मोर्चा ने खुले दिल से स्वागत किया था। सरकार के इस फैसले से खुश होकर मोर्चा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर मिठाइयां बांटी थीं और इसे सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम बताया था। जब केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा जनगणना 2027 का आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी किया गया, तो उसमें कुल 33 कॉलम शामिल किए गए, लेकिन इनमें कहीं भी ओबीसी की जातिगत जनगणना से संबंधित कोई कॉलम में उल्लेख नहीं पाया गया। इसी बात को लेकर मोर्चा के पदाधिकारियों ने गहरी नाराजगी जताई और इसे ओबीसी समाज के साथ विश्वासघात करार दिया। क्रांति मोर्चा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे कर जनता से वोट लेने का काम करती है, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही अपने वादों से पीछे हट जाती है। उन्होंने कहा कि ओबीसी जातिगत जनगणना का मुद्दा भी बिहार चुनाव के दौरान वोट बटोरने के लिए उठाया गया था। इससे पहले जब कांग्रेस सहित अन्य दलों ने जातिगत जनगणना की मांग की थी, तब भाजपा सरकार ने इस विषय पर कोई रुचि नहीं दिखाई थी। पदाधिकारियों ने आगे कहा कि यही स्थिति प्रदेश स्तर पर किए गए वादों की भी है। लाड़ली बहना योजना के तहत 3000 रूपये प्रतिमाह देने की घोषणा हो या किसानों को 3100 रूपये धान के समर्थन मूल्य देने का वादा किया गया था, ये सभी घोषणाएं आज भी कागजों तक ही सीमित हैं और जमीनी स्तर पर कोई बदलाव नजर नहीं आ रहा है। मोर्चा ने ऐलान किया कि इन सभी मुद्दों को लेकर जल्द ही जिला मुख्यालय में बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी रणनीति तैयार की जा रही है। साथ ही उन्होंने ओबीसी समाज से अपील की कि वे अपने हक और अधिकारों के लिए एकजुट होकर सामने आएं, ताकि सरकार पर दबाव बनाया जा सके।

मिरगपुर में जमीन विवाद में महिला से छेड़छाड़ व मारपीट, पति को भी पीटा- पंचायत सचिव सहित तीन आरोपियों पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मिरगपुर में जमीन विवाद को लेकर एक 48 वर्षीय महिला के साथ छेड़छाड़, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। महिला की शिकायत पर तिरोड़ी पुलिस ने तीन आरोपी जितेंद्र राहंगडाले, मनोज राहंगडाले दोनो ग्राम मिरगपुर और मानिकचंद पटले ग्राम रानी मोहगांव निवासी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों में से एक आरोपी मानिकचंद पटले ग्राम पंचायत सालेबर्डी में सचिव पद पर पदस्थ बताया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मिरगपुर निवासी पीड़ित महिला अपने परिवार के साथ खेती-किसानी करती है। महिला का खेत मिरगपुर में रानीमोहगांव रोड पर स्थित है, जिसे लेकर परिजनों के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। 28 जनवरी को आरोपियों द्वारा खेत की नापजोख के लिए पटवारी को बुलाया गया था। इसकी जानकारी मिलने पर शाम करीब 5 बजे महिला अपने पति के साथ खेत पर पहुंची।

बताया गया कि खेत पर उस समय जितेंद्र राहंगडाले और मनोज राहंगडाले तथा मानिकचंद पटले मौजूद थे। महिला का पति पटवारी से बातचीत करने चला गया ।जबकि महिला खेत में कुछ दूरी पर खड़ी थी। इसी दौरान तीनों आरोपी महिला के पास पहुंचे और जमीन को अपनी बताते हुए विवाद करने लगे। महिला द्वारा जमीन अपनी होने की बात कहने पर आरोपी भड़क गए।

आरोप है कि तीनों ने महिला को अश्लील गालियां दीं, बुरी नीयत से हाथ पकड़कर खींचतान की और मारपीट की। जब महिला का पति बीच-बचाव करने पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ भी हाथ-मुक्कों से मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद आरोपियों ने महिला और उसके पति को दोबारा खेत पर आने पर जान से मारने की धमकी दी ।रात होने के कारण पीड़िता उसी दिन रिपोर्ट करने तिरोड़ी थाना नहीं पहुंच सकी । अगले दिन 29 जनवरी को महिला अपने पति के साथ तिरोड़ी थाना पहुंची और घटना की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों का चिकित्सीय परीक्षण कराया।

पीड़िता की रिपोर्ट पर तिरोड़ी पुलिस ने जितेंद्र राहंगडाले, मनोज राहंगडाले एवं मानिकचंद पटले के विरुद्ध महिला से छेड़छाड़, मारपीट, पति के साथ मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता 2023 की संबंधित धारा 74,296(b),115(2),351(3) 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। आरोपियों के विरुद्ध जांच जारी है। अपराध दर्ज होने के बाद से तीनों आरोपी फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। इस मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक उमेश दियेवार द्वारा की जा रही है।

भटेरा वार्ड दो में शराब दुकान को लेकर बवाल

विधायक अनुभा मुंजारे ने मौके पर पहुंचकर जताया कड़ा विरोध

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भटेरा के वार्ड क्रमांक 2 में संचालित अंग्रेजी शराब दुकान को लेकर स्थानीय नागरिकों में काफी समय से नाराजगी और आक्रोश व्याप्त है। वार्डवासियों के साथ-साथ पार्षद का आरोप है कि शराब दुकान के आसपास और वार्ड की गलियों में खुलेआम लोग शराब का सेवन कर रहे है। देर रात तक शोर-शराबा, गाली-गलौज और असामाजिक तत्वों की आवाजाही से क्षेत्र का माहौल लगातार खराब हो रहा है, जिससे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए 31 जनवरी की शाम करीब 7:30 बजे विधायक अनुभा मुंजारे अपने समर्थकों के साथ शराब दुकान पहुंचीं। मौके पर पहुंचते ही उन्होंने देखा कि कुछ लोग दुकान परिसर और आसपास के वार्ड में ही शराब का सेवन कर रहे थे। इस स्थिति पर विधायक ने कड़ा रुख अपनाते हुए दुकान में मौजूद कर्मचारियों को जमकर फटकार लगाई और साफ शब्दों में कहा कि सार्वजनिक स्थान पर शराब पिलाना नियमों का खुला उल्लंघन है और इसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वार्ड क्रमांक 2 में संचालित अंग्रेजी शराब दुकान में जब विधायक अनुभा मुंजारे अचानक पहुंच तो दुकान परिसर में हड़कंप मच गया और वहां मौजूद लोग इधर-उधर भागते नजर आए। विधायक ने दुकान में मौजूद कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि आबादी वाले क्षेत्र में इस तरह की दुकान का संचालन पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है और इसका सीधा नकारात्मक असर छोटे बच्चों और युवाओं पर पड़ रहा है। अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए विधायक ने मौके से ही संबंधित विभागीय अधिकारियों से फोन पर चर्चा की और स्थिति से अवगत कराया। विरोध स्वरूप वह कुछ समय तक शराब दुकान के सामने धरने पर बैठीं। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी भी वहां एकत्र हो गए और शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर जोरदार विरोध दर्ज कराया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी कामेश धूमकेती पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शराब दुकान के कर्मचारियों को बाहर बुलाकर सख्त लहजे में समझाइश दी और चेतावनी दी कि यदि आगे दुकान परिसर या आसपास शराब पीने की शिकायत मिली, तो संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने विधायक को यह भी स्पष्ट किया कि दुकान का स्थान परिवर्तन उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, लेकिन उन्होंने आश्वस्त किया कि इस विषय में संबंधित विभाग को पत्र भेजा जाएगा। वहीं विधायक अनुभा मुंजारे ने भी अधिकारियों से बातचीत कर आबादी क्षेत्र से शराब दुकान हटाने की मांग दोहराई।

जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई भगवान विश्वकर्मा जयंती

जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शनिवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में भक्ति भाव के साथ भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई गई ।जहां जिले भर में जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। सृष्टि के रचयिता भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर नगर में भी विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर विभिन्न समाज संगठनों द्वारा हर्षोल्लास के साथ विश्वकर्मा जयंती मनाई गई ।जहां विश्व के प्रथम महाशिल्पकार भगवान विश्वकर्मा का अभिषेक, कर, पूजा अर्चना, प्रसाद वितरण, पुरस्कार वितरण, व भंडारा सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर रात में जयंती समारोह का समापन किया गया।

आवलाझरी मंदिर में विभिन्न कार्यक्रमो के हुए आयोजन

जिला मुख्यालय से लगभग 4 किमी दूर ग्राम अवलाझारी स्थित भगवान विश्वकर्मा मंदिर में प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान विश्वकर्मा की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई.जहां सामाजिक बंधुओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए.भगवान विश्वकर्मा समाज संगठन द्वारा माघ मास की शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 31 जनवरी शनिवार को यह जयंती मनाई गई ।भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए सुबह से ही भीड़ लगना शुरू हो गई ।जहा सुबह आठ बजे से मंदिर में पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुवात की गई ।उसके बाद सुबह नौ बजे भगवान का विधिविधान से जलाभिषेक करके पूजन अर्चन किया गया। वही 11 बजे से हवन पूजन कार्यक्रम शुरू किया गया जो दोपहर तक चला। इसके साथ ही दोपहर एक बजे से महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस मौके पर समाज संगठन द्वारा दोपहर 2 बजे से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया ।इसमे समाज के बुर्जुगों व सामाजिक कार्यो में बढ़चढ़कर हिस्सा लेने वालो का मुल मालाओ के साथ स्वागत किया गया ।जहा वक्ताओं उद्बेदन के पश्चात शाम 5 बजे पुरस्कार वितरण किया गया। इसके अलावा शाम साढ़े छह बजे भगवान विश्वकर्मा जी की महाआरती की गई। इसके बाद शाम 7 बजे से रात्रि10 बजे तक भंडारे का आयोजन किया गया। इस तरह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर देर रात जयंती समारोह का समापन किया गया।

यह है मान्यता

मान्यता है कि, जब भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की तो इसका निर्माण करने का कार्यभार देवताओं के लिए शिल्पीकार भगवान विश्वकर्मा को सौंपा गया। उन्होंने धरती का बहुत ही खूबसूरत तरीके से निर्माण किया, इसलिए उन्हें धरती का पहला इंजीनियर कहा जाता हैं। भगवान विश्वकर्मा का जन्म माघ माह के शुक्ल पक्ष में हुआ था इस दिन विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है ।जहा पंचांग के अनुसार 31 जनवरी शनिवार के दिन विश्वकर्मा जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई।

आज ही दिन विश्वकर्मा जी प्रकट हुए थे- रविन्द्र

विश्वकर्मा जयंती और जयंती विशेष पर आयोजित कार्यक्रमों को लेकर की गई चर्चा के दौरान विश्वकर्मा समाज के पदाधिकारी रविन्द्र कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि हर साल सितंबर माह में भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई जाती है,वह सामूहिक जयंती होती है। जिसमें सभी समाज के लोग पूजा अर्चना करते है, लेकिन माघ की शुक्ल पक्ष तिथि में भगवान श्री विश्वकर्मा जी प्रकट हुए थे। इसलिए विश्वकर्मा समाज द्वारा अपने आराध्य भगवान श्री विश्वकर्मा जी का जयंती समारोह प्रकट दिवस के रूप में मनाया गया है जिसके तहत सुबह से लेकर रात तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए हैं आगामी समय में इन कार्यक्रमों को भव्य रूप प्रदान किया जाएगा।

आस-पास की खबरें

किसान कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने किया कार्यकारिणी का विस्तार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस ने क्षेत्र में संगठन को मजबूती देने और किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के लिए अपनी लालबर्रा ब्लॉक कार्यकारिणी का विस्तार किया है। ब्लॉक अध्यक्ष मुनेंद्र ठाकरे ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए अनुभवी चेहरों के साथ-साथ ऊर्जावान युवाओं को भी स्थान दिया गया है, ताकि आगामी समय में संगठन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। श्री ठाकरे ने बताया कि संगठन में छः उपाध्यक्षों की नियुक्ति की गई है, जिनमें दिनेश मरार (आमाटोला-ददिया), चित्रसेन राहंगडाले (खैरगाँव), सतानंद दमाहे (नगपुरा), सुरेश साकुरे (जाम), झामसिंह राणा (औल्याकन्हार), हितेश चौधरी (घोटी) शामिल हैं, चार महासचिवों (महामंत्री) की जिम्मेदारी तेजलाल उड़के (अतरी), संतोष पंचेश्वर (नेवरगाँव), रामकुमार मर्सकोले (धारावासी) और मूलचन्द राहंगडाले (बबरिया) को सौंपी गई है। सचिव के रूप में

गुनेश्वर तिवड़े (बहेगाव) शामिल है। रामेश्वर बिसेन (खिरी), लक्ष्मी पंचेश्वर (मुरलीखाम), शैलेन्द्र धुर्वे (सेलवा), राजकुमार राहंगडाले (खैरगाँव), विजय पटले (छिदलई), रामप्रसाद मर्सकोले (साल्हे) और गनपत तरवरे (जाम) के नाम शामिल हैं। साथ ही यह भी बताया कि कार्यकारिणी में बड़ी संख्या में सदस्यों को शामिल किया गया है जो विभिन्न ग्रामों जैसे पनबिहरी, टेगनीखुर्द, देवगांव, सिहोरा, पिपरिया, बोट्टा, चिचगांव और अन्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करेंगे। इनमें प्रमुख रूप से प्रकाश भलावी, सचिन पंचेश्वर, कृष्णकुमार मानेश्वर, भीवराम पंचेश्वर, लवकिशोर ठाकरे, टुंडीलाल ठाकरे, विनोद ठाकरे, रामप्रसाद रोकड़े, हेमंत, हरिचंद पटले, श्रीराम नखाते, मकसूद खान, गेंदलाल चिकलौंडे, नीलेश्वर बिसेन, प्रेमसिंह मर्सकोले, भिमराव मानेश्वर, तिलक एडे, मुरलीधर ठाकरे, शंकर माने, रेखलाल अडमे, सेवकराम पटले, दंगलप्रसाद क्षीरसागर, आशीष बिसेन, राजाराम कटरे, पवन ठाकरे, विनोद ठाकरे, हरिचन्द पटले, मकसूद खान, आशीष बिसेन और पवन ठाकरे शामिल है। श्री ठाकरे ने बताया कि वर्तमान समय में किसान कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। संगठन का मुख्य उद्देश्य किसानों को खाद, बीज और सिंचाई की समस्याओं से मुक्ति दिलवाना तथा उनकी उपज का सही मूल्य दिलवाने के लिए संघर्ष किया जायेगा।

मच्छुटोला लेण्डेझरी में सार्वजनिक श्री राधेकृष्ण मंदिर का वार्षिकोत्सव आज

पद्मेश न्यूज।बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत लेण्डेझरी के ग्राम मच्छुटोला में सार्वजनिक श्री राधेकृष्ण मंदिर वार्षिकोत्सव समिति के तत्वाधान में 1 फरवरी को सार्वजनिक श्री राधेकृष्ण मंदिर का वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति सचिव किसनलाल कुशराम ने बताया कि सार्वजनिक श्री राधेकृष्ण मंदिर का वार्षिकोत्सव 1 फरवरी को धूमधाम से मनाया जायेगा। इस अवसर पर प्रातः 7.30 से बजे शोभायात्रा (गौ माता कलश), प्रातः 8.30 बजे से मंदिर मुर्ति पंचम जल अभिषेक किया जायेगा, प्रातः 9.30 बजे से गौ माता प्राण प्रतिष्ठान, प्रातः 10 बजे से पंडित व्यंकटेश द्विवेदी जी द्वारा विधिवत हवन-पूजन संपन्न करवाया जायेगा। प्रातः 11 बजे से दही काला कार्यक्रम संपन्न होगा एवं शाम 5.30 बजे महाआरती के बाद महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

नाबालिग से सामुहिक बलात्कार के आरोपी का अवैध निर्माण ध्वस्त

अमोली में सरकारी जमीन पर चला बुलडोजर, ग्रामीणों ने की थी शिकायत, प्रशासन ने की कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

प्रशासन ने भू-माफियाओं और अपराधियों के विरूध्द अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति को स्पष्ट करते हुए शनिवार को ग्राम पंचायत अमोली में बड़ी कार्यवाही की है।

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के वार्ड नंबर 2 में शासकीय भूमि पर किये गये अवैध कब्जे को प्रशासन ने जमींदोज कर दिया। यह कार्यवाही ग्रामीणों की पूर्व में की गई शिकायत के आधार पर की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमोली निवासी अय्यूब कुरैशी पूर्व में नाबालिंग बालिका के साथ सामूहिक रूप से बलात्कार करने के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। जिसके बाद ग्रामीणजनों ने आरोपी के पक्के अतिक्रमण को तोड़ने के साथ ही कठोर कार्यवाही करने की मांग की थी। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए राजस्व विभाग ने जांच दल गठित किया, जिसमें अतिक्रमण की पुष्टि होने के बाद अतिक्रमणकारी को एक दिन पूर्व नोटिस जारी कर मकान खाली करने निर्देशित किया गया था, कि पक्का निर्माण शासकीय भूमि पर किया गया है, शनिवार को अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जायेगी, सामग्री हटा लेवें। वहीं नोटिस जारी होने के दूसरे दिन शनिवार को सुबह 11 बजे राजस्व विभाग का अमला पुलिस बल के साथ मौके स्थल पर पहुंचा। किन्तु मकान अंदर होने के कारण जेसीबी मशीन उक्त स्थान तक नही पहुंच पाई। ऐसी स्थिति में ड्रिल मशीन के माध्यम से शासकीय भूमि पर किये गये पक्के अतिक्रमण को तोड़ने की कार्यवाही की गई। वहीं अतिक्रमण कार्यवाही करने पहुंचे राजस्व व पुलिस बल के अमले को देखकर घटना स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। साथ ही उपस्थित लोगों के मन में एक ही बात सामने आ रही थी कि पूर्व में नाबालिंग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटनाकारित करने वाले व्यक्ति का मकान को तोड़ा जा रहा है और ऐसे लोगों के साथ ऐसा ही होना चाहिए। वहीं राजस्व अधिकारियों का कहना है कि शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना हमारी प्राथमिकता है और नियमानुसार जांच के बाद ही यह अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई है।

अपराध और अतिक्रमण का कनेक्शन

उल्लेखनीय है कि अतिक्रमणकारी अय्यूब कुरैशी अमोली निवासी पिछले माह हुए एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार के संवेदनशील मामले का आरोपी है। इसके साथ ही अन्य एक बालिंग एवं दो नाबालिंग आरोपी भी शामिल थे। जिन पर पुलिस ने पुर्व में विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं इस जघन्य अपराध के बाद से ही क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त था। स्थानीय लोग आरोपी के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्यवाही की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों का मानना है कि यह कार्यवाही उनकी मांग और आरोपी के आपराधिक इतिहास को देखते हुए शासन के दबाव में की गई है। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि यह एक नियमित राजस्व कार्यवाही है, जो पूरी तरह से अवैध अतिक्रमण की शिकायत सही पाये जाने पर की गई है। अमोली में शनिवार को राजस्व एवं पुलिस विभाग के द्वारा अवैध अतिक्रमण पर की गई इस कार्यवाही के बाद से क्षेत्र के अन्य अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दे दिए हैं कि शासकीय संपत्तियों पर कब्जा करने वाले और कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले को बख्शा नहीं जायेगा। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी, राजस्व निरीक्षक अशोक ऊईके, पटवारीगण, सचिव एवं पुलिस बल उपस्थित रहे।

मकान खाली करने का नही मिला समय - नूरकलाम

नूरकलाम कुरैशी ने बताया कि अतिक्रमण को लेकर हमारा मामला न्यायालय में चल रहा था और एक दिन पूर्व एसडीएम साहब एवं थाना प्रभारी आये थे। जिन्होने कहा था कि अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जायेगी, सामान हटा लेने के लिए बोले थे। शनिवार की सुबह राजस्व व पुलिस विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई है जो गलत है। हमें मकान में रखे सामग्री को खाली करने का भी समय नही दिया गया जिससे काफी नुकसान हुआ है।

शासकीय भूमि पर था अतिक्रमण - मयंक

नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा ने बताया कि अतिक्रमण को लेकर तहसीलदार लालबर्रा के द्वारा एक आदेश पारित किया गया था। जिसका पालन करते हुए अमोली के वार्ड नंबर 2 अमोली में शासकीय भूमि पर किये गये अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई है।

महाविद्यालय में नशा मुक्ति दिवस एवं महात्मा गांधी की मनाई गई पुण्यतिथि

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शुक्रवार को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर भारतीय ज्ञान परम्परा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में स्वच्छता अभियान एवं नशा मुक्तिअभियान के सक्रिय क्रियान्वयन के लिए महाविद्यालय में नशा मुक्ति दिवस एवं महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई। यह कार्यक्रम प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने महाविद्यालय परिसर में स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण कर श्रध्दासुमन अर्पित किये। तत्पश्चात महाविद्यालय प्राचार्य ने विद्यार्थियों एवं स्टॉप को नशा मुक्ति की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा ने विद्यार्थियो से कहा कि महात्मा गांधी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्वों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए। महात्मा गांधी के सत्य एवं अंहिसा तथा नैतिक विचारों से प्रेरणा लेते हुए सद्मार्ग पर चलना चाहिए तथा साधनों की पवित्रता को बनाये रखे । साथ ही यह भी कहा कि नशा हमारे समाज के लिए एक बहुत बडी गम्भीर समस्या है। किसी भी देश के भविष्य और तरक्की के लिए यह सबसे बडी रूकावट है इसलिए नशीले पदार्थों के सेवन से शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक रूप से हानि होती है। एक स्वच्छ एवं स्वास्थ्य भारत के लिए हमें नशा से दूर रहना चाहिए तभी हम एक उज्वल राष्ट्र का निर्माण कर सकते है। कार्यक्रम का मंच संचालन एवं आभार डॉ. कामाक्षा बिसेन के द्वारा किया गया। इस

कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. ऋषिकेश पटेल, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आशा कारे, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐडे, श्रीमती वंदना कुर्वे, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेड़े, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

बल्हारपुर विजेता और ददिया की टीम बनी उपविजेता

मुरझड़ में ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का समारोहपूर्वक हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 9 किमी. दूर ग्राम पंचायत मुरझड़ स्थित पट मैदान में क्रिकेट स्टार 11 के तत्वाधान में गत दिवस से जारी 21 हजार रूपये ईनामी टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का गुरूवार को समारोहपूर्वक समापन किया गया। आयोजित ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में जिलेभर की करीब आधा सैकड़ा से अधिक टीमों ने शामिल होकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। फाइनल मैंच जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे के मुख्य आतिथ्य, जनपद सदस्य प्रतिनिधि रामेश्वर बिरनवार की अध्यक्षता, सरपंच संघ अध्यक्ष चेतनलाल पटले, सरपंच प्रतिनिधि भोजलाल लिल्हारे, पत्रकार मोहसिन खान, नंदकिशोर डेहरे, ललित कुमार के विशेष आतिथि में प्रारंभ हुआ। फाइनल मैच बल्हारपुर एवं ददिया के मध्य 12 ओवर का खेला गया। जिसमें ददिया की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 9 विकेट खोकर 83 रन ही बना गई और बल्हारपुर की टीम को 84 रन का लक्ष्य दिया। वहीं दुसरी पारी खेलने उतरी बल्हारपुर की टीम के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फाइनल मैच का खिताब जीत लिया। जिसके बाद अतिथियों के हस्ते बल्हारपुर की टीम को प्रथम पुरस्कार 21000 रूपये, ददिया की टीम को द्वितीय पुरस्कार 11000 रूपये एवं शिल्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने आयोजन समिति की सराहना की और विजेता एवं उपविजेता टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हारी हुई टीम को निराश होने की आवश्यकता नही है, वे प्रयास करते है सफलता अवश्य मिलेगी। साथ ही यह भी कहा कि खेल खेलने से शरीर का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है इसलिए खेल खेलते रहना चाहिए। इस अवसर पर आयोजन समिति अध्यक्ष, सरपंच भोजलाल लिल्हारे, उपाध्यक्ष रामेश्वर बिरनवार, कार्यकारिणी अध्यक्ष ललित डेहरे, आकाश अटरे, धीरत लिल्हारे, तुषार डेहरे, आयुष बिरनवार, सतीष नगपुरे, कृष्णा बिरनवार, अंकुश नगपुरे, स्वराज दशरिये, राजेन्द्र नगपुरे, विनय सिहोरे, निकेत बिरनवार, सुमित पिछोड़े, ब्रजेश बसेने, गजेन्द्र बिरनवार, दुर्गा मोहारे, अमित बहेटवार, आकाश घोटीकर, प्रमोद बहेटवार, पियुष बिरनवार, राजा बिरनवार, अंकुश सिहोरे, अरविंद अटरे, आदर्श बसेने, सागर पंचेश्वर, पंकज लिल्हारे, आर्यन नगपुरे, सांईराम सिहोरे, प्रभात बसेने, दिपेश नगपुरे, मिथलेश बसेने, सोमेश चौधरी, कशोरी मुंजारे, विनोद बिरनवार, ललित कुतराहे, राहुल दशरिये, विशाल धामड़े, शैलेष बिरनवार, सतीष बहेटवार, अरविंद दांदरे, सौरभ अटरे सहित ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

5 वाहन में 15 नग मवेशी पाये गये, पुलिस ने की कार्यवाही

कत्लखाने जाने से बचे 15 नग मवेशी, राष्ट्रीय बजरंग दल ने रोका पशु तस्करी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर बालाघाट रोड़ स्थित ग्राम बकोड़ा के समीप से कत्लखाने ले जा रहे 15 नग मवेशियों को राष्ट्रीय बजरंग दल एव पुलिस प्रशासन के सहयोग से बचा लिया गया है। वहीं पुलिस ने 5 चौपहिया वाहन को जप्त कर मवेशियों को अभिरक्षा में लेकर वैधानिक कार्यवाही कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों को बरघाट बाजार से पशु तस्करी की शिकायत लगातार आ रही थी और शनिवार को चौपहिया वाहन से बड़ी संख्या में (बैल) मवेशी को कत्लखाने ले जाने की जानकारी उन्हे मिली थी। जिसके बाद राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष सितेश ब्रम्हे अन्य पदाधिकारियों के साथ बकोड़ा सांई मंदिर के समीप से गुजर रहे थे तभी उन्हे पीकअप सहित अन्य चौपहिया वाहन में मवेशी जाते हुए दिखाई दिये। जिसके बाद उन्होने वाहनों को रोका और पुलिस अधीक्षक बालाघाट एवं लालबर्रा पुलिस को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद वाहन चालकों से पूछताछ की गई तो उन्होने बताया कि बरघाट से बैल लेकर महाराष्ट्र की ओर जा रहे है जिससे उन्हे संदेह हुआ कि उक्त मवेशियों को कत्लखाने लेकर जा रहे है। साथ ही कुछ वाहनों में नंबर प्लेट भी नही था। लालबर्रा थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिस बल घटना स्थल पहुंची और पीकअप वाहन में मवेशियों को लेकर जाने वाले चालकों से पूछताछ की। जिसके बाद वाहन चालकों को अभिरक्षा में लेकर चौपहिया वाहन को थाने के सामने खड़ा करवा दिया है। वहीं पुलिस ने राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों की शिकायत पर पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्यवाही की है। इस तरह से राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों की सजगता के चलते 15 नग मवेशी कत्लखाने जाने से बच गये। वहीं राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों ने बताया कि मध्यप्रदेश से गौ तस्करी महाराष्ट्र की ओर हो रही है जिसकी रोकथाम के लिए हमारे द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं और भविष्य में भी गौ वंश रक्षा के लिए हमेशा हम तत्पर रहेगें। शनिवार को पांच वाहनों में 15 नग मवेशी कत्लखाने जा रहे थे। जिन्हे बचाया गया है और पुलिस प्रशासन से मांग है कि पशु तस्करी में संलिप्त लोगों पर कठोर कार्यवाही करें।

थाने के सामने से होता है गौवंश का परिवहन - सितेश

राष्ट्रीय बजरंग दल जिलाध्यक्ष सितेश ब्रम्हे ने बताया कि पुलिस थानों के सामने से अवैध गौवंश का परिवहन होता है, लेकिन पुलिस प्रशासन मौन बैठी रहती है। जबकि लंबे समय से हमे जानकारी मिल रही थी बरघाट (सिवनी) की ओर से मवेशी कत्लखाने जा रहे है, शनिवार को 5 चौपहिया वाहन में 15 नग मवेशी कत्लखाने महाराष्ट्र की ओर जा रहे थे जिन्हे पकड़कर पुलिस को सौंपा गया है। श्री ब्रम्हे ने बताया कि गौवंश तस्करी में रोक लगनी चाहिए, पुलिस प्रशासन से मांग है कि वाहन चालक सहित इस कार्य में जो मुख्य सरगना है उन पर कठोर कार्यवाही करें।

बिना नंबर प्लेट की गाड़ियों से होता है गौवंश का अवैध परिवहन - बसंत

राष्ट्रीय बजरंग दल जिला मंत्री बसंत बघेल ने बताया कि वर्तमान में किसानों के द्वारा मवेशियों की खरीदी बिक्री नहीं की जा रही है और जिन लोग किसानों के नाम पर बिक्री पर्ची बनाकर एवं वारासिवनी छोड़ने के नाम की पर्ची बनाकर महाराष्ट्र कत्लखाने भेजने का काम कर रहे है। आज जिन 15 नग मवेशियों को पकड़ा गया है उन्हे कत्लखाने लेकर जा रहे थे। साथ ही यह भी बताया कि जिन वाहनों में मवेशियों को लेकर जाते है उनके पीछे नंबर प्लेट भी नहीं होते हैं। इस तरह से बिना नंबर प्लेट की गाड़ियों से अवैध रूप से गौवंश का परिवहन होता है, पुलिस प्रशासन से मांग है कि गौ तस्करी पर रोक लगाये।

इनका कहना है-

राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों से जानकारी मिली थी कि बकोड़ा होते हुए 5 वाहनों में मवेशी कत्लखाने जा रहे है। जिसके बाद पुलिस घटना स्थल पहुंचकर वाहनों को जप्त कर लिया है एवं इस मामले में वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

सुनील चतुर्वेदी
थाना प्रभारी
लालबर्रा।

आलेझरी ग्राम पंचायत में सरपंच कप की टीम ही बनी विजेता

विधायकों ने ग्राम में विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत आलेझरी में विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपुजन एवं लोकार्पण किया गया। इस दौरान सरपंच कप का फाइनल मैच खैरगांव और आलेझरी के बीच खेला गया। जिसमें टांस जीतकर बैटिंग करने उतरी खैरगांव के बल्लेबाजों ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए १० ओवर में ३ विकेट खोकर १२६ रनो का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा दिया । खैरगांव की ओर से सबसे ज्यादा रन मोनिस में २४ बॉल पर नाबाद ५५ रनों की पारी खेली। बेटिंग करने उतरी आलेझरी की टीम के बल्लेबाजों ने शुरू से ही चौका छक्का लगाकर ३ ओवर में ही ५० रन ठोक डाले, आदर्श दशहरे ने ६३ रनो की धुंआधार बल्लेबाजी के चलते आलेझरी की टीम ने आसानी से फाइनल मैच जीता लिया। जिसके चलते उन्हें मैन ऑफद मैच का पुरस्कार दिया गया।

बिरसा मुंडा हमारे भगवान है-विवेक

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि हमें जिन महापुरुषों के कारण आजादी मिली है मैं उनको नमन करते हुं। जिन्होंने आजादी की लड़ाई में कभी भाग नहीं लिया आज वे लोग बाबा साहेब के द्वारा बनाए गए संविधान को बदलने की बात करते है। मगर हम कभी ऐसा होना नहीं देंगे बिरसा मुंडा हमारे भगवान है। आलेझरी पानी टंकी निर्माण की जानकारी लेने मैने विधानसभा में प्रश्न लगाया था। मगर संतुष्ट जवाब नहीं था पूरी भट्ट सरकार है,हम फिर चारों विधायक इस मुद्दे को उठाएंगे और गड़बड़ करने वाले अधिकारियों को छोड़ेंगे नहीं। वही जिसने गलत किया था जनता ने जवाब दे दिया है जैसी करनी करेंगे वैसा ही फल मिलेगा। जनता से बड़ा कोई नहीं होता है घमंड का अंत एक दिन जरूर होता है, जैसा आलेझरी में ग्राम पंचायत भवन संसद की तरह बना है हम वैसे ही हर पंचायत को संसद की तरह बनाने का प्रयास कर रहे है।

आदिवासी भाईयों को अभी भी नहीं मिल रहा न्याय-संजय

विधायक संजय उइके ने कहा कि ग्राम आलेझरी में आदिवासी समुदाय के भगवान की मूर्ति की स्थापना की है। २५ वर्ष की उम्र में भगवान बिरसा मुंडा ने अग्रेजों के खिलाप आवाज उठाई और ऐसी चिंगारी उठाई थी। अग्रेजों ने आदिवासी समाज की परम्परा को भी खत्म करने का प्रयास किया था। मेरे विधानसभा क्षेत्र में आदिवासी समुदाय के लोग ज्यादा निवास करते है। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उन्होंने जो लड़ाई लड़ी थी वो खत्म नहीं हुई है, हमें हमारा हक अभी भी नहीं मिल रहा है जो गांधी जी का सपना था। गांव के बारे में कैसा विकास होना चाहिए इसलिए पंचायत व्यवस्था बनाई थी जो हमे आलेझरी में देखने को मिल रहा है। ग्राम पंचायत भी ऐसी बनी है जैसे संसद भवन हो,ग्राम पंचायत मॉडल की तरह विकसित हो रह है। पंचायत में जरूर फंड की कमी रहती है फिर भी आलेझरी पंचायत बहुत ज्यादा विकसित हो रहा है।

आलेझरी पानी टंकी का निर्माण कार्य अभी तक अधूरा-जितू

जनपद सदस्य जितू राजपुत ने कहा कि विधायक कोई भी बने विकास कभी रुकने वाला नहीं है। जनप्रतिनिधियों का काम होता है नगर और क्षेत्र में विकास का कार्य करना। पूर्व विधायक पद पर ना रहते हुए भी बड़ी.बड़ी बाते बताकर जनता को गुमराह कर रहे है ,ग्राम आलेझरी पानी टंकी का निर्माण कार्य अभी तक अधूरा है। मैने जिला पंचायत की बैठक के दौरान भी यह बात रखी थी अधिकारियों ने जवाब भी दिया था कि ठेकेदार की लाफरवाही के कारण कार्य नहीं हो पाया है।

व्यक्ति के अंदर कार्य करने की क्षमता है तो वह हर काम कर सकता है - अनुभा

विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि ग्राम आलेझरी के विकास कार्यों को देखा ऐसा कार्य किसी भी ग्राम पंचायत में नहीं हुआ है। अगर व्यक्ति के अंदर कार्य करने की क्षमता है तो वह हर काम कर सकता है मंजिल जरूर मिलती है पूर्व के नेताओं ने जनता का हक छीना है तो जनता ने उन्हें जवाब भी दे दिया। मध्यप्रदेश की विधानसभा के अंदर किसी भी विधायक को हर मामले उठाने का अधिकार होता है। इस दौरान इस दौरान जनपद जगदीश बंसोड, सुदेश गुड्डू सोनी, गणेश कुंभरे, लालूकृष्ण हनवत, संदेश सिरसाम, फूलचंद पटले,शंकर इनवाती, सुरेश पटले,मोनू देशमुख,उर्मिला अमूले, मुन्नालाल उइके, कमलकिशोर गराडे, लोमेश्वरी पटल, धार्मिक इनवाती, माहत्मा हनवत, संदीप बाघमारे, लक्ष्मी पूंजाम, नीतू मोर्चे,राजकुमार चौधरी, भागचंद पटले, रेखा आमाडारे, शीतल बिसेन सहित ग्राम वासी मौजूद रहे।

युवा खेलो से जुडा रहे और बुरी आदतों एवं व्यसन से दूर रहे-प्रदीप जायसवाल

आल इण्डिया देवधर क्रिकेट ट्राफी का शानदार आगाज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। महाकौशल क्षेत्र में अपनी अलग पहचान रखने वाला आल इण्डिया देवधर ट्राफी का शनिवार से आगाज हुआ । जिसके मुख्य अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल,कार्यक्रम अध्यक्ष नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरीता मनोज दांदरे ,प्रमुख अतिथि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल , जनपद पंचायत अधक्ष श्रीमती माया उईके, नगर पालिका उपाघ्यक्ष श्रीमती प्रीति संतोष शिव, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा किशोर अमूले ,पूर्व खिलाड़ी राजेश परयानी, दीपक आड़े, महेंद्र मिश्रा, रविंद्र ताथौड़, संदीप रुसिया, राजेन्द्र अरोरा, पंकज वर्मा, राजेन्द्र खण्डेलवाल, हरीश जैरथ, जसवंत पटले, सुनील जैन, रत्नेश मिश्रा, मिलिन्द नगपुरे, अमित येरपुडे, संजय गुप्ता उपस्थित रहे । प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी अंतर्राज्यीय देवधर क्रिकेट प्रतियोगिता को एक फेस्टीवल के रूप में आयोजित किया जा रहा है । जिसका का शुभारंभ अतिथियों ने दोनों टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खिलाडी भावना से खेलते हुए अच्छे खेल के लिए शुभकामनाऐं दी । जिसके बाद टॉस सम्पन्न कराया जिसके बाद पूरे सम्मान के साथ राष्ट्रगान कराया गया । एमसीए सफारी सिवनी एवं आरसीसी बालाघाट के बीच खेले गये टूर्नामेंट के प्रारंभिक मैच में एमसीए सफारी सिवनी ने आरसीसी बालाघाट को आखरी ओवर चले इस रोमांचक मैच में ४ विकेट से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। सिवनी ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसले लेने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीसी बालाघाट की ने संभलकर बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित २० ओवर में १६३ रन बनाकर ऑल आउट हो गई। बालाघाट के बल्लेबाजों में कृष सोनकुसरे ने सर्वाधिक १९ गेंदों में ४ चौकों की मदद से ३० रन बनाये। जबकी सलामी बल्लेबाज दिनेश वासनिक ने २२ रन, प्रथमेश कुंभारे ने २१ रन और अंकुर काले ने १६ रनों का योगदान दिया। पारी के अंत में इरफान कुरैशी ने मात्र ४ गेंदों में ११ रन बनाकर टीम को १६० के पार पहुँचांया। वही सिवनी की ओर से गेंदबाजी करते हुए अपने कोटे के ४-४ 4 ओवर में सार्थक जैन, अली खान और विनय लखेरा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए २-२ विकेट चटकाए। अक्षय मिश्रा के ७४ रनों की ताबडतोड परी की बदौलत जीता सिवनी जीत के लिए १६४ रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिवनी की शुरुआत कुछ अच्छी नही रही । सिवनी की टीम के मात्र १०७ रनों पर अपने ६ मुख्य विकेट खोने के बाद मैच बालाघाट की मुट्ठी में लग रहा था। ऐसे समय में अक्षय मिश्रा ने मोर्चा संभाला और मैदान के चारों ओर चौकों छक्कों की बरसात कर दी। अक्षय ने मात्र ५२ गेंदों में ८ चौकों और २ छक्कों की मदद से ७१ रनों की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को १९.४ ओवरों में जीत दिला दी। जबकी सार्थक जैन ने भी १२ गेंदों में २४ रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। अक्षय मिश्रा तीसरे विकेट के रूप ४८ रन के योग पर क्रीज पर आए थे और अंत तक आउट नही हुए । इस प्रकार पहले मैच में सिवनी ने बालाघाट को ४ विकेट से पराजित किया । अक्षय मिश्रा वर्तमान में १२ क्लास की पढ़ाई कर रहे हैं व इंदौर की एकेडमी में क्रिकेट खेलते हैं । वही आरसीसी बालाघाट की ओर से गेंदबाजी करते हुए दिनेश वासनिक और प्रथमेश कुंभारे ने २-२ विकेट लिए, लेकिन वे अपनी टीम को हार से नहीं बचा सके। सिवनी के बैटर अक्षय मिश्रा को शानदार पारी के लिए मेन ऑफद मैच घोषित किया जिन्हें १००० रु की राशि जो पार्षद पवन सिंह धुर्वे की ओर से देवधर क्लब के संरक्षक व पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा सम्मानित किया गया। कॉमेंटेटर सानू सिंघई, आधार मोदी ने निभाई, स्कोर की भूमिका अभिषेक ठाकुर, सूरज बाडेंबुचे, विजय यादव, अंपायर मोहम्मद फारूक छिंदवाडा एवं अमन श्रीवास्तव नागपुर के द्वारा की गई।

देवधर ट्राफी का इतिहास गौरवशी रहा है - प्रदीप

पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि यह टूर्नामेंट का ३२ वर्ष है। यह टूर्नामेंट मध्यप्रदेश के गिने चुने टूर्नामेंट में शुमार है इस ग्राउंड में देश की बड़ी बड़ी टीमो ने और बडे बडे खिलाडियों ने अपने खेल का जौहर दिखाया है । यहां के दर्शकों में क्रिकेट के प्रति जूनून की यहां आये अंतर्राष्ट्रिय खिलाडियों ने भी सराहना की है । हमारा प्रयास है कि युवा खेल से जुडा रहे और ताकि बुरी आदतों एवं व्यसन से दूर रहे । देवधर क्रिकेट टूर्नामेंट का इतिहास काफी गौरवशाली और अनेक उतार चढाव भरा रहा । हमने यह ट्राफी क्रिकेट के ग्रेंड ओल्ड मैन दिनकर बलवंत देवधर के नाम पर वर्षो पूर्व रखी है। पदम भूषण से सम्मानित इन महान बल्लेबाज को टूर्नामेंट के शुरूआत में आमंत्रित किया था। किंतू उन्होने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए आने में असमर्थता पत्र भेज कर व्यक्त की थी । उन्होने आभार पत्र भेजकर आश्चर्य व्यक्त किया था। कि इतने छोटे सेंटर में उनके नाम पर क्रिकेट का इतना बडा आयोजन सुखद पलो का अहसास करा रहा है।

देवधर टूर्नामेंट लम्बे समय से सफलता पूर्वक आगे बढ रहा है-एसडीएम

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्तिकेय जायसवाल ने कहा कि उन्होने सुना है कि देवधर टूर्नामेंट लम्बे समय से सफलता पूर्वक आगे बढ रहा है । बाहर के अनेक राज्यों से यहां क्रिकेट टीमें आती है जिसमें जाने माने क्रिकेट खिलाडियों के खेल देखने का अवसर यहां के दर्शकों को मिलता है । वारासिवनी में क्रिकेट एक जूनून की तरह खेला और देखा जाता है । वह इस आयोजन के लिए आयोजन समिति एवं खिलाडियों को शुभकामनाऐं देते है ।

प्रदेश सहित जिले में वारासिवनी नगर एवं क्षेत्र विकास सुंदरता की चर्चा होती है-प्रदीप जायसवाल

नगर पालिका ने ८०० वरिष्ठ नागरिकों का किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के गांधी चौक में नगर पालिका परिषद के तत्वाधान में ३१ जनवरी २०२६ को वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के मुख्य आतिथ्य ,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दादरे की अध्यक्षता एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीति संतोष शिव ,श्रीमती रितु आलोक खरे ,श्रीमती मधु सुनील जायसवाल ,श्रीमती ललिता लोकेश ठाकरे ,श्रीमती दीपा प्रवीण रुसिया, संदीप मिश्रा, योगेंद्र मोनू लिमजे ,प्रवीण डोंगरे ,मदनलाल धार्मिक ,पवन धुर्वे ,धर्मेश जोशी ,मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उके सहित अन्य पार्षद एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जिसमें उपस्थित अतिथियों के द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार पूर्वक चर्चा कर बताया कि यह कार्यक्रम नगर पालिका परिषद वारासिवनी के द्वारा यश अचर्न वरिष्ठजनो सामाजिक गतिविधियों एवं विविध क्षेत्रो में सुनियोजित प्रयास समर्पित कार्य एवं सराहनीय उपलब्धियों के लिये एवं नगर विकास में आपके सुझावो के साथ आयोजित किया गया हैं। वहीं उपस्थित वृद्ध जनों को तिलक वंदन कर उपस्थित अतिथियों के द्वारा शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया। इस दौरान नगर पालिका के द्वारा करीब ८०० वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। वहीं किन्हीं कारणों से अनुपस्थित रहे वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान वार्ड पार्षद एवं नगर पालिका स्टाफ के द्वारा उनके निवास पर जाकर किया जाएगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि नगर पालिका अधिकारी कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

आपकी मूलभूत सुविधा के लिए काम करती है नगर सरकार-प्रदीप

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहां की यह नगर पालिका सरकार आपकी है यह सीधे आपसे जुड़ी हुई है। आपकी मूलभूत सुविधा के लिए यह काम करती है प्रदेश और केंद्र सरकार आपकी छोटी.छोटी सुविधा पूरी नहीं कर सकती इसलिए नगर सरकार है। जो आज आपका स्वागत कर रही है क्योंकि आपको जैसा मंच या जैसा समय मिला वैसा अपने प्रयास कर नगर सरकार बनाई। प्रदेश सरकार का बजट भाषण राज्यपाल देता है सरकार की तरफ से उपलब्धियां बताता है इस तरह आप सभी ने मुझे उपाधि दी है। सन १९९४ में जब मेरे पिता जी का निधन हुआ था उसके बाद से केवल एक बार छोड़कर सारी नगर पालिका को मेरे कहने पर आपने वोट दिया। तब से सरकार चल रही है फिर मैं कांग्रेस निर्दलीय या अब भाजपा में हूं पर नगर पालिका हमारे नेतृत्व में आपका आशीर्वाद से चल रही है। आपका आभार कि आपने हम पर भरोसा किया कोई व्यक्ति पूर्ण नहीं होता हर किसी में कुछ कमी रहती है। कभी जानकर या अनजाने में गलतियां हो जाती है १० मे से १० कोई नहीं है। आलोचना भी होती है किंतु व्यक्ति के अच्छे कार्यों की सराहना भी होनी चाहिए। वारासिवनी विधानसभा की ९० पंचायत से कैबिनेट तक हमने काम किया वहां तक पहुंचने में आपकी दूरदर्शिता और आशीर्वाद का महत्वपूर्ण योगदान रहा। हो सकता है मैं और आप नगर पालिका से संतुष्ट नही हो पर आप नगर के बाहर जाकर जिला या प्रदेश में देखोगे तो वारासिवनी नगर पालिका की बात होती है। कोई नगर पालिका बच्चों के लिए नहीं सोचती खेलकूद के लिए नहीं सोचती किंतु हमने बैडमिंटन कबड्डी हॉकी क्रिकेट के लिए मैदान और स्टेडियम बनाए हैं।

नगर में चौक चौराहो पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

पूर्व मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि आप सभी निश्चिंत रहें हर क्षेत्र में कार्य हो रहा है। बड़े.बड़े काम लाने का प्रयास हो रहा है और आगे भी यह निरंतर जारी रहेगा। पूरे जिले में वारासिवनी के विकास और सुंदरता की चर्चा होती है। यह आपके विश्वास से है बड़े गर्व और उत्साह से हमने यह तय किया है कि आपका स्वागत करेंगे वह हम कर रहे हैं। नगर के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है सीसीटीवी की बात उठी थी चोरियां बहुत हो रही थी। पुलिस को जब तक सुराग नहीं मिलेगा तो चोरी को रोकना उनके लिए संभव नहीं है। उसके लिए वारासिवनी के हर चौक पर सीसीटीवी कैमरा लगा रहे हैं जिसका टेंडर कार्य आदेश हो गया है। संभवत १२ फरवरी तक यह कैमरे लगाकर तैयार हो जाएंगे और इस सीसीटीवी का कंट्रोल रूम पुलिस थाने में रहेगा जिसमें ९० प्रतिशत चोरी पकड़ने में सहायता होगी। वही स्विमिंग पूल भी दो माह में चालू हो जाएगा उच्च मानक और बड़े स्तर पर यह स्विमिंग पूल बन रहा है। यहां पर प्रेक्टिस या ट्रेनिंग करने वाला व्यक्ति प्रदेश ही नहीं देश में किसी भी टूर्नामेंट में जाकर भाग ले सकता है। क्रिकेट टूर्नामेंट हमारे यहां पर चालू हो गया है इंडोर स्टेडियम में दो बैडमिंटन कोड है जो बालाघाट और छिंदवाड़ा में तक नहीं है लोग देखने आते हैं वह आज के समय में खाली नहीं है। दो कोच के माध्यम से संचालित हो रहा है बच्चों को खेल के लिए बढ़ावा मिल रहा है। वारासिवनी में हम हर दृष्टिकोण से फिर चाहे राजनीतिक सामाजिक या खेल कोई भी क्षेत्र हो उसमें काम करने का प्रयास कर रहे हैं। आपको पता है हमारे यहां स्वस्थ राजनीति है जिसमें आलोचना एवं सराहन दोनों होती है।

प्रदीप जायसवाल के नेतृत्व में नगर विकास की श्रंखला को आगे बढाने का कार्य किया जा रहा-सरिता

वहीं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता दांदरे ने कहा कि नगर विकास में आप सभी के सहयोग की अपेक्षा करते है। हमारे द्वारा आपके आर्शीवाद और हमारे नेता पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के नेतृत्व में नगर विकास की श्रंखला को लगातार आगे बढाने का कार्य किया जा रहा है। यह कार्य हर वर्ग और हर क्षेत्र में किये जा रहे है जिससे नगर वासियों को सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। आने वाले समय में हमारे नेता प्रदीप जायसवाल के नेतृत्व में नगर को सीसीटीवी कैमरा और स्वमिंगपुल की एक बडी सौगात भी देने का प्रयास नगर पालिका का है। साथ ही निरंतर नगर विकास की सोच को लेकर अनेको कार्य किये जा रहे है। साथ ही हमारे द्वारा जो छुटे वरिष्ठ नागरिकों के घर घर जाकर भी सम्मान किया जायेगा।

जन शिक्षा केंद्र बुदबुदा में शैक्षिक संवाद आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार जन शिक्षा केंद्र बुदबुदा में ३० जनवरी २०२६ को कक्षा ३ से ५ एवं ६ से ८ में अध्यापन कराने वाले शिक्षकों हेतु शैक्षिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कक्षा ३ से ५ में जोड़ घटाव शाब्दिक इबारती प्रश्नों का कार्य तथा ६ से ८ में प्रभावी पुनरावृत्ति विषय पर संवाद किया गया। संवाद में कुल ५१ शिक्षक और ४ सहजकर्ता शामिल हुए। कक्षा ३ से ५ में सहजकर्ता के रूप में मनोहर अमूले,जितेंद्र गजभिए और ६ से ८ में रोशनलाल नगपुरे और धन्नालाल बिसेन उपस्थित रहे। सहजकर्ता धन्नालाल बिसेन ने बताया कि हर माह में एक शनिवार को कक्षा १ से ८ तक अध्यापन कराने वाले शिक्षकों हेतु शैक्षिक संवाद आयोजित किया जाता हैं तथा यह इस सत्र का ५ वॉ शैक्षिक संवाद था। शैक्षिक संवाद के बाद संवाद की सीख को पोस्ट वर्क के रूप में कक्षा में लागू किया जाता है। ताकि विद्यार्थियों को अवधारणा की समझ हो सके और प्रभावी रूप से सीख सके।

आवश्यकता है

वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है

स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता

- संपर्क करें -

पद्मेश सिटी केबल

बस स्टेण्ड, वारासिवनी

मप्र में अगर आज हुए चुनाव तो बीजेपी के हाथ से निकल सकती हैं कई सीटें, 'मूड ऑफ द नेशन' सर्वे ने चौंकाया!!

पदमेश
न्यूज तक डेस्क

'मूड ऑफ द नेशन' सर्वे के अनुसार मध्य प्रदेश में आज चुनाव होने पर बीजेपी को क्लीन स्वीप के बजाय 2-4 सीटों का नुकसान झेलना पड़ सकता है.

इंडिया टुडे - सी वोटर मूड ऑफ़ द नेशन

साल 2024 के लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश की सभी 29 सीटों पर क्लीन स्वीप करने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिए आने वाले समय की राह इतनी आसान नहीं दिख रही है. इंडिया टुडे और सी-वोटर के हालिया सर्वे 'मूड ऑफ द नेशन' (मूड ऑफ़ द नेशन) के आंकड़ों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है. इस सर्वे के मुताबिक, अगर आज मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव होते हैं तो बीजेपी को अपनी कुछ सीटों से हाथ धोना पड़ सकता है, जबकि कांग्रेस की स्थिति में सुधार होता नजर आ रहा है।

वोट शेयर में गिरावट का संकेत

सर्वे के परिणामों पर नजर डालें तो एनडीए और इंडिया अलायंस दोनों के वोट शेयर में बदलाव देखने को मिल रहा है।

एनडीए (बीजेपी+)= सर्वे के अनुसार एनडीए को 55.3त्न वोट शेयर मिलने का अनुमान है. बता दें कि 2024 के चुनाव में बीजेपी को करीब 60त्न वोट मिले थे यानी सीधे तौर पर वोट शेयर में गिरावट दर्ज की जा रही है।

इंडिया अलायंस (कांग्रेस+)= विपक्षी गठबंधन को 31.5त्न वोट शेयर मिलने की संभावना जताई गई है।

अन्य= इस सर्वे में सबसे ज्यादा फायदा अन्य के खाते में जाता दिख रहा है जिन्हें 13.2त्न वोट शेयर मिल सकता है।

कांग्रेस की हो सकती है वापसी?

2024 के चुनावों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया था और छिंदवाड़ा जैसी मजबूत सीट भी उसके हाथ से निकल गई थी, लेकिन मूड ऑफ द नेशन सर्वे के आंकड़े कांग्रेस के लिए राहत भरी खबर है।

तुम्हारी फाइलों में गांव का मौसम गुलाबी है
मगर ये आंकड़े झूठे हैं ये दावा किताबी है
- अदम गोंडवी

वैश्विक संकट वाले अध्याय को छोड़ दें तो आर्थिक सर्वेक्षण (2025-2026) के अध्यायों के पन्ने गुलाबी ही हैं। कल एक फरवरी को बजट पेश होगा और सस्ता-महंगा पर खूब चर्चा होगी। हालांकि यह हकीकत पूरे देश को कबूल है कि जीएसटी दरों के कारण अब बजट में पेश सस्ता व महंगा कुछ भी मायने नहीं रखता है। दिवाली के समय इलेक्ट्रानिक उपकरणों पर जीएसटी की दरें घटाई गई थी तो अब तांबे की कीमत दोगुनी होने के कगार पर है। तांबे की लगातार बढ़ती कीमतों के कारण घरेलू उपकरण महंगे होने वाले हैं। खैरियत तांबे या पीतल की कीमतों से ही सब कर लेने में है। सोने-चांदी की बात कहीं दिल के अकस्मात रुक जाने का बायस न बन जाए। आर्थिक सर्वेक्षण के गुलाबी आंकड़े और महंगाई के लाल होते निशान पर बेबाक बोल।

पद्मेश विशेष

आज एक फरवरी है!!

-मुकेश भारद्वाज

यकुम फरवरी है नया बजट है जनवरी में पूछूँगा क्या हाल है..!!
बताने लगा रात बूढ़ा फकीर से दुनिया हमेशा से कंगाल है!!

अमीर कजलबाश की नज्म के शेर अक्सर नए साल की एक जनवरी को याद किए जाते हैं। नया साल मुबारक कहने वालों, नए प्रण लेने चालों के बीच कजलवाश सच का सामना करवाते हुए आते हैं कि आज तो एक ही जनवरी है। साल के अंत दिसंबर में आप लोगों से हाल पूछे जाएंगे।

पिछले कुछ सालों से एक जनवरी को बहुत से लोग यह कहते मिल जाते हैं कि ग्रेग्रोरियन कैलेंडर वाले नए साल से हमारा क्या मतलब है? हमारा नया साल तो...। तीन बिंदुओं का अर्थ है कि भारत की क्षेत्रीय विविधता की बात करें तो हर क्षेत्र का पारंपरिक नया साल उस क्षेत्र की भौगोलिक व सांस्कृतिक खासियत के अनुसार होता है। यह तिथि अलग-अलग हो सकती है।

वहीं अर्थ, बटुआ, जेब, बजट की बात करें तो पूरे हिंदुस्तान का नया साल एक फरवरी से शुरू होता है। इसमें किसी तरह का भेदभाव नहीं है, एक तरह की वगर्गीय व गवीय समानता है। वर्गीय शब्द का अर्थ तो आर्थिक स्तरीकरण के तौर पर स्पष्ट है। गीय समानता को यहाँ पर स्पष्ट करना जरूरी है। एक फरवरी को बजट देख कर पूरे हिंदुस्तानियों का बटुआ गर्व करने की कोशिश करता है कि इस बार विरकूट, टीवी, फ्रिज, मोटरसाइकिल या टूथपेस्ट सरता होगा और हमें इतनी बचत होगी। टीवी के परदे पर एक फरवरी को जीवंत प्रसारण के साथ व दो फरवरी को अखबारों की सुर्खियों में सस्ते की चमक देखते बनती है।

लेकिन बसंत का मौसम बीतने के बाद सस्ते की आस लगाया बटुआ पतझर वाले हालात का सामना करने लगता है। उपभोक्ता का पूर्व गर्चित मन सोशल मीडिया के प्रभावशालियों से हौसला लेते हुए खुद को प्रेरित करते हुए कितनी बार भी दुहरा ले कि बसंत आता नहीं लाया जाता है, लेकिन आम मध्य-वर्ग के बटुए की हकीकत पतद्वार सरीखी ही रहती है। बसंत तो कुछ देर तक सत्ता और उसके समर्थकों द्वारा लाया जाता है, स्थायी भाव ती पतझर का ही है।

वैसे जीएसटी ने यकुम फरवरी के सस्ते महंगे वाले स्तंभ का भी सुख छीन लिया है। दिवाली के समय कह दिया गया कि जीएसटी बचत उत्सव मनाएं। दैनिक उपभोग की कुछ चीजों से जीएसटी बहुत कम कर दी गई, ये बताए बिना कि इसकी दरें इतनी ऊंची की ही क्यों गई थी। इसका तर्क तो यह दिया जा सकता है कि किसी चीज को अति महंगा खरीदेंगे तभी तो

उसके सस्ते होने पर बचत उत्सव जैसी चीज मना पाएंगे। तो, हुआ यूं कि जीएसटी बचत उत्सव का एलान होते ही सरकार के एक सांसद ने कहा कि चीजें पचास फीसद तक रारती हो गई हैं। सत्ता समर्थकों ने जीएसटी उत्सव को दिवाली के बजाए होली जैसे उत्सव में बदल दिया, जहां धोखे से भांग खाने खिलाने के बाद लोग कुछ भी बोलने लगते हैं। जीएसटी की दरों के कम होने पर ऐसा उत्सवी माहौल था कि लगा दुकानदार लोगों के घरों में सामान फेंक कर जा रहे हैं कि भाई इतना सस्ता हो गया है कि क्या ही बेचें और क्या ही मुनाफा कमाएं। वैसे ही, जैसे आलू और प्याज के किसानों को करना पड़ता है। खास मौसम और समय में उनका मुनाफा इतना कम हो जाता है कि बाजार तक पहुंचाने की लागत उठाने के बजाय वे उन्हें सड़कों पर फेंकना पसंद करते हैं।

लौटते हैं सस्ते होने के तात्कालिक महोत्सव पर। पिछली दिवाली के समय की ही तो यात है जब हर तरफ

चीजें सस्ती होने का दावा किया गया। लेकिन हकीकत कुछ समय बाद पता चली। मान लीजिए कि आप खुश हो गए कि बने बनाए कुर्ते पर इतनी फौराद जीएसटी कम हो गई। लेकिन थोड़े समय बाद पता चलता है कि जिस सूत या धागे से वह कुर्ता बनाया जाता है, उस पर जीएसटी बढ़ा दी गई। जब कच्चा माल ही महंगा हो जाएगा तो उससे बना उत्पाद तो दुकानों में पुराने भंडार रहने तक ही सस्ता रह पाएगा।

अर्थव्यवस्था कोई इकहरी चीज नहीं होती है। हर एक उत्पाद कई परतों में होता है। पिछले साल के जीएसटी सुधारों के दावों के उलट नई हकीकत यह है कि कई अन्य धातुओं की तरह तांबे की कीमत ने भी आसमान को हुआ है। तांबा एक ऐसा धातु है जो ज्यादातर इलेक्ट्रानिक उपकरणों में इस्तेमाल होता है। इलेक्ट्रानिक वस्तुओं की कीमत का एक हिस्सा तांबे की कीमत पर भी निर्भर करता है। बीते कुछ समय में तांचे की कीमतों में चालीस फीसद तक का इजाफा हुआ है जो आगे और भी महंगा होगा। सर्दी के मौसम को अलविदा कह जब लोग एसी, फ्रिज और पंखे की खरीदारी करने के लिए बाजार का रुख करेंगे, घरेलू उपकरणों पर 28 फीसद से कम होकर 18 फीसद का जीएसटी बचत उत्सव उनके लिए बीते जमाने की बात होगी। दिवाली के बाद होली का समय उनके लिए बचतोत्सव नहीं खर्वोत्सव में तब्दील हो जाएगा। खर्च के साथ उत्सव शब्द के साहचर्य को आर्थिक क्रूरता ही कहा जाएगा, लेकिन आम लोगों के बटुए और बजट के लिए यही क्रूरता अभी तक का सबसे बड़ा सच है।

कच्चा माल, डिव्यांदी और परिवहन की बड़ी लागतों के कारण कई उत्पादों में जीएसटी खचौतव ही रहा है। पाम तेल और अन्य रसायनों की कीमत बढ़ने के कारण शैंपू जैसी चीज भी भारतीय उपभोक्ताओं के घरों में सरती नहीं पहुंच पाई थी। डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों और विरकुट जैसी चीजों पर जीएसटी 18 फीसद से कम कर पांच फीसद पर आ गई थी। लेकिन कृषि आधारित कच्चे माल की कीमतों में तेजी व डिब्बाबंदी की लागत बढ़ने के कारण ये सस्ती नहीं हो सकी। कापी-किताबों में भी कर में छूट मिली लेकिन कागज की लुगदी और कच्चे कागज के दाम बढ़ने से बटुआ हलकान ही रहा। चही हाल सीमेंट उद्योग का भी रहा।

यह एक आम भारतीय भी महसूस कर चुका है कि वैश्विक खींचतान का असर उसके घर के बजट पर किस तरह से पड़ रहा है। 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में भी वैश्विक खींचतान के संदर्भ में 2026 के संकटग्रस्त समय होने की आशंका जाहिर की गई है। दुनिया भर में व्यापार और सुरक्षा के नियम तो अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता आते ही बदल गए थे, 2026 के बाकी समय में इसके और बिगड़ने के आसार हैं।

दुनिया के सबसे शक्तिमान देश भी आर्थिक पाबंदियों के अलावा अर्थव्यवस्था के %अ% में भी बदलाव नहीं कर पा रहे हैं। रूस-युक्रेन युद्ध से लेकर हर तरह के वैश्विक तनाव का असर अंतिम स्तर तक के भारतीय की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ रहा है। सूचना तकनीक एकमात्र ऐसा क्षेत्र था, जिसमें भारत विश्व गुरु सरीखा बनने की राह पर चला था, अब उसकी नौकरियों का भविष्य भी कृत्रिम मेधा के भविष्य पर निर्भर है। वैश्विक तनाव की वजह से भी सूचना तकनीक की नौकरियों पर बुरा प्रभाव पड़ा है। 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में कृत्रिय मेधा से जुड़े मुश्किल हालात की भी तस्वीर पेश की गई है। सर्वेक्षण में बताया गया है कि दुनिया भर की कई अर्थव्यवस्थाओं ने इसमें बेतहाशा पैसा लगाया है। जाहिर सी बात है कि निवेश किए गए पैसे का नतीजा 2026 में ही निकलेगा। बड़ी कंपनियों ने अरबों डालर के कर्ज लेकर डाटा केंद्रों पर निवेश किया है। भारत की भी नजरें इस क्षेत्र पर हैं। लेकिन यहां मुख्य सवाल डाटा बनाम आटा का रहेगा। चुनाव दर चुनाव सरकार अपने नागरिकों को मुफ्त आटा दे रही है और डाटा नौकरियों की मुश्किलें बढ़ा रहा है। आर्थिक सर्वेक्षण के सरकारी कागज तो गुलाबी रंग विखेरते हैं, लेकिन हमें खतरे के निशान पर नजर रानी होगी। गुलाबी गहरा होकर लाल बनता है।

सवालों और शंकाओं की नापसंदगी के इस दौर में यकुम फरवरी को लेकर इतना ही,

मैं राहता रहता है हर शाम शिकया-ब-लब मिरे पास
दीवान-ए-इकबाल है

राजपाठ

विरासत पर विमर्श

बिहार की सियासत में कई तरह की उठा-पटक चल रही है। गठबंधन सरकार के बावजूद भाजपा नीतीश कुमार की जगह अपना मुख्यमंत्री बनाने को आतुर है तो नीतीश कुमार पर अपने बेटे निशांत को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित करने का दबाव है। उधर, जन सुराज पार्टी के जनता दल (एकी) में विलय के प्रयास भी चल रहे हैं। कभी नीतीश के दुलारे रहे आरसीपी सिंह और प्रशांत किशोर दोनों नीतीश की शरण में आने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन केंद्रीय मंत्री ललन सिंह बाधा बने हुए हैं। जबकि नीतीश कुमार का एक करीबी खेमा मानता है कि आरसीपी सिंह और पीके के फिर साथ आने से भाजपा का दबाव कम होगा और जद (एकी) की राजनीतिक पहचान मजबूत होगी। एक खेमा चाहता है कि हरिवंश की जगह संजय झा को राज्यसभा का उपसभापति बनवाकर निशांत को फिलहाल पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बना देना चाहिए। मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार ही रहें और निशांत को राज्यसभा भेज दें। निशांत पर फैसला नीतीश कुमार की सहमति न हो पाने से अटका है। अपने गुरु कर्पूरी ठाकुर के सिद्धांत के हिसाब से नीतीश अपने बेटे को खुद पार्टी में तरजीह देने के खिलाफ बताए जाते हैं। अन्यथा ललन सिंह ने तो बसंत पंचमी के दिन नीतीश को इसके लिए मनाने की पूरी कोशिश की थी। निशांत का मामला परिवारवाद को लेकर नया विमर्श खड़ा कर रहा है।

तटस्थ की तलाश

ओ डीशा में राज्यसभा की चार सीटों के लिए होने वाले चुनाव पर सबकी निगाहें टिकी हैं। यह चुनाव अप्रैल में होगा। सूबे की विधानसभा 147 सदस्यों की है। भाजपा के 79 विधायक हैं। उसे तीन निर्दलीयों का समर्थन भी हासिल है। प्रमुख विपक्षी दल बीजू जनता दल (बीजद) के पास 50 विधायक हैं। राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 30 विधायकों का समर्थन चाहिए। अपने संख्या-बल के हिसाब से भाजपा दो और बीजद एक सीट जीत लेंगे। उसके बाद भाजपा के पास 22 और बीजद के पास 20 विधायक बचेंगे। कांग्रेस के पास 14 विधायक हैं और एक माकपा का है। कांग्रेस चाहती है कि बीजद के साथ तालमेल हो जाए। अड़चन यह है कि घोषित तौर पर ये दोनों दल एक-दूसरे का समर्थन नहीं कर सकते। अब एक ही फार्मूला बच रहा कि किसी ऐसे निर्दलीय को उतार दिया जाए जो राजनीतिक नजरिये से तटस्थ हो।

काम से पहले मिला अवकाश

केंद्रीय बजट इस बार रविवार को पेश होगा। इस वजह से कई क्षेत्रों के लोगों को रविवार को अपने काम की जगह पर जाना होगा। इस बार संसद के बजट सत्र में शुक्रवार को बैठक नहीं थी, जिस कारण माननीयों को छुट्टी के दिन काम करने से पहले ही अवकाश का मौका मिल गया है। दरसअसल सामान्य तौर पर संसद की बैठक शनिवार व रविवार को नहीं होती है। लेकिन इस बार एक फरवरी को रविवार है और लंबे समय बाद वित्त मंत्री इस दिन बजट पेश करने जा रही हैं। इस वजह से सभी सांसदों को सदन में रविवार को भी उपस्थित रहना पड़ेगा। हालांकि जानकारों का कहना है कि यह राहत माननीयों के लिए शहीदी दिवस के अवकाश की वजह से हुई है।

वार-पलटवार

भाजपा तमिलनाडु में अपनी पैठ बनाने के लिए सभी जतन कर रही है। दक्षिण के दो राज्यों केरल और तमिलनाडु में आरएसएस के प्रभाव के बावजूद भाजपा को अभी तक सफलता नहीं मिल पाई है। हालाकि 1998 में जयललिता से गठबंधन के कारण पार्टी ने तीन लोकसभा सीटें जीती थी। बाद में 1999 में डीएमके के साथ गठबंधन से भी उसे कोयंबटूर की सीट मिल गई थी। जयललिता की मौत के बाद उनकी पार्टी अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम में बिखराव हुआ है और द्रमुक के मुकाबले 5 मुकाबले वह कमजोर हुई है। फिर भी द्रमुक को सत्ता से बेदखल करने के लिए भाजपा ने अन्ना द्रमुक के सारे घरों को राजग में शामिल किया है। दूसरे छोटे दलों को भी साथ लेकर वह द्रमुक पर हमला कर रही है। तलवारें खिंच गई हैं। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु दौरे में स्टालिन सरकार में नशाखोरी और महिलाओं की असुरक्षा का इल्जाम लगाया तो स्टालिन ने तंजावुर में द्रमुक के विशाल महिला सम्मेलन में जवाब दिया कि नशे का सामान देश में भाजपा शासित राज्यों से ही होकर आ रहा है। रही महिला सुरक्षा की बात, तो तमिलनाडु में वे सर्वाधिक सुरक्षित हैं। यहां स्थानीय निकायों में उन्हें 50 फीसद आरक्षण है और सबसे ज्यादा नौकरीपेशा महिलाएं तमिलनाडु में हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने पहला फैसला महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा देने का किया था। स्टालिन ने केंद्र की सरकार को मणिपुर में हिंसा के लिए भी कठघरे में खड़ा किया।

उलझन दोनों तरफ

शशि थरूर को लेकर कांग्रेस के भीतर मंथन चल रहा है। केरल चुनाव के मद्देनजर पार्टी उन्हें बागी नहीं देखना चाहती। मुश्किल यह है कि वह उन्हें विधानसभा चुनाव का अपना चेहरा भी नहीं बनाना चाहती। उलझन में थरूर भी हैं। भाजपा में उन्हें अपना भविष्य बेहतर नजर नहीं आता। हाल में अटकलें उनके माकपा में जाने की भी लगी थी। वे दुबई के साहित्य उत्सव में गए थे तो वहां माकपा के कुछ नेताओं से उनकी मुलाकात हुई थी। इसी से उनके माकपा में जाने के कयास लगाए जाने लगे। पर माकपा सचिव गोविंदन ने कहा कि गाहे बगाहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गीत गाने वाले थरूर के लिए माकपा में कोई जगह नहीं। उधर थरूर और कांग्रेस आलाकमान दोनों ही सुलह की कवायद में लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक थरूर ने संसद के भीतर कभी भी पार्टी लाइन के उलट नहीं जाने की बात कही है, सिर्फ आपरेशन सिंदूर के अलावा। कांग्रेस को स्थानीय चुनाव में केरल में इस बार अच्छी सफलता मिली थी। लोकसभा में तो उसका प्रदर्शन अच्छा था ही। कांग्रेस राज्य में अपनी सरकार की संभावना देख रही है और थरूर को भी लग रहा है कि भलाई कांग्रेस में बने रहने में ही है। ***संकलन - मृणाल वल्लरी***

एक था जॉर्ज !

जॉर्ज फर्नांडीस को गए अब चार दिन हो गए। उनके निधन के बाद काफी कुछ लिखा जा चुका है। उनके जीवन का शायद ही कोई पहलू हो, जो अब सार्वजनिक न हो। वह करीब एक दशक से सार्वजनिक जीवन में अनुपस्थित थे। मीडिया ने उनमें दिलचस्पी लेनी बंद कर दी थी। मौत ही वह कारण बनी, जब मीडिया का उन पर ध्यान गया।

इतना कुछ लिखा जा चुका है, इसके बावजूद कई दिनों के असमंजस के बाद मैं यह पोस्ट लिखने से खुद को रोक नहीं पा रहा हूं। बहुत टालने की कोशिश की। शायद इसलिए कि जॉर्ज फर्नांडीस पर लिखने के लिए खुद को अधिकृत नहीं मानता।

जॉर्ज ने कभी सोचा नहीं होगा कि उन्हें इतने लंबे वक्त तक सार्वजनिक जीवन से अलग रहना पड़ेगा और फिर एक दिन चुपचाप विदा होना पड़ेगा। स्मृति खोने से पहले तकरीबन छह दशकों तक उन्होंने जैसा सार्वजनिक जीवन जिया, वैसे उदाहरण कम ही हैं। वह नेपथ्य में कभी नहीं रहे।

कमाल यह है कि अपने तमाम विरोधाभासों के बावजूद उन्होंने पूरी पारदर्शिता से अपना जीवन जिया। यह जरूर अचरज होता है कि आखिर किन वजहों से जार्ज ने उन सिद्धांतों और विचारों से समझौता किया, जिन्होंने उन्हें जॉर्ज साहब या साथी जार्ज बनाया था। क्या यह सिर्फ सत्ता में बने रहने की मजबूरियां थीं या फिर उनका परिस्थितियों से मोहभंग हो गया था? आखिर मुंबई के ट्रेड यूनियन नेता और खांटी सोशलिस्ट जॉर्ज दिल्ली के सत्ता के गलियारे में बंधक क्यों बन गए? क्या जॉर्ज को देखने का यह एक नजरिया भर है और इसका सच जॉर्ज के साथ अब दफन हो चुका है ?

ऐसा लगता है कि विरोधाभास उनके जन्म से ही जुड़ गया था। 3 जून, 1930 को पैदा हुए जॉर्ज की मां ने उनका नाम जॉर्ज पंचम के नाम पर रखा था। लेकिन यही जॉर्ज साम्राज्यवाद के विरोध का प्रतीक बन गए।

किशोर अवस्था में वह ब्रिटिश नेवी में शामिल होना चाहते थे। लेकिन उनके पिता ने इसकी इजाजत नहीं दी और उन्हें मिशनरी बनने के लिए भेज दिया। उन्हें यह रास नहीं आया और फिर वह मुंबई आ गए। बरसों बाद 1999 को उन्हें संसद में ऑस्ट्रेलियाई मिशनरीज ग्राहम स्टेंस और उनके बेटों को जिंदा जला देने की घटना के आरोपियों का बचाव करते देखा गया!

1974 में जब इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते देश ने पहली बार परमाणु परीक्षण किया था, तब जॉर्ज दो रात तक सो नहीं सके थे और उन्होंने इसका विरोध किया था। इसके दो बरस बाद इन्हीं जॉर्ज को बड़ौदा डायनामाइट कांड में मुख्य आरोपी बनाया जाता है। इसके तकरीबन पच्चीस बरस बाद जब वह देश के रक्षा मंत्री बनते हैं, तो उनकी सरकार दूसरी बार परमाणु परीक्षण करती है! संभवत: दुनिया के वह अकेले रक्षा मंत्री थे, जिनके दफ्तर में हीरोशिमा की तस्वीर लगी हुई थी।

मुंबई से उनकी जो कहानी शुरू हुई थी, तो वह किसी फिल्म से कम नहीं रही। जिस मुंबई में उन्हें फुटपाथ पर सोने को मजबूर होना पड़ा,

(सुदीप ठाकुर ने इस लेख में जॉर्ज फर्नांडीज का नाम जार्ज फर्नांडीज लिखा थाा। उनका कहना है कि वे खुद अपना नाम जार्ज ही लिखते थे। कुछ पुराने समाजवादियों से हमने इस बात को समझा, तो पता लगा कि जार्ज अपना नाम जार्ज ही लिखते थे, लेकिन अंग्रेजी के शब्द और नाम के प्रचलित हिज्जों के चलते हुए दूसरे लोग सभी जगहों पर उनका नाम जॉर्ज कर देते थे। इस बारे में% भास्कर% नागपुर के संपादक प्रकाश दुबे से पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि लोहिया और जार्ज जैसे समाजवादी अंग्रेजी शब्दों के सरल भारतीयकरण के पक्ष में थे, और इसी के तहत जार्ज ने अपने नाम को कभी भी जॉर्ज नहीं लिखा था। यहां पर हम इस लेख में चूंकि कई जगहों पर उनका प्रचलित नाम बदल चुके थे, और लोगों को कोई दुविधा न हो, इसलिए लेख में उनका नाम जॉर्ज ही जा रहा है, और अधिक जानकार लोगों के लिए यह स्पष्टीकरण है। संपादक)

वहीं महज एक दशक के भीतर 1960 के दशक में उनकी ऐसी हैसियत हो गई थी कि उनके एक इशारे पर मुंबई थम जाती थी। 1967 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने जब एक मजदूर नेता की हैसियत से दक्षिण मुंबई जैसे अमीरों के इलाके में एस के पाटील जैसे दिग्गज को हराया था, तो यह उस वक्त की सबसे दमदार पटकथा हो सकती थी, जिस पर कोई फिल्म बन सकती थी। लेकिन यही जॉर्ज 1971 का चुनाव बुरी तरह हार गए थे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। जॉर्ज के आह्वान पर हुई 1974 की रेल हड़ताल के असर के बारे में नई पीढ़ी को अंदाजा भी नहीं होगा। इसी सिलसिले में जॉर्ज की गिरफ्तारी भी हुई थी।

जॉर्ज में गजब का आकर्षण था, जो अपने तुड़े-मुड़े कुर्ते, बिखरे बाल और चप्पल पहने हुए भी लोगों को अपनी ओर खींच लेते थे। नुक्कड़ सभाओं से लेकर संसद तक उनके भाषणों के लोग कायल थे। दरअसल 1967 के चुनाव में उन्हें आम लोगों का तो समर्थन मिला ही था, कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं और युवा उनके दीवाने हो गए थे।

करीब पैंतीस बरस पहले मैंने उन्हें पहली बार राजनांदगांव में एक चुनावी सभा में सुना था। मुश्किल से ढाई सौ लोगों की उस छोटी सभा में जॉर्ज जोर शोर से कह रहे थे... जिंदा कौमें पांच साल इंतजार नहीं करतीं !

जॉर्ज में एक तरह की रूमानियत थी। उनका एक जादू था। इसी जादू की वजह से करीब दो दशक पहले मेरे मन में उन पर एक किताब लिखने का फितूर सवार हो गया। यह किताब कभी पूरी नहीं हो सकी। किताब पर रिसर्च के सिलसिले में 2003 में में मुंबई तक हो आया और वहां मैंने उनके पुराने साथी हिम्मत भाई झावेरी, मृणाल गोरे, कृष्णा जादव और शरद राव से मुलाकात की। लेकिन यह वक्त था, जब जॉर्ज बदल चुके थे। जॉर्ज ने जब जेल के भीतर से मुजफ्फरपुर से चुनाव लड़ा था, उस दौरान हिम्मत भाई झावेरी ने धर्मयुग में एक आलेख लिखा था, जेल का दरवाजा

टूटेगा जार्ज फर्नांडीज छूटेगा...।

यह शायद कम लोगों को पता हो कि 1950-60 के दशक में जॉर्ज मुंबई में हिम्मत भाई झावेरी और उनकी पत्नी ममता झावेरी के साथ उनके फ्लैट में रहते थे। कई बार दर्ज हो चुका यह किस्सा खुद हिम्मत भाई ने मुझे बताया था कि कैसे एक बार जब वह और ममता अपने काम पर गए थे और जॉर्ज घर में अकेले थे और दादर में एक मीटिंग अटेंड करने के लिए लोकल ट्रेन की टिकट के लिए उन्होंने घर में रखी रद्दी बेच दी थी।

लेकिन 2003 की उस तपती दोपहर में अंधेरी के अपने फ्लैट में हिम्मत भाई जॉर्ज को लेकर मानो निरापद से हो गए थे। उन्होंने कहा था, यह वह जॉर्ज नहीं है, जो वह हुआ करता था! वह मुझे विदा करने के लिए फ्लैट से उतरकर नीचे बस स्टॉप तक आए थे।

मृणाल गोरे को जॉर्ज पर पूरा भरोसा था कि वह भ्रष्ट नहीं हो सकते। वह याद कर रही थीं कि कैसे जॉर्ज ने 1958 में एक बहुत पुरानी एबेंसडर खरीदी थी और यूनियन के अपने साथियों के बच्चों को लेकर घूमने जाया करते थे। उनमें गजब की ऊर्जा थी। इतनी कि वह एक दिन में एक दर्जन सभाओं में भाषण कर सकते थे।

उनके पुराने साथियों को 2002 के दंगों में भाजपा और उसकी सरकार को बचाने के कारण भारी तकलीफ हुई थी। उन्हीं दिनों समाजवादियों की एक पत्रिका 'चौखंभा' ने जॉर्ज पर एक विशेषांक निकाला था। इसकी कवर स्टोरी थी, 'एक था जॉर्ज'! यह कवर स्टोरी मेरी लिखी हुई थी।

जॉर्ज साहब को सलाम...

-सुदीप ठाकुर (वरिष्ठ पत्रकार रायपुर)

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ऊपरी स्तरों पर मुनाफा वसूली से शनिवार को दलहनों में चना व तुअर बाजार टूटे। खाद्य तेलों में बाजार नरमी पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने व तुअर में पूछपरख ठंडी रहने से भावों में गिरावट रही। तुअर में 300 रू. व चने में 100 रू. प्रति क्विंटल तक की गिरावट रही। उधर, किराना जिंसों में व्यापार सामान्य ही रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3950-4050, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1300-1350, क्लीन 1500-1550, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल- सींगदाना 1670-1690, मुम्बई 1690, राजकोट तेलिया 2650, सोया साल्वेंट 1325-1330, सोया रिफाइंड 1390-1395, कपास्या 1335-1340, धूलिया 1340, कड़ी 1340,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1340-1350, मुम्बई सोया 1390,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2350, देवास-उज्जैन 2350, खंडवा-बुरहानपुर 2225, अकोला 3600 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7800-8000, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 5500-5700, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5700-5800, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5500-5600, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7900-8000, एवरेज 7700-7800, हल्की 7200-7300, तुअर महाराष्ट्र 8100-8400, उड़द बेस्ट 8700-8800, एवरेज 8500-8600, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 295000, चॉंदी (99) 294000, टंच 293000, सिक्का 3000, सोना 10 ग्राम 168000,

केंद्र ने पीडीएस में ई-रुपी वाउचर लागू करने का प्रस्ताव जारी किया

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में अनाज की हेराफेरी रोकने के लिए डिजिटल ई-रुपी वाउचर के इस्तेमाल का अवधारणा पत्र जारी किया। इसका मकसद लाभार्थियों तक सही मात्रा और गुणवत्ता का अनाज सुनिश्चित करना है। ई-वाउचर आधार से जुड़ा, गैर-हस्तांतरणीय और एक महीने के लिए वैध होगा। इसे केवल विशिष्ट खाद्य वस्तुओं (जैसे 10 किलो गेहूं/चावल) के लिए भुनाया जा सकेगा। लाभार्थी इसे पीडीएस दुकानों से अपने हिस्से का अनाज लेने में इस्तेमाल करेंगे। एसबीआई वाउचर जारी करेगा, एनआईसी तकनीकी सहयोग देगा और एनपीसीआई का ई-रुपी प्लेटफॉर्म पीडीएस से जोड़ा जाएगा। हालांकि आधार प्रमाणीकरण और पीओएस उपकरण जैसे सुधार किए गए हैं, अंत स्तर पर कम तौल, खराब गुणवत्ता और डीलर की मनमानी जैसी समस्याएँ बनी हुई हैं।

बढ़त और सतर्कता के बीच शेयर बाजार का मिला-जुला रुख रहा

सेंसेक्स सप्ताहांत पर 82,269 पर और निफ्टी 25,320 पर बंद हुआ

मुंबई। एजेंसी। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में मिश्रित रुझान देखने को मिले। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के कारण सप्ताह छोटा था, लेकिन निवेशकों की गतिविधि और वैश्विक बाजारों के संकेतों ने बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाई। निवेशक केंद्रीय बजट 1 फरवरी की तैयारी में सतर्क दिखाई दिए, वहीं आईटी शेयरों में गिरावट और वैश्विक संकेतों ने बाजार में उतार-चढ़ाव को बढ़ाया। सप्ताह की शुरुआत मंगलवार को हुई, जब सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती गिरावट के बाद मजबूती के साथ उभरे।

बीएसई सेंसेक्स 417.68 अंक की गिरावट के बाद 81,857.48 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 111.1 अंक नीचे से 25,175.40 पर बंद हुआ। इस दिन की तेजी में वैश्विक बाजारों का सकारात्मक रुख और ब्लू-चिप बैंक शेयरों में खरीदारी शामिल रही। बुधवार को भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के प्रति निवेशकों के आशावाद से बाजार ने मजबूती दिखाई। सेंसेक्स ने 82,344.68 अंक पर, निफ्टी ने 25,342.75 पर सप्ताह के उच्चतम स्तरों के करीब बंद किया। गुरुवार को केंद्रीय बजट से पहले निवेशकों की सतर्कता के कारण शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी गई, लेकिन दिन के अंत में बाजार ने सुधार किया। सेंसेक्स 82,566.37 और निफ्टी 25,418.90 अंक पर बंद हुए। शुक्रवार को आईटी शेयरों में कमजोरी और बजट से पहले सतर्क निवेश के कारण शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 296.59 अंक गिरकर 82,269.78 पर, निफ्टी 98.25 अंक की गिरावट के साथ 25,320.65 पर बंद हुआ। सप्ताह के दौरान बाजार में तीन दिन की तेजी के बाद शुक्रवार को थोड़ा दबाव देखा गया। साप्ताहिक दृष्टि से देखा जाए तो भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों का रुख संतुलित और सतर्क रहा। वैश्विक संकेतों, बड़े शेयरों की गतिविधियों और आगामी बजट की प्रतीक्षा ने बाजार की दिशा पर असर डाला। निवेशकों ने जोखिम और अवसर दोनों को संतुलित करते हुए कारोबार किया।

केंद्रीय बजट 2026-27 1 फरवरी को पेश होगा देश का आर्थिक खाका

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार 1 फरवरी को लोकसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। यह एक ऐतिहासिक मौका होगा, क्योंकि पहली बार केंद्रीय बजट रविवार के दिन संसद में प्रस्तुत किया जाएगा। बजट भाषण सुबह 11 बजे शुरू होगा और इसके 60 से 90 मिनट तक चलने की संभावना है। बजट भाषण नई दिल्ली स्थित संसद भवन में होगा, जिसे वित्त मंत्री लोकसभा में पढ़ेंगी। भाषण के बाद बजट से जुड़े सभी दस्तावेज लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों में पेश किए जाएंगे। बजट भाषण को सरकार की आर्थिक नीतियों, टैक्स में संभावित बदलावों और देश की विकास दर व महंगाई के संकेतों के लिहाज से बेहद अहम माना जाता है। बजट भाषण का सीधा प्रसारण दूरदर्शन और संसद टीवी पर किया जाएगा। इसके अलावा, यह भाषण संसद टीवी और पीआईबी इंडिया के यूट्यूब चैनलों और अन्य सरकारी वेबसाइटों पर भी लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। बजट भाषण के बाद बजट सार, टैक्स प्रस्ताव और सरकारी खर्च का विस्तृत ब्योरा इंडिया बजट जीओबीडाटइन और प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की वेबसाइट पर जारी कर दिया जाएगा। इस साल के बजट में बड़े और चौंकाने वाले ऐलानों के बजाय लगातार सुधारों और लंबे समय के लक्ष्यों पर जोर रहने की उम्मीद है। इनकम टैक्स को लेकर मिडिल क्लास की खास नजर रहेगी, हालांकि पिछले साल राहत मिलने के बाद टैक्स स्लैब में बड़े बदलाव की संभावना कम मानी जा रही है। वहीं इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च मजबूत रह सकता है। साथ ही कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए खेती के डिजिटलीकरण और राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025 के तहत सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने पर फोकस रहने की उम्मीद है।

चांदी और सोने के भाव में अचानक गिरावट से निवेशक चिंतित

बाजार विश्लेषकों ने मौजूदा गिरावट की तुलना 1980 के 'सिल्वर थर्सडे' से की

नई दिल्ली। एजेंसी। कमोडिटी बाजार में शुक्रवार को अचानक हलचल देखने को मिली। पिछले कुछ हफ्तों से तेजी पकड़ चुकी चांदी ने निवेशकों को चौंका दिया और रिकॉर्ड उच्च स्तर से बड़ी गिरावट दर्ज की। एक दिन में चांदी में 1,07,971 तक की गिरावट आई। सोने के भाव में भी दबाव बना रहा, जिससे कीमती धातुओं में निवेशकों की चिंता बढ़ गई। विशेषज्ञों का मानना है कि इस अचानक गिरावट के पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला, मुनाफावसूली क्योंकि पिछले हफ्तों में चांदी में लगातार तेजी देखने को मिली थी। दूसरा, अमेरिकी डॉलर की मजबूती जो सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं की कीमतों पर दबाव डालती है। डॉलर मजबूत होने के बाद निवेशक अन्य विकल्पों की ओर रुख करते हैं, जिससे धातुओं की मांग और कीमत में गिरावट आती है। बाजार विश्लेषकों ने मौजूदा गिरावट की तुलना 1980 के 'सिल्वर थर्सडे' से की है। उस समय हर्बर्ट और बंकर हंट नामक अमेरिकी अरबपतियों ने चांदी को बड़े पैमाने पर खरीदा था, जिससे कीमतें असामान्य रूप से बढ़ीं। नियामक हस्तक्षेप और मार्जिन नियमों में कड़ाई के कारण 27 मार्च 1980 को चांदी की कीमत एक ही दिन में 50 फीसदी गिरकर 11 डॉलर से नीचे चली गई। यह घटना चांदी के 'हाई-बीटा' स्वभाव को दर्शाती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा फेड के नए चेयरमैन की घोषणा के बाद डॉलर मजबूत हुआ, जिससे कीमती धातुओं में दबाव बना। विशेषज्ञों का कहना है कि अभी बाजार में अस्थिरता बनी रहेगी। निवेशकों को संयम और सतर्कता से निवेश करने की आवश्यकता है, ताकि अचानक उतार-चढ़ाव से नुकसान कम किया जा सके।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपकी कुछ पुराने मित्रों से मुलाकात होगी, जिससे पुरानी यादें ताजा होगी और परिवार में किसी नए मेहमानों का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आप माता-पिता के साथ समय बिताएंगे, जिससे आपको उनके मन में चल रही उलझनों को भी जानने का मौका मिलेगा। संतान नौकरी के लिए कहीं बाहर जा सकती है, जिससे आप परेशान हो सकते हैं। आपकी कोई अधूरी इच्छा पूरी हो सकती है।

वृषभ- आज आपको सेहत को लेकर एहतियात बरतनी होगी, क्योंकि मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा। बिजनेस में दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी और आपको सेहत को लेकर लापरवाही बिल्कुल नहीं बरतनी है। यदि आप कहीं बाहर जाने की तैयारी कर रहे थे, तो उसमें आप अपने माता-पिता से सलाह से मशवरा अवश्य करके जाएं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए प्रॉपर्टी के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी करना बेहतर रहने वाला है। आप किसी काम को लेकर बहुत घमंड ना दिखाएंगे, नहीं तो आपका वह काम लटक सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको किसी दूसरी नौकरी का बुलावा सकता है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को कुछ जनसभाएं करने का मौका मिलेगा। आप अपने लिए नए कपड़े, लैपटॉप, मोबाइल आदि की खरीदारी कर सकते हैं। आपको मेहनत से बिल्कुल पीछे नहीं हटना है, इसलिए आप किसी की कहीसुनी बातों का बिल्कुल भरोसा ना करें, नहीं तो बेवजह के लड़ाई-झगड़े बढ़ सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। आपको किसी नए काम में हाथ बढ़ाने से बचना होगा। आप लोगों को पहचान कर कामों को करें, इसलिए आप अपने कार्यक्षेत्र के कामों को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड बिल्कुल ना रहें।

कन्या- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बेहतर रहने वाला है। आपको आपके कामों से एक नई पहचान मिलेगी और आपके कुछ नए मित्र भी बन सकते हैं। आपका मन अपने बिजनेस को आगे तक लेकर जाने को करेगा और आप उसमें पूरी मेहनत से जुटेंगे। जो सरकारी काम यदि आपका लंबे समय से पेंडिंग था, तो वह भी पूरा हो सकता है, लेकिन परिवार में किसी सदस्य की कोई पुरानी बीमारी उभरने से आपको बेवजह की भागदौड़ बनी रहेगी।

तुला- आज के दिन आपको कामों को लेकर लापरवाही करने से बचना होगा। आप अपने आलस्य के चक्कर में कामों को कल पर टालेंगे, जो बाद में आपके लिए समस्या लेकर आएंगे। जीवनसाथी को आप कहीं शॉपिंग आदि पर लेकर जाने की योजना बना सकते हैं, लेकिन आप अपनी इनकम को ध्यान में रखते हुए व्यय करें। यदि किसी प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त की योजना बना रहे थे, तो उसमें आपके साथ कोई फ्रॉड हो सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपके दोस्तों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे, लेकिन राजनीति में कार्यरत लोगों को कुछ कठिनाइयां अवश्य आएंगी, लेकिन फिर भी उनका डटकर सामना करना होगा। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह आपको वापस मिल सकता है, जिसमें आप इन्वेस्टमेंट करेंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा और कार्यक्षेत्र में भी आप अपने कामों को लेकर लापरवाही दिखा सकते हैं, जिससे आपके साथी नाराज हो सकते हैं। आपको अपने आप विश्वास को मजबूत करके कामों को करने की आवश्यकता है, लेकिन आप वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधान रहकर करें, इसलिए किसी यात्रा पर जाने से बचें।

मकर- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपके व्यवसाय में योजनाएं पहले से बेहतर रहेंगी। जो आपको खुशी देंगी। कोई पार्टनरशिप भी आपको करनी पड़ सकती है और किसी नए मकान आदि की खरीदने की आप योजना बनाएंगे। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को पूरा करना होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आज आपके मन में काम को लेकर नये-नये आइडिया आएंगे, जिन्हें आप अपने व्यवसाय में लगाएंगे। आपका कोई पुराना जमीन-जायदाद से संबंधित मामला सुलझेगा, जिससे आपको खुशी होगी। आपके घर किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। यदि किसी सदस्य के विवाह में कोई बाधा आ रही थी, तो उसके लिए आप अपने किसी मित्र से बातचीत कर सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए समस्याओं सें भरा रहने वाला है, क्योंकि आपके सामने कुछ पारिवारिक समस्या आएंगी। जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएंगी। भाई- बहनों में भी बेवजह के लड़ाई झगड़े पनपेंगे। संतान के मनमाने व्यवहार को लेकर भी आप परेशान रहेंगे। कार्यक्षेत्र में कोई आपके खिलाफ षड्यंत्र रच सकता है, लेकिन बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे, जिसमे उन्हें खूब शाबाशी मिलेगी।

शब्दजाल - 8157

शब्दजाल में राजस्थान के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

जयपुर, गंगानगर, बीकानेर, जोधपुर, दौसा, अजमेर, भीलवाड़ा, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, जैसलमेर

म	ज	य	पु	र	ब	दौ	ज	ग	ल	चि
रा	वि	ली	प्रे	क	प	सा	द	ज	कां	त्तो
चु	मे	ष	बा	दी	छ	मि	उ	ब	वृ	ड़
गं	गा	न	ग	र	जो	स	द	ल	ष	ग
बी	अ	ज	मे	र	च	ध	य	न	भी	ढ़
का	ल	न	र	रा	क	ल	पु	ण	ल	र
ने	सिं	जै	ग	ट्रे	न	र	र	र	वा	स
र	ह	ज	स	द	अ	क	फ	चो	ड़ा	क
रा	म	तु	ला	ल	ज	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	मे	र	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	र	र	य	ब	त	म

शब्दजाल - 8156 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 7101

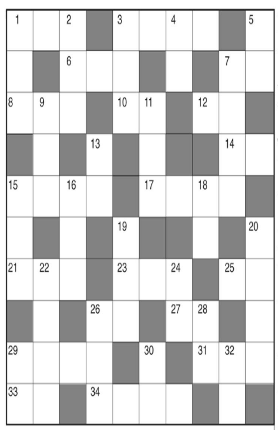

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7100

दैनिक पंचांग

1 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	धनु में
चंद्र	कर्क में
मंगल	धनु में
बुध	धनु में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	धनु में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कुंभ	07.24 बजे से
मीन	08.57 बजे से
मेष	10.28 बजे से
वृष	12.08 बजे से
मिथुन	14.06 बजे से
कर्क	16.19 बजे से
सिंह	18.36 बजे से
कन्या	20.47 बजे से
तुला	22.58 बजे से
वृश्चिक	01.13 ब.से
धनु	03.29 बजे से
मकर	05.34 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 32 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** माघ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 03.39 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पुष्य 23.58 बजे को समाप्त। **योग** प्रीति 10.19 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 16.43 बजे तदनन्तर बव 03.39 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 13.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 17° 10' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872607 **जूलियन दिन** 2461072.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 12 **विशेष** थाई पूसम, गुरु रविदास जयंती, ललिता जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः स्वभाव की झलक

एक बार गुरु नानक देव किसी शहर में पहुंचे। वहां उनका प्रवचन सुनने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। हर वर्ग, जाति और धर्म के लोगों ने उनके उपदेश का लाभ उठाया। एक स्त्री ने गुरु नानक से प्रार्थना की, 'महाराज, आप हमारे घर पधारकर हमें सेवा का अवसर दें।' उसके बार-बार प्रार्थना करने पर नानक देव उसके घर गए। उस स्त्री ने उनका स्नेहपूर्वक स्वागत किया। उनके पास बैठकर उनके लिए एक कटोरे में हंडिया से दूध डालने लगी। दूध की सारी मलाई कटोरे में गिर गई। यह देख उसके मुंह से निकला, 'अरे-अरे।' फिर दूध में चीनी डालकर उसने कटोरा नानक देव के सामने रख दिया। गुरु नानक यह सब बड़े ध्यान से देख रहे थे। लेकिन उन्होंने यह जताया कि उन्हें कुछ भी पता नहीं है। वह पास में रखे दूध से अनजान होकर उस स्त्री को उपदेश देने लगे। उन्होंने उसकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्हें सुनते हुए भी वह स्त्री देख रही थी कि गुरु नानक दूध पीते हैं या नहीं। उसने सोचा कि शायद दूध गरम होगा, इसलिए वह पी नहीं रहे हैं, किंतु उपदेश समाप्त होने पर भी जब उन्होंने दूध की ओर ध्यान नहीं दिया, तो वह बोली, 'महाराज दूध पी लीजिए।' तब नानक देव बोले, 'इसमें क्या-क्या मिलाया है?' स्त्री ने सहजता से उत्तर दिया, 'केवल चीनी।' गुरु नानक बोले, 'नहीं इसमें एक चीज और है, इसलिए इसे मैं नहीं पी सकता।' स्त्री ने कहा, 'मैंने तो इसमें और कोई चीज नहीं मिलाई है।' गुरु नानक बोले, 'नहीं, इसमें एक चीज और मिलाई है और वह है अरे-अरे! इसी कारण मैं इसे नहीं पी सकता।' यह सुन स्त्री को बहुत पश्चाताप हुआ। उसने अपने मन में उठे क्षणिक लोभ के लिए उनसे क्षमा मांगी। नानक देव ने स्त्री को क्षमा करते हुए समझाया, 'हमारा हर छोटा-बड़ा आचरण हमारे मन की स्थितियों का बयान करता है। हमारा व्यवहार ही हमारे व्यक्तित्व का आईना होता है।'

सूडोकु नवताल- 7410

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7409 का हल

शब्द पहेली - 8625

बाएँ से दाएँ

1.कवि की रचना,गजल-3
3.अनुमान,अंदाज-3
5.सदपुरुष-2
6.अयोग्य,असंगत -2
8.स्वार्थ,लोभ-4
10.सहयोग,सहकार-3
11.उन्माद,सनक-3
12.भगवान का आराधक-2
13.ठंडक,शीतलता-2
14.दूल्हे के सिर पर बाँधी जाने वाली पगड़ी-3
16.चांदी-3
18.गंवारपन,अशिष्टता-4
20.पैदा,तला-2
22.वर्तमान दिन-2
23.बहने का भाव-3
24.गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1.हुनर,फन,आर्ट-2
2.बल,दम,जोर-3
3.समीप,नजदीक-3
4.गलत का विलोम-2
5.भ्रम,संदेह-3
7.उपनदी,कैनाल-3
8.नशे से भरपूर-4
9.लाख,सौ हजार-2
11.स्वभाव,आदत-4
14.स्वास्थ्य-3
15.इस जगह-2
17.तहजीब,शिष्टता-3
18.इकट्ठा होना-3
19.रेखा,लाइन-3
21.होठ,अधर-2
22.आगमन-2

शब्द पहेली - 8624 का हल

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साडरा में कक्षा 12वीं के छात्र छात्राओं को दी विदाई

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम साडरा में संचालित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साडरा में 31 जनवरी को कक्षा 11वीं विज्ञान एवं कला संकाय के छात्र छात्राओं के द्वारा कक्षा 12वीं के छात्र छात्राओं के लिये विदाई समारोह का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में सफल मंच संचालन छात्रा सिमरन मेश्राम व काजल लिल्हारे ने किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम माँ सरस्वती की पूजा अर्चना शाला के प्राचार्य एस. के. नारनौरे द्वारा की गई तत्पश्चात छात्राओं ने सुमधुर स्वर में माँ सरस्वती वंदना की गई स्वागत गीत प्रस्तुति दी गई और मंचीय कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। कक्षा 12वी के समस्त छात्रो को बारी बारी से अपने अनुभव साझा किया। कुछ छात्रों ने बिदाई गीत भी प्रस्तुत किया साथ ही अपने साथ बिताये पल को साझा किया और कक्षा 11 वी के छात्रों को अनुशासित रहने, अच्छी पढाई करने, गुरुजनों का सम्मान करने की सलाह दी गई। इसके प्राचार्य श्री घोरमारे द्वारा बच्चो को नम आँखों से संबोधित किया गया और कहा गया की आगे परीक्षा है इसे

विदाई ना समझे बल्कि कक्षॉ उन्नती के लिए भविष्य उज्वल बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रो में जाकर अपने माता पिता, स्कूल एवं गाँव का नाम रोशन करने के लिए यह आशीर्वाद समारोह है। इसी कड़ी में कक्षा 12वी व 11वी के कक्षा शिक्षक प्रदीप कुर्राहे, कुलदीप मेश्राम, श्रीमति सोनम नागले, रामदयाल वाहने ने बच्चों को आशीर्वचन दिया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की । तत्पश्चात कक्षा 12वी के छात्रों द्वारा मिमिक्री/नकल/साउंड सहित अन्य खेल खेले गये। जिसका छात्रों ने भरपूर आनंद लिया । सभी छात्रो में से मिस्टर फेरवेल के लिए विवेक मडामे तथा मिस फेरवेल के लिए मोहिनी नेवारे का चयन किया गया । उक्त छात्रो को प्राचार्य एंव शिक्षक महेन्द्र गुरदे दवारा ताज पहनाकर सम्म्मानित किया गया । उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक पी.एन.धनोले, टी.डी. लिल्हारे, एच.आर. वाकडे, सी. के. ठाकरे, डी. के. नगपुरे, ओ.पी. नारनौरे, श्रीमति शिल्पा कावडे, आर.के. नगपुरे, एस.के.अगासे, अनिल कुमार धारणे, श्रीमति जी. कटरे, श्रीमति एम.दुबे, डी. के. लिल्हारे, पी. दशहरे, विलास लिल्हारे, आकाश जाम्भुरे, श्री संतोष भरने, कु. उमादेवी मस्करे, हर्षिता बैस, लिलाधर कटरे एवम् भृत्य श्रीमति ममता बल्लारखेड़े और मधू नारनौरे कार्यक्रम में सराहनीय योगदान रहा।

जिला स्तरीय ओलम्पियाड परीक्षा में कु. आयुषी देवगड़े ने सफलता हासिल की

पद्मेश न्यूज। लांजी। विकासखंड लांजी अंतर्गत राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित जिला स्तरीय ओलम्पियाड परीक्षा सत्र 2025-26 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें शासकीय माध्यमिक विद्यालय बिसोनी की छात्रा ने उत्कृष्ट सफलता अर्जित कर विद्यालय, संकुल एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शासकीय माध्यमिक विद्यालय बिसोनी संकुल पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में अध्ययनरत कु. आयुषी देवगड़े, पिता सुनील देवगड़े, कक्षा छठवीं ने विज्ञान विषय में जिला स्तरीय ओलम्पियाड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता हासिल की है। छात्रा की इस उल्लेखनीय सफलता पर विद्यालय परिवार एवं शाला प्रबंधन समिति में हर्ष का वातावरण है। इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष प्रेमलाल पोर्रे, एसएमसी उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा मेश्राम एवं समस्त एसएमसी सदस्यगणों ने छात्रा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।साथ ही विद्यालय के प्रधानपाठक के. सी. गुरदे सहित समस्त शिक्षकों माध्य शिक्षक एल. आर. पीपरे, जे. एल. लिल्हारे, आर. के. कुशले, डी. के. कारसर्पे, एम. के. सोनवाने, एस. के. बोरकर,तथा शिक्षिकाएं श्रीमती सीमा चौके, श्रीमती प्रियंका सोनवाने एवं श्रीमती संगीता रहमतकर द्वारा छात्रा कु. आयुषी देवगड़े एवं उनके परिवार को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु मंगलकामनाएं प्रेषित की गईं। विद्यालय परिवार ने आशा व्यक्त की कि छात्रा

भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर मेहनत कर उच्च उपलब्धियां प्राप्त करेगी तथा अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

देवलगांव में मनाया चक्रवती सम्राट राजा भोज की जंयती

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम देवलगांव में 30 जनवरी की शाम 4 बजे पंवार समाज के द्वारा संजित ठाकरे के निवास प्रांगण में महान शासक चक्रवती सम्राट राजा भोज जी की जंयती मनाई गई। सामाजिक बंधुओं

द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम राजा भोज एवं कुल देवी गढकालिका माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम को अग्रिम दिशा प्रदान करते हुये ग्राम के सामाजिक बंधुओं के द्वारा राजा भोज के जीवन पर प्रकाश डालते हुये बताया कि कैसे राजा भोज ने अनेको युद्ध जीत कर एक उत्कृष्ट शासक के रूप में अपनी पहचान बनाई है राजा भोज पंवार (परमार) वंश के नवें राजा थे परमार वंशीय राजाओं ने मालवा की राजधानी धारा नगरी (धार) से आठवीं शताब्दी से लेकर चौदहवी शताब्दी के पूर्वार्ध तक राज्य किया था। राजा भोज ने बहुत से युद्ध किये और अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की जिससे सिद्ध होता है कि उनमें असाधारण योग्यता थी। यद्यपि उनके जीवन का अधिकांश समय युद्ध क्षेत्र में बीता तथापि उन्होने अपने राज्य की उन्नति में किसी भी प्रकार से बाधा उत्पन्न ना होने दी। राजा भोज एक महान शासक थे जिन्होने पंवार (परमार) समाज का परचम हर जगह फहराया है। आज इन्हीं महान शासक राजा भोज जी की जयंती पंवार समाज के द्वारा ग्राम देवलगांव में मनाई गई। हम सभी को राजा भोज जी के पदचिन्हो पर चलना चाहिये। उनके दिखाये मार्गो पर आगे बढ जीवन की नई उंचाईया प्राप्त कर सकते है। उक्त संपूर्ण कार्यक्रम में बतौर मुख्य दिलीप सेवकराम टेंभरे, भरत लाल टेंभरे, कमल किशोर ठाकरे, संजीत ठाकरे, संजय टेंभरे, शैलेश टेंभरे, लक्ष्मीचंद टेंभरे, गौरीशंकर हरिनखेडे, मंगल टेंभरे, राजू टेंभरे, मोनू हरिनखेडे, पाण्डुरंग टेंभरे, सोमेश्वर हरिनखेडे, सोमेश्वर टेंभरे, रंजित ठाकरे, आदि गणमान्य गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन कमलकिशोर ठाकरे द्वारा एवं आभार व्यक्त संजीत ठाकरे द्वारा किया गया।

सावरीकला में मनाई सम्राट चक्रवर्ती राजाभोज की जयंती

प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम सावरीकला में बसंत पंचमी एवं सम्राट चक्रवर्ती राजाभोज जयंती के पावन अवसर पर पंवार के द्वारा प्रतिभावान छात्राओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन 30 जनवरी को ग्राम सावरीकला स्थित सम्राट राजा भोज चौक में किया गया। आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विशाल बिसेन जिला अध्यक्ष पंवार समाज, महेंद्र पटेल क्षेत्रिय पंवार समाज अध्यक्ष लांजी, पंकज चौधरी युवा ब्लाक संगठन अध्यक्ष पंवार समाज लांजी, मनोज टेंभरे राष्ट्रीय सचिव पंवार समाज बालाघाट, सुमन परिहार महिला पंवार समाज किरनापुर, ओमकला पटले अध्यक्ष पंवार समाज सालेकसा, लक्ष्मीबाई ऐड़े अध्यक्ष महिला पंवार समाज, ओमकार बाबा रहांगडाले सरपंच सावरीकला, अशोक पटले अध्यक्ष पंवार समाज सावरीकला, पुष्पाबाई रहांगडाले अध्यक्ष पंवार समाज महिला लांजी, देवेश ऐड़े महासचिव जिला पंवार समाज लांजी, मुनेश्वरी रहांगडाले अध्यक्ष पंवार समाज महिला सावरीकला, पुष्पा ठाकरे सरपंच देवलगांव के आतिथ्य में संपन्न हुआ। तय कार्यक्रम के तहत उक्त स्थान से

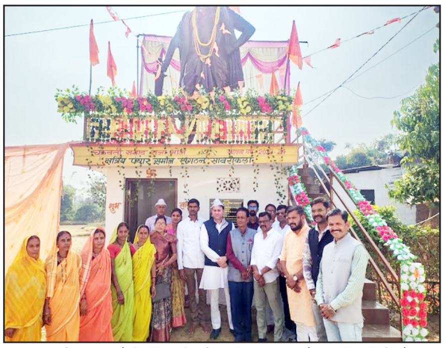

प्रात॰ 9 बजे प्रभात फेरी निकाली जो कि मंचीय कार्यक्रम स्थल पर पंहुची। मंचीय कार्यक्रम में दीप प्रज्जवलन उपरांत मां गढ?ालिका माता की आरती की गई और अतिथियों का सम्मान पुष्प गुच्छ आदि भेंट कर किया गया। वहीं मुख्य अतिथि एवं अतिथियो की आसंदी पर बैठे पंवार समाज के पदाधिकारियों के द्वारा अपने अपने संबोधन में समाज एकता, समरसता की बात रखी गई। युवाओ से कहा गया कि आप नशे आदि कुरितीयों से दुर रहे शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। साथ ही यह भी कहा गया कि जहां हमारी आवश्यकता होती है हमे याद करे। इसके अलावा कुछ अतिथि गणो के द्वारा सम्राट राजा भोज के जीवन शैली पर भी प्रकाश डालते हुये कहा कि हमे राजा भोज जी के पदचिन्हो पर चलकर उन जैसा चक्रवती सम्राट या व्यक्तित्व बनना चाहिये। आपके पंवार समाज के सभी पदाधिकारियों एवं आयोजन कर्ताओ को बधाई प्रेषित की गई जिनके द्वारा मेधावी एवं प्रतिभावान छात्र छात्राओं को सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इनका हुआ सम्मान

बसंत पंचमी एवं सम्राट चक्रवर्ती राजाभोज जयंती के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में मेधावी छात्र दामिनी संतोष पटले को कक्षा 12वीं की 88.6 प्रतिशत, रितिक ओमकार रहांगडाले 82.6 प्रतिशत, कक्षा दसवीं में प्रणाली निलचंद रहांगडाले 95 प्रतिशत, प्राची निलचंद रहांगडाले 92.2 प्रतिशत प्राप्त करने पर सम्मान किया गया। इसी तरह सीआरपीएफ में चयनित होने पर प्रणित उमेश पटले, नवोदय में चयनित होने वाले छात्र विनय खेमराज रहांगडाले, हर्षित प्रकाश पटले, खुशदिल केशोकुमार बिसेन, रिया डॉ संतोष गौतम का भी सम्मान किया गया।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम परसोड़ी में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी एवं बहेला के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने गांधीजी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और देश की स्वतंत्रता तथा

समाज सुधार के लिए किए गए उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेंद्र खोंगल, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अजय अवसरे, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रेवाराम करहाटकर, ऋषि पटेल दशरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बहेला, जनपद पंचायत सभापति दिनेश लाड़े, पूर्व जनपद सदस्य राजू मेंढे, लिखेंद्र उपराड़े सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेसी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने गांधीजी के विचारों को आज के समय में प्रासंगिक बताते हुए कहा कि सत्य, अहिंसा और सेवा भाव ही उनके जीवन का मूल मंत्र था। उन्होंने कहा कि गांधीजी ने हमें सिखाया कि समाज में बदलाव लाने के लिए हिंसा नहीं बल्कि प्रेम और करुणा का मार्ग अपनाना चाहिए। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे गांधीजी के आदर्शों को अपने जीवन में उतारकर समाज और राष्ट्र की सेवा करेंगे। महात्मा गांधी ने हमें यह सिखाया कि सच्चाई और अहिंसा से ही स्थायी परिवर्तन संभव है। आज जब समाज अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है, तब गांधीजी के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर एक न्यायपूर्ण और समानता आधारित समाज का निर्माण करना चाहिए।

इन्होने कहा

गांधीजी ने स्वतंत्रता संग्राम में देश को एकजुट किया और हर व्यक्ति को यह विश्वास दिलाया कि सत्य और नैतिकता से बड़ी कोई ताकत नहीं होती। उनकी पुण्यतिथि पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर राष्ट्र की प्रगति में योगदान देंगे।

ऋषि पटेल

अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बहेला

वार्षिकोत्सव मे छात्राओं के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों ने मन मोहा

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किरनापुर मे शनिवार को शालेय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि जनपद पंचायत किरनापुर अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह एवं बीईओ गणेश प्रसाद सोनी की अध्यक्षता मे आयोजित किया गया। वही इस कार्यक्रम मे बतौर विशेष अतिथि जिला पंचायत सदस्य चेतना कुर्राहे, जनपद सदस्य मनीष भीमटे,भाजपा महिला मोर्चा किरनापुर मंडल अध्यक्ष सरिता जोशी, सांसद प्रतिनिधि चुमेश लिल्हारे, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष राजेन्द्र वैद्य,एच सी सिलहारे, विद्यालय प्राचार्य इन्द्र श्याम ठाकरे, सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं स्कूली शिक्षक शिक्षिकाएं सहित समस्त छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पूजन कर किया गया। तत्पश्चात् छात्राओं द्वारा

सुमधुर सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत की प्रस्तुति दी गई। वही इस अवसर पर छात्राओं द्वारा गीत गायन, नृत्य, रंगोली,खेल सहित विभिन्न विधाओं मे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छात्राओं द्वारा दी गई प्रस्तुतियों की उपस्थितजनोंद्वारा खूब सराहना की गई।इस कार्यक्रम के दौरान जनपद सदस्य मनीष भीमटे ने अपने उद्बोधन मे कहा कि वार्षिकोत्सव मे छात्राओं ने रोचक एवं तथ्यात्मक प्रस्तुतियो के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। हमारे यहां विभिन्न प्रकार की वेशभुषा, बोली भाषा है। इतना सब होते हुए भी हमारे देश मे एकता के सूत्र में पिरोए हुए हैं। इसलिए हम सब बड़े ही गर्व से कहते हैं अनेकता मे एकता भारत की विशेषता। महिलाओं की शिक्षा को आगे बढ़ाने में माता सावित्री बाई फूले एवं डॉ बाबा साहब अम्बेडकर जी का महत्त्व पूर्ण योगदान रहा हैं।अब खूब मेहनत कर परीक्षा मे अच्छे अंक हासिल करें। और अपने माता पिता, स्कूल और क्षेत्र का नाम रोशन करें। मोबाइल का सदुपयोग करें, इसका दुरूपयोग ना करें। तथा सांसद प्रतिनिधि चुमेश लिल्हारे ने अपने उद्बोधन मे कहा कि साल भर की गतिविधियों के बाद बड़े ही उत्साह एवं उमंग से वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। स्वच्छता पर आधारित थीम से जो प्रस्तुति दी गई। वह समाज को आईना दिखाने का काम किया है, हमे इससे सीख लेनी चाहिए। निरन्तर मेहनत करते रहे, सफलता अवश्य मिलेगी। और कहा भी गया है कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। वही जिला पंचायत सदस्य चेतना कुर्राहे ने अपने उद्बोधन मे कहा कि वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभाओं को निखारने का काम होता है। बेटियों की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। हमारी बेटियां बड़े ही निर्भरता से अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। मोबाइल से दूरियां बना कर रखे। माता पिता का कहना माने उनका मान सम्मान बनाए रखें। तथा खण्ड शिक्षा अधिकारी गणेश प्रसाद सोनी ने अपने उद्बोधन मे कहा कि परीक्षाओं के पूर्व वार्षिकोत्सव मे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन शासन से मिले निर्देशों के अनुरूप किए जा रहे है। खेलकूद प्रतियोगिताओं एवं आनंद उत्सव कार्यक्रम भी उनमें से एक हैं। अभी जो सी आई एस एफ की भर्ती हुई उसमें खुशी की बात यह है कि सबसे ज्यादा नियुक्ति हमारे किरनापुर की छात्राओं की नियुक्ति हुई है। वही मुख्य अतिथि की आसंदी से जनपद पंचायत अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह ने अपने उद्बोधन मे कहा कि बच्चों के द्वारा जो प्रस्तुति दी जा रही थी उसमें मनोरंजन के साथ सामान्य शिक्षा भी शामिल थी। परीक्षा मे टेंशन बनाने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। उन्हें फेस करें। शिक्षक शिक्षिकाओ को बच्चों का वर्तमान बन जाए या सुधर जाए, उनका भविष्य अपने आप सुधर जाएगा। शिक्षा विभाग हो या स्वास्थ्य विभाग मे बालाघाट की बेटियां हर जगह मिल जाएगी। सिलेबस पूरा कर मन लगा कर पढ़ाई करें। प्रदेश और जिले की टॉप टेन सूची मे अपना नाम दर्ज करें। किरनापुर का नाम रोशन करें सब लोग आगे बढ़े, सभी को शुभकामनाएं।वही कार्यक्रम के समापन के पूर्व पर मंचासिन अतिथियो द्वारा प्रतिभावान एवं विजेता बच्चों को पारितोषिक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।

अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन द्वारा कल मनाई जाएगी संत रविदास जी की जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन इकाई लांजी के द्वारा कल 2 फरवरी को संत शिरोमणी रविदास जी की जयंती नगर के सिद्धेश्वर मंगल भवन लांजी मे प्रात॰ 8 बजे से मनाई जायेगी। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रात॰ 8 बजे संत शिरोमणी रविदास मंदिर वार्ड क्रमांक 10 में समस्त सामाजिक गणों के द्वारा पूजा अर्चना की जावेगी। प्रात॰ 9 बजे मंदिर प्रांगण से प्रभात फेरी का आयेजन जो कि नगर भ्रमण कर सुभाष चौक से वापस मंदिर परिसर में समाप्त होगी। दोपहर 1 बजे से संध्या 3 बजे तक नगर के सिद्धेश्वर मंगल भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें बतौर मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे, पूर्व विधायक हिना लिखीराम कावरे, कार्यक्रम अध्यक्ष हरिचंद्र मोहबे, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक रमेश भटेरे, जनपद अध्यक्ष अर्चना खोंगल, नगर परिषद अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले, हिराचंद आसटकर, यशवंत कनौजे, मयूर वाहने सीएमओ लांजी सहित अन्य आमंत्रित अतिथियो की उपस्थिती में कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। संगठन के पदाधिकारी दिनेश चौहान अध्यक्ष, लोकराम भोण्डेकर उपाध्यक्ष, धर्मेन्द्र गौधरे, फुलचंद भोण्डेकर, शिव खरोले, उल्लास चौरे, मनीष चौहान, नरेश चौहान, तेजलाल ताण्डेकर, नारायण ताण्डेकर राजकुमार ताण्डेकर मनोहर भोण्डेकर, परसराम बिंझलेकर, सीडी चौहान, लखन भोण्डेकर, राजू चौरे, धनराज भोण्डेकर, मनोज खरोले,

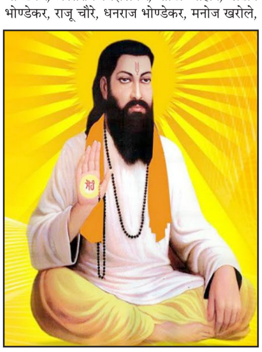

सतीष चौहान, रविन्द्र ड्क्षबझलेकर, मारोती बिंझलेकर ने सभी स्वजातिय सामाजिक बंधुओ से उक्त कार्यक्रम में उपस्थिती की अपील की गई है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

विधानसभा में पेश होगा डिजिटल बजट

- ई ऑफिस, ई कैबिनेट के बाद अब ई विधान की तैयारी

भोपाल । मप्र में ई ऑफिस, ई कैबिनेट के बाद अब ई विधान की व्यवस्था शुरू होने जा रही है। विधानसभा के बजट सत्र में डिजिटल व्यवस्था देखने को मिलेगी। विधायकों को टैबलेट दिए जाएंगे, उनके प्रश्नों के उत्तर भी डिजिटल ही प्राप्त होंगे। मप्र का बजट भी उप मुख्यमंत्री व वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा टैबलेट पर ही पढ़ेंगे। ई-विधान परियोजना और पेपरलेस बजट को देखते हुए विधानसभा सचिवालय की ओर से सभी विधायकों को टैबलेट दिए जाएंगे। इस पर 2 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च होंगे। इस दिशा में बजट सत्र से पहले नेशनल ई-विधान परियोजना लागू की जाएगी। इसके लिए 23 दिसंबर को मंत्री व विधायकों को विधानसभा के मानसरोवर सभागार में प्रशिक्षण दिया गया है।

मप्र विधानसभा का बजट सत्र 16 फरवरी से शुरू होगा। इस सत्र से विधानसभा की कार्यवाही पूरी तरह ऑनलाइन संचालित की जाएगी। इसके लिए मप्र विधानसभा सचिवालय ने सभी आवश्यक तकनीकी तैयारियां पूरी कर ली हैं। बजट सत्र से पहले सदन के भीतर विधायकों की सीटों पर टैबलेट लगाए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से प्रश्न, उत्तर, विधेयक, ध्यानाकर्षण सूचना, शून्यकाल की सूचनाएं और अन्य विधायी दस्तावेज डिजिटल रूप में उपलब्ध कराए जाएंगे। भारत सरकार की ओर से ई-विधान परियोजना को देशभर में बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी के तहत मप्र विधानसभा को भी डिजिटल और पेपरलेस बनाया जा रहा है। नेशनल ई-विधान परियोजना (नेवा) भारत सरकार की एक ई-गवर्नेंस पहल है, जिसका लक्ष्य देश की सभी विधानसभाओं को पूरी तरह से डिजिटल और पेपरलेस बनाना है, ताकि विधायी कार्य (जैसे प्रश्नोत्तर, विधेयक, रिपोर्ट) एक साझा डिजिटल प्लेटफार्म पर हों, जिससे पारदर्शिता और दक्षता बढ़े। इसे एक राष्ट्र, एक एप्लीकेशन के सिद्धांत पर बनाया गया है और यह डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का हिस्सा है। इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय को नोडल विभाग बनाया गया है।

इस बार बजट की किताबें नहीं छपेंगी गौरतलब है कि पहले प्रदेश के सरकारी कार्यालयों में ई-ऑफिस सिस्टम लागू हुआ। फिर ई-कैबिनेट बैठकों की प्रक्रिया शुरू की गई। अब ई-गवर्नेंस की दिशा में मप्र सरकार एक और पहल कर रही है। सरकार ने विधानसभा में डिजिटल यानी पेपरलेस बजट पेश करने की तैयारी कर ली है। यह सरकार का पहला पूर्ण डिजिटल बजट होगा। इस साल बजट की किताबें नहीं छापी जाएंगी। विधायकों को बजट की पूरी जानकारी टैबलेट में दी जाएगी। वित्त विभाग की वेबसाइट पर भी बजट अपलोड होगा। साथ ही पेनड्राइव में बजट की सॉफ्ट कॉपी दी जाएगी। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा विधानसभा में टैबलेट के जरिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश करेंगे। वित्त विभाग ने इस दिशा में कार्रवाई शुरू कर दी है। दरअसल, वित्त विभाग पिछले चार साल से बजट पेश करने की कवायद में जुटा है, लेकिन हर साल ऐन मौके पर पूर्व की तरह मैनुअल बजट पेश करने का निर्णय ले लिया जाता है।

25 लाख रुपए की होगी बचत

वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बजट पुस्तिकाओं की छपाई पर हर साल करीब 25 लाख रुपए खर्च होते हैं, बड़ी मात्रा में कागज की बर्बादी होती है और बजट पुस्तिकाओं को लाने ले जाने में बड़ी संख्या में मैनपॉवर लगता है। फिजूलखर्ची और कागज की बर्बादी रोकने के लिए वित्त विभाग ने इस बार डिजिटल बजट पेश करने को लेकर अंतिम निर्णय ले लिया है। अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी का कहना है कि इस बार विधानसभा में पेपरलेस बजट पेश करने की तैयारी है। बजट पुस्तिकाएं नहीं छापी जाएंगी। वित्त विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की तैयारियां तेज कर दी है। गत 19 जनवरी से बजट को लेकर सचिव स्तर की अंतिम दौर की चर्चा शुरू हो गई है। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार विभागवार बजट चर्चा हो रही है। शेष 31 विभागों की बजट चर्चा 29 तक चलेगी। इसमें विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारी बजट पर चर्चा कर हैं। गत दिसंबर में 22 विभागों की सचिव स्तर की बजट चर्चा हो चुकी है। रहे

बजट के लिए लोगों से लिए गए सुझाव

वित्त विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर आम नगारिकों से सुझाव आमंत्रित किए थे। लोगों से कहा गया था कि वे विकसित मप्र के लिए कैसा बजट चाहते हैं, इस बारे में अपना सुझाव दें। सुझाव पोर्टल, टोल फ्री नंबर, ईमेल और डाक के माध्यम से मंगाए गए थे। खास बात यह है कि इस बार बजट को लेकर वित्त विभाग को सुझाव देने में आम नागरिकों ने ज्यादा रुचि नहीं दिखाई है। इस बार बजट संबंधी करीब एक हजार सुझाव वित्त विभाग को मिले हैं, जबकि पिछली बार लोगों ने दो हजार से ज्यादा सुझाव दिए थे। वित्त विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकार को सबसे ज्यादा सुझाव कर्मचारी वर्ग ने दिए हैं। कर्मचारियों ने केंद्र के समान महंगाई भत्ता देने, आठवां वेतनमान लागू करने, संविदा कर्मचारियों को नियमित करने व आउटसोर्स प्रथा बंद करने की घोषणा बजट में करने की मांग की है। इसके अलावा आम नागरिकों ने पेट्रोल-डीजल पर वैट कम करने, महंगाई कम करने के उपाय करने, गांवों में स्वास्थ्य सुविधाएं सुधारने, सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार रोकने के उपाय करने जैसे सुझाव सरकार को दिए हैं।

मप्र में अटकी एसटी-एससी अत्याचार पीड़ितों की राहत राशि

7,400 से ज्यादा मामले लंबित, मुख्य सचिव ने जताई नाराजगी

भोपाल। मध्य प्रदेश में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के अत्याचार पीड़ितों को न्याय और आर्थिक संबल देने की प्रक्रिया कछुआ चाल से चल रही है। कानून के तहत मिलने वाली राहत राशि के हजारों प्रकरण फाइलों में दबे हुए हैं, जिससे पीड़ितों को समय पर मदद नहीं मिल पा रही है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में करीब 7,453 मामले पुलिस और जिला प्रशासन के स्तर पर अटके हुए हैं।

पुलिस और जिला समितियों के पास लंबित हजारों मामले

वर्तमान स्थिति यह है कि कुल 3,259 प्रकरण पुलिस स्तर पर लंबित हैं, जहां जांच या प्रारंभिक कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी है। इसके अतिरिक्त, 4,194 मामले जिला स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समितियों के पास लंबित हैं। इन समितियों की जिम्मेदारी राहत राशि के वितरण की समीक्षा करना है, लेकिन बैठकों के समय पर न होने और प्रक्रियात्मक देरी के कारण मामला अधर में लटका हुआ है।

इन जिलों में स्थिति सबसे खराब

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि पुलिस स्तर पर सर्वाधिक लंबित प्रकरण छिंदवाड़ा, विदिशा, राजगढ़, मुरैना, इंदौर और सागर जिलों में हैं। वहीं, जिला स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समितियों की लापरवाही के मामले में सागर, ग्वालियर, नर्मदापुरम, धार और जबलपुर सबसे आगे हैं। इन जिलों में समीक्षा की कमी के कारण पीड़ितों को मिलने वाली आर्थिक सहायता रुकी हुई है। अत्याचार निवारण नियम, 1995 (संशोधित 2016) के अनुसार, एससी-एसटी वर्ग के पीड़ितों को अपराध की प्रकृति के आधार पर 75,000 रुपये से लेकर 8.5 लाख रुपये तक की राहत राशि दी जाती है। यह सहायता प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज होने के बाद जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रदान की जाती है। राशि में देरी का सीधा असर पीड़ित के पुनर्वास और न्याय पाने की क्षमता पर पड़ता है।

मुख्य सचिव और डीजीपी ने दिए सख्त निर्देश

प्रकरणों की इस लंबी फेहरिस्त पर शासन ने कड़ा रुख अपनाया है। हाल ही में मंत्रालय में आयोजित कलेक्टर-कमिश्नर एवं कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने इस स्थिति पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी लंबित प्रकरणों का तय समय-सीमा में निराकरण कर शासन को सूचित किया जाए। इसी क्रम में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना ने भी पुलिस अधीक्षकों को पुलिस स्तर पर लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने के निर्देश जारी किए हैं।

महाकाल ऑटोमोबाइल शॉप में लगी आग, कई कारें जली

भोपाल । शहर के जेल रोड स्थित महाकाल ऑटोमोबाइल शॉप में आग लगने से शॉप में खड़ी कारें जलकर राख हो गईं। कारों की संख्या सात बताई जा रही है। ये सभी कारें मरम्मत के लिए आई थी। ऑटोमोबाइल शॉप के मालिक के अनुसार इस हादसे में करीब 35 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार, महाकाल ऑटोमोबाइल शॉप ट्रूबा कॉलेज के पास स्थित है। शॉप मालिक सिद्धार्थ मिश्रा ने बताया कि आग सुबह करीब साढ़े पांच बजे लगी। उस समय शॉप के अंदर पांच और बाहर दो कारें खड़ी थीं।

फर्जी दस्तावेज से सरकारी डॉक्टर बने सीताराम शर्मा को सजा

तीन वर्ष के सश्रम कारावास एवं दो हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई

भोपाल। मध्यप्रदेश में हुए व्यावसायिक परीक्षा मंडल घोटाले की आंच अभी तक शांत नहीं हुई है। बडे पैमाने पर हुए घोटाले की गूंज प्रदेश की विधानसभा से लेकर देश की संसद तक में सुनी गई। इसी घोटाले से जुडे ताजे मामले में एक सरकारी डॉक्टर को हाल ही में सजा सुनाई है। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मेडिकल सीट हासिल कर सरकारी डॉक्टर बने शख्स को भोपाल की अदालत ने दोषी करार दिया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अतुल सक्सेना की अदालत ने आरोपी डॉ. सीताराम शर्मा को तीन वर्ष के सश्रम कारावास एवं दो हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। यह मामला बहुचर्चित व्यापमं घोटाले से जुड़ी एक महत्वपूर्ण कड़ी है। दोषी डॉ. सीताराम शर्मा वर्तमान में जिला भिंड के शासकीय चिकित्सालय में चिकित्सा

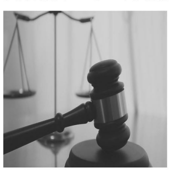

अधिकारी के पद पर पदस्थ है। अभियोजन के अनुसार, आरोपी ने वर्ष 2009 में पीएमटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद मध्य प्रदेश के राज्य कोटे का अवैध लाभ लेने के उद्देश्य से मुरैना जिले की अंबाह तहसील का कूटरचित (फर्जी) मूल निवासी प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया था। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी मूल रूप से उत्तर प्रदेश का निवासी है। उसने अपनी हाईस्कूल (1984) और इंटरमीडिएट (2001) की शिक्षा उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से प्राप्त की थी। अंबाह तहसील के अभिलेखों की जांच में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी के नाम से कोई भी मूल निवासी प्रमाण पत्र कभी जारी नहीं किया गया था। इस फर्जीवाड़े का खुलासा राज्यसभा सांसद एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री दिग्विजय सिंह की शिकायत के बाद हुआ, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश के अभ्यर्थी फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से मध्य प्रदेश की मेडिकल सीटों पर कब्जा कर रहे हैं। प्रकरण में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक आकिल खान एवं सुधा विजय सिंह भदौरिया ने प्रभावी ढंग से पक्ष रखा, जिसके आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराया। अदालत ने आरोपी डॉ. सीताराम शर्मा को तीन वर्ष के सश्रम कारावास एवं दो हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। यह मामला भी बहुचर्चित व्यापमं घोटाले से जुड़ी एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

नितिन को मजबूत करने की रणनीति में जुटेगा संघ

- राज्यों में संगठन मंत्रियों की भूमिका में होगा बदलाव

भोपाल। भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के साथ ही नितिन नबीन के सामने चुनावी चुनौतियों का पहाड़ है। ऐसे में नितिन को मजबूती देने के लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक जल्द ही मोर्चा संभालेगा। इसलिए भाजपा अब जल्द अपने संगठन मंत्रियों की भूमिका में बदलाव करने वाली है। इसका फैसला राष्ट्रीय स्वयं संवक संघ की मार्च में होने वाली अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में किया जाएगा। इस बैठक में संघ भाजपा को नए पूर्णकालिक देगा। ये पूर्णकालिक अभी संघ के दूसरे प्रकल्पों का काम देख रहे हैं। करीब आठ प्रदेशों के प्रदेश संगठन मंत्रियों को बदले जाने की संभावना संघ से जुड़े सूत्र बता रहे हैं। इनमें से अधिकांश प्रदेशों में अपना पांच साल से अधिक का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं।

गौरतलब है कि भाजपा में राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री से लेकर प्रदेश संगठन महामंत्री तक के पदाधिकारी संघ भाजपा को देता है। इसमें अधिकांश उसके पूर्णकालिक कार्यकर्ता होते है। अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद इनमें से अधिकांश वापस संघ या उसके अनुषांगिक संगठनों में फिर से सक्रिय हो जाते हैं। पहले भाजपा में संभागीय संगठन मंत्री, जिला संगठन मंत्री और संगठन सहायकों की भी नियुक्ति होती थी और ये सभी पदाधिकारी संघ की पृष्ठभूमि से ही आते थे पर समय के साथ संघ ने भाजपा में अपनी भूमिका बेहद सीमित कर दी है। पहले जिला संगठन मंत्री और संगठन सहायकों के पद समाप्त किए गए और करीब चार साल पहले संभागीय संगठन मंत्रियों के पद भी समाप्त कर दिए गए।

मार्च में होगी प्रतिनिधि सभा की बैठक

गौरतलब है कि नितिन नबीन के पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद भाजपा की संगठन चुनाव प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। यही वजह है कि अब संघ प्रदेश संगठन महामंत्रियों में बदलाव करेगा। संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक सालभर में दो चार होती है। इस बार यह बैठक मार्च के प्रथम सप्ताह में हरियाणा के पानीपत में होना संभावित है। इसे लेकर एजेन्डा तय किया जा रहा है। इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, सह संगठन महामंत्री समेत प्रदेश संगठन मंत्रियों को लेकर विचार होना है। प्रतिनिधि सभा की बैठक में संभागीय संगठन मंत्रियों को फिर से तैनात करने पर भी विचार होना है। इसके पीछे कारण यह बताया जा रहा है कि संघ भी अपना कार्य अब संभाग आधारित करने की योजना बना रहा है। इस बैठक में संघ के कार्य को नए तरीके से करने पर भी बत होगी।

बड़े बदलाव की राह पर संघ

संघ की कार्यप्रणाली में जल्द बदलाव के संकेत सूत्र दे रहे हैं। संघ की नई व्यवस्था के तहत उसकी कार्य व्यावस्था संभागस्तर पर आधारित होगी और हर संभाग में एक प्रचारक नियुक्ति किया जाएगा। अब तक मध्यप्रदेश में तीन प्रांत महाकौशल, मालवा और मध्य में प्रचारक होते थे। अब इस व्यवस्था को संभाग स्तर पर लाने का प्रयास किया जाएगा। अब तक प्रदेश से जुड़ा रहा छत्तीसगढ़ भी अब अलग प्रांत होगा। जिला प्रचारक समेत अन्य व्यवस्थाओं को पूर्ववत रखा जाएगा। संघ की इस बैठक में हाल ही में पूरे देश में दस हजार तक की जनसख्या वाले इलाको में हुए हिंदू सम्मेलन समेत अन्य कार्यक्रमों की सफलता पर भी विचार किया जाएगा।

सडक़ों पर अवैध वाहनों की नो-एंट्री, टोल पार करते ही पहुंचेगा ई-चालान

भोपाल। मध्य प्रदेश की सडक़ों पर परमिट, बीमा और फिटनेस के बिना चलने वाले वाहनों की पहचान अब टोल बूथ पर की जा सकेगी। यह टोल प्लाजा में लगे कैमरों व फास्ट टैग से संभव होगा। टोल प्लाजा से वाहनों की वैधता की पहचान की जाएगी। वाहनों के दस्तावेज गड़बड़ मिले तो ई-चालान जारी होगा। इसके लिए मध्य प्रदेश परिवहन आयुक्त कार्यालय में ई-डिटेक्शन सेल को राष्ट्रीय सूचना केंद्र की ई-डिटेक्शन प्रणाली के माध्यम से ई-चालान जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की ई-डिटेक्शन प्रणाली को प्रदेश में स्थित नेशनल हाइवे तथा स्टेट हाइवे के टोल प्लाजा एवं राज्य शासन के अन्य विभागों के साथ एकीकृत किया जाएगा। इसके बाद इन स्थलों से गुजरने वाले वाहनों की वैधता का सत्यापन ई-डिटेक्शन प्रणाली के माध्यम से स्वत- हो जाएगा, यदि कोई वाहन अवैध, बिना बीमा, बिना फिटनेस, बिना पीयूसी या बिना स्वामित्व के टोल पार करता है, तो उसके खिलाफ स्वचालित रूप से इलेक्ट्रानिक (ई-चालान) जारी किया जाएगा।

गड़बड़ी पर जारी होंगे चालान

चालान की कार्रवाई ई-डिटेक्शन सेल से होगी। जैसे ही वाहन के बीमा, फिटनेस, पीयूसी में गड़बड़ी मिली तो ई-चालान फोन, एसएमएस या ई-मेल के माध्यम से वाहन मालिक को भेजा जाएगा। इसमें उल्लंघन का विवरण, अभिलेख राशि और भुगतान की जानकारी होगी। वाहन मालिक को लाइसेंस के विरुद्ध ऑफलाइन अपील या भुगतान का विकल्प मिलेगा। पहले चरण में परमिट, बीमा और फिटनेस पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

टोल प्लाजा पर गुजरते समय वाहन का कोई दस्तावेज एक्सपायर्ड या अवैध पाया जाता है, तो वाहन को डिफॉल्टर के रूप में चिह्नित कर तुरंत ई-चालान जारी किया जाएगा। यह प्रणाली पहले से ही ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार और गुजरात जैसे राज्यों में सफलतापूर्वक लागू की जा चुकी है। राजस्थान में भी एनएचएआइ ने इसी तरह के स्मार्ट सिस्टम को कई टोल प्लाजा पर लागू करने की योजना बनाई है।

एनजीटी ने बरकरार रखा 8.94 करोड़ का जुर्माना, अपील हुई खारिज

ननि को भारी पडी लापरवाही, 30 दिन में भरना होगा जुर्माना

भोपाल। नगर निगम को एक लापरवाही भारी पड गई है। इस लापरवाही का खामियाजा अब उसे करोडों रुपए का हर्जाना भर कर चुकाना पडेगा। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने कचरा प्रबंधन और सीवेज ट्रीटमेंट में लापरवाही के मामले में मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा लगाए गए 8.94 करोड़ रुपए के जुर्माने को बरकरार रखा है। निगम को यह राशि 30 दिन के भीतर जमा करनी होगी, अन्यथा वसूली की कार्रवाई की जाएगी। एनजीटी की सेंट्रल जोन बेंच ने निगम की अपील खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि पर्यावरणीय जिम्मेदारियों से किसी भी समझौते के जरिए बचा नहीं जा सकता। अधिकरण ने कहा कि प्रदूषक भुगतान सिद्धांत के तहत पर्यावरण को हुए नुकसान की भरपाई अनिवार्य है। अधिकरण ने पाया कि दिसंबर 2023 में हुए संयुक्त निरीक्षण के दौरान बागमुगलिया स्थित एक मल्टी-स्टोरी आवासीय परिसर में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट काम नहीं कर रहा था और बिना उपचारित गंदा पानी परिसर के बाहर छोड़ा जा रहा था। इसके अलावा परियोजना संचालक के पास अनिवार्य कंसेंट टू ऑपरेट भी नहीं था, जो जल और वायु प्रदूषण कानूनों का सीधा उल्लंघन है। एनजीटी ने साफ कहा कि यदि तय समय में जुर्माना जमा नहीं किया गया तो बोर्ड कानून के तहत सख्त कार्रवाई करेगा। यह राशि पर्यावरण पुनर्स्थापन कार्यों में खर्च की जाएगी। एक अन्य मामले में एनजीटी ने कलियासोत डैम और भोज वेटलैंड क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण को लेकर राज्य प्रशासन और नगर निगम को कड़ी फटकार लगाई है। अधिकरण ने कहा कि भोपाल मास्टर प्लान 2005 का खुलेआम उल्लंघन कर जलाशय भूमि, हरित पट्टी और उद्यान क्षेत्र में निर्माण किए गए हैं, जिससे पर्यावरण संतुलन और जलीय जीवों के आवास पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। रिकॉर्ड के अनुसार, कलियासोत क्षेत्र में कम से कम 97 अवैध अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं, लेकिन 2023 से लगातार निर्देशों के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। एसटीपी अब तक पूरी तरह चालू नहीं होने से बिना उपचारित सीवेज जलाशयों में जा रहा है। याचिकाकर्ताओं की ओर से एनजीटी को बताया गया कि अतिक्रमण हटाने के बजाय नए अवैध निर्माण सामने आ रहे हैं। इस पर अधिकरण ने निर्देश दिए कि आदेश मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन तक पहुंचाया जाए, ताकि तत्काल और प्रभावी कार्रवाई हो सके।

अब 3 किस्तों में बनेगा मकान, मजदूरी राशि अलग से मिलेगी

- मप्र में प्रधानमंत्री आवास योजना में बड़ा बदलाव

भोपाल। मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत गरीब और जरूरतमंद परिवारों को राहत देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने भुगतान व्यवस्था में बदलाव किया है। अब योजना के अंतर्गत आवास निर्माण के लिए मिलने वाली सहायता राशि तीन किस्तों में जारी की जाएगी, जिससे निर्माण प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति दोनों सुनिश्चित हो सके।

नए प्रावधान के अनुसार, हितग्राही को मकान निर्माण के लिए कुल 1,20,000 रूपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। यह राशि तीन बराबर किस्तों में मिलेगी, जिसमें हर किश्त 40,000 रूपए की होगी। पहली किश्त नींव और प्रारंभिक निर्माण के लिए, दूसरी किश्त दीवार और छत निर्माण के चरण में तथा तीसरी किश्त मकान पूर्ण होने से पहले जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ लेने वाले जिन हितग्राहियों के पास जॉब कार्ड है, उन्हें मकान निर्माण के दौरान मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी की राशि अलग से दी जाएगी। यह भुगतान सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से किया जाएगा। इससे लाभार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा और वे निर्माण कार्य में स्थानीय श्रमिकों को भी रोजगार दे सकेंगे।

मध्यप्रदेश में योजना का दायरा

आंकड़ों के अनुसार, मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत अब तक लाखों आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। चालू वित्तीय वर्ष में भी बड़ी संख्या में नए मकानों को मंजूरी दी गई है। सरकार का लक्ष्य है कि पात्र परिवारों को समय पर पक्का मकान उपलब्ध कराया जाए और निर्माण में किसी भी तरह की देरी न हो।

पारदर्शिता और निगरानी पर जोर

नई किश्त प्रणाली के तहत निर्माण की फोटो जियो-टैगिंग, भौतिक सत्यापन और प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य की गई है। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि राशि का उपयोग सही उद्देश्य के लिए हो और किसी प्रकार की अनियमितता न हो। सरकार का कहना है कि तीन किस्तों में भुगतान और मजदूरी राशि को अलग रखने से योजना अधिक प्रभावी बनेगी। इससे न केवल ग्रामीण आवास निर्माण में तेजी आएगी, बल्कि रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

अपर आयुक्त परिवहन बनने को कोई तैयार ही नहीं

भोपाल। प्रदेश के परिवहन विभाग में जिस अपर आयुक्त परिवहन के पद से आईपीएस अधिकारी उमेश जोगा गए थे, वह पद अभी भी खाली ही पड़ा है। 15 माह बाद उमेश जोगा परिवहन विभाग में आयुक्त बनकर वापस आ गए, लेकिन उस पद पर कोई नहीं आया। अपर आयुक्त प्रवर्तन का पद खाली पड़ा है जो कि चार्ज में चल रहा है। यह प्रदेश के परिवहन विभाग का महत्वपूर्ण पद है। जानकारी के अनुसार अपर आयुक्त परिवहन बनने के लिए अधिकारी तैयार नहीं हो रहे हैं।

अक्टूबर 2024 में उमेश जोगा का तबादला हो गया था। इसके बाद दिसंबर 2024 में सौरभ शर्मा कांड हो गया तो परिवहन विभाग में इतना हडक़ंप मच गया कि कोई परिवहन विभाग में आने को तैयार नहीं है। अब आयुक्त के रूप में जिम्मा संभालने के बाद जोगा द्वारा यह पद भरा जा सकता है, इसकी उम्मीद है। इतने महत्वपूर्ण पद को खाली रखने को लेकर खुद विभाग कठघरे में है।

बता दें कि परिवहन विभाग में अपर आयुक्त प्रवर्तन का पद चार महीने से खाली पड़ा है। उमेश जोगा के स्थानांतरण के बाद से इस पद पर नया अधिकारी पदस्थ नहीं किया गया है। प्रदेश में परिवहन विभाग की बड़ी बदनामी का कारण परिवहन चेक पोस्ट हैं जिन्हें जैसे तैसे सरकार ने बंद किया था तभी सौरभ शर्मा कांड हो गया। पहले ही चेक पोस्ट बंद होने के बाद कोई अधिकारी आ नहीं रहा था, फिर सौरभ कांड हुआ तो कोई अपर आयुक्त के पद पर आना ही नहीं चाहता। पहले इसी पद को लेकर बड़ी उठापटक चलती थी और अधिकारी पोस्टिंग के लिए कतार में रहते थे। यह प्रवर्तन का पद है, यह मुख्य कार्यों से जुड़ा होता है। इस मायने में यह महत्वपूर्ण होता है। इस कारण परिवहन आयुक्त पर बोझ अधिक हो जाता है और आयुक्त की काफी व्यस्तता रहती है।

भारत ने न्यूजीलैंड को दिया 272 रनों का विशाल लक्ष्य, ईशान किशन का धुआंधार शतक और सूर्या की ताबड़तोड़ फिफ्टी

तिरुवनंतपुरम । भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे पांचवें और अंतिम टी20 मैच में टीम इंडिया ने धांसू बल्लेबाजी करते हुए 272 रनों का पहाड़ जैसा लक्ष्य खड़ा कर दिया। ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने शुरुआत धीमी जरूर की, लेकिन बीच के ओवरों में ईशान किशन और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर करारी चोट की।

संजू सैमसन एक बार फिर जल्दी आउट हुए और सिर्फ 6 रन बनाकर तीसरे ओवर में चलते बने। वहीं, अभिषेक शर्मा ने आक्रामक शुरुआत की, लेकिन 16 गेंदों में 30 रन बनाकर पांचवें ओवर में पवेलियन लौट गए। शुरुआती झटकों के बाद ईशान किशन और सूर्या ने भारतीय पारी को नई दिशा दी। दोनों ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर तक स्कोर को 100 के पार पहुंचाया।

ईशान किशन ने आतिशी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 28 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर तूफानी अंदाज में आगे बढ़ते हुए सिर्फ 42 गेंदों में शतक जड़ दिया। उनकी पारी में 10 छक्के और 6 चौके शामिल रहे। 18वें ओवर में वे 103 रन बनाकर आउट हुए।

कप्तान सूर्यकुमार यादव भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने 26 गेंदों में फिफ्टी पूरी की और मात्र 30 गेंदों में 63 रन की विस्फोटक पारी खेली। सूर्या और ईशान के बीच 57 गेंदों पर 137 रनों की जबरदस्त साझेदारी हुई, जिसने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को पूरी तरह बैकफुट पर ला दिया। सूर्या की पारी में 4 चौके और 6 छक्के शामिल थे।

अंत में हार्दिक पंड्या ने 17 गेंदों पर 42 रन की तेज़ तर्रार पारी खेलकर भारत के स्कोर को और आगे बढ़ाया। अंतिम 10 ओवर में भारतीय टीम ने 169 रन ठोकते हुए कुल 271/6 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

आईपीएल 2026 : विराट कोहली का विकेट लेने पर पैर छूएँगे युवा गेंदबाज़ विशाल निषाद

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 से पहले पंजाब किंग्स में शामिल हुए युवा गेंदबाज़ विशाल निषाद अपने विनम्र स्वभाव और सादगी भरे बयान को लेकर चर्चा में हैं। प्री-सीज़न कैंप के दौरान 20 वर्षीय निषाद ने खुलकर कहा कि उनका सपना सिर्फ विराट कोहली का विकेट लेने का नहीं है, बल्कि यह सौभाग्य मिलने पर वह सम्मान में उनके पैर भी छुएँगे। विशाल निषाद ने कहा, विराट कोहली मेरे आइडल हैं। उनकी सोच, मेहनत और एटीट्यूड ने मुझे हमेशा प्रेरित किया है। अगर मुझे उनका विकेट लेने का मौका मिला, तो मैं जश्न में उनके पैर छुऊँगा। निषाद की यह बात न सिर्फ क्रिकेट फैंस को पसंद आई, बल्कि सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो गई। विराट कोहली के प्रति उनके सम्मान ने यह साफ कर दिया कि नए खिलाड़ी भले ही आधुनिक क्रिकेट के दौर में आ रहे हों, लेकिन उनके दिलों में वरिष्ठ खिलाड़ियों के प्रति आदर आज भी बरकरार है।

इस दौरान उन्होंने अपने संघर्षपूर्ण सफ़र का भी जिक्र किया। आर्थिक तंगी के कारण कई बार उन्हें क्रिकेट छोड़ने का विचार आया। उन्होंने बताया, मैं पिता के साथ मजदूरी करने गया था। मां चाहती थीं कि मैं कोई और काम सीख लूं, लेकिन मैंने हार नहीं मानी। क्रिकेट ही मेरा सपना था, और मैं उसे छोड़ना नहीं चाहता था। शुरू में टेनिस-बॉल क्रिकेट खेलने वाले निषाद को एक दोस्त ने प्रोफेशनल लेदर-बॉल क्रिकेट आज़माने की सलाह दी, जिसने उनकी दिशा ही बदल दी। उत्तर प्रदेश की एक स्थानीय टी20 लीग में उनके शानदार प्रदर्शन ने पंजाब किंग्स की नज़रें उनकी ओर खींचीं और वहीं से उनकी किस्मत बदली। उन्होंने यह भी बताया कि उनके कोच ने लगातार तीन साल तक उनसे कोई फीस नहीं ली, ताकि वह आर्थिक बोझ से निकलकर सिर्फ अपने खेल पर ध्यान दे सकें। ऐसे कोच और परिवार का समर्थन ही उन्हें आज आईपीएल के बड़े मंच तक लेकर आया है। पंजाब किंग्स इस युवा तेज़ गेंदबाज़ को एक बड़े संभावित स्टार के रूप में देख रही है। आईपीएल 2026 में विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाज़ के सामने विशाल का सामना कैसा होगा, यह देखना दिलचस्प होगा। लेकिन उनकी मेहनत, कहानी और विनम्रता ने उन्हें शुरू होने से पहले ही एक खास पहचान दिला दी है।

टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भागीदारी पर संशय जारी, ट्रैवलिंग प्लान लीक होने से बढ़ी अटकलें

नई दिल्ली । टी20 वर्ल्ड कप 2026 शुरू होने में अब सिर्फ कुछ दिन बचे हैं, लेकिन पाकिस्तान के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने को लेकर स्थिति अभी भी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, इस बीच सामने आई एक प्रेस रिलीज जिसे बाद में हटा दिया गया ने संकेत जरूर दिए हैं कि पाकिस्तान की टीम विश्व कप में खेलने की तैयारी कर चुकी है। लेकिन बोर्ड की तरफ से आधिकारिक पुष्टि न होने के कारण पूरे मामले ने एक नाटकीय मोड़ ले लिया है, जिससे अटकलों का दौर लगातार जारी है। खबरों के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की ट्रैवलिंग प्लान से जुड़ी एक प्रेस विज्ञप्ति गलती से पब्लिश हो गई थी जिसमें बताया गया था कि पाकिस्तानी टीम 2 फरवरी को एयर लंका की फ्लाइट से श्रीलंका के लिए रवाना हो सकती है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि इस उड़ान में ऑस्ट्रेलियाई टीम भी शामिल हो सकती है। हालांकि, प्रेस रिलीज को तुरंत हटाया गया और संपादित रूप में दोबारा जारी किया गया, जिससे यह साफ हो गया कि पीसीबी फिलहाल जानकारी सार्वजनिक करने में झिझक रहा है।

पाकिस्तानी पत्रकारों ने भी इस लीक प्रेस नोट का उल्लेख करते हुए कहा कि टीम के लॉजिस्टिक प्लान स्पष्ट रूप से इशारा कर रहे हैं कि पाकिस्तान विश्व कप खेलने जा रहा है। बावजूद इसके, बोर्ड की ओर से आधिकारिक घोषणा न होने के कारण संशय कायम है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह अनिश्चितता संभवत: एक दिखावा भी हो सकती है, जिससे पाकिस्तान विश्व कप को लेकर अपने राजनीतिक और प्रशासनिक रुख को अंतिम रूप देने से पहले माहौल पर नजर बनाए रखना चाहता है। परंतु यह स्थिति क्रिकेट जगत के लिए अस्थिरता पैदा कर रही है खासकर तब, जब टूर्नामेंट 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाला है।

पिछले दिनों पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकबी के बयान ने भी इस सस्पेंस को बढ़ाया था। उन्होंने कहा था कि यदि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री यह निर्णय लेते हैं कि टीम विश्व कप में हिस्सा नहीं लेगी, तो पाकिस्तान अपना नाम वापस ले सकता है। यहां तक कि उन्होंने आईसीसी को भी सलाह दी थी कि वे विकल्प के तौर पर दूसरी टीम तैयार रखें। इस बयान के बाद से पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर असमंजस और गहरा गया है।

हालांकि, तमाम रिपोर्टों और अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि पाकिस्तान अंतत: टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगा। चर्चा यह भी है कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ मुकाबला न खेलने या बांग्लादेश को बाहर किए जाने पर विरोध दर्ज कराने जैसे विकल्पों पर विचार कर सकता है। लेकिन यह स्थिति अधिक देर तक गुप्त नहीं रह सकती, क्योंकि टूर्नामेंट के आरंभ में अब केवल एक सप्ताह शेष है। कुल मिलाकर, परिस्थितियाँ इशारा कर रही हैं कि पाकिस्तान मैदान में उतरेगा, लेकिन अंतिम निर्णय कब और कैसे सामने आएगा, इस पर क्रिकेट जगत की निगाहें टिकी हुई हैं।

टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भागीदारी पर संशय जारी, ट्रैवलिंग प्लान लीक होने से बढ़ी अटकलें

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 शुरू होने में अब सिर्फ कुछ दिन बचे हैं, लेकिन पाकिस्तान के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने को लेकर स्थिति अभी भी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, इस बीच सामने आई एक प्रेस रिलीज जिसे बाद में हटा दिया गया ने संकेत जरूर दिए हैं कि पाकिस्तान की टीम विश्व कप में खेलने की तैयारी कर चुकी है। लेकिन बोर्ड की तरफ से आधिकारिक पुष्टि न होने के कारण पूरे मामले ने एक नाटकीय मोड़ ले लिया है, जिससे अटकलों का दौर लगातार जारी है। खबरों के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की ट्रैवलिंग प्लान से जुड़ी एक प्रेस विज्ञप्ति गलती से पब्लिश हो गई थी जिसमें बताया गया था कि पाकिस्तानी टीम 2 फरवरी को एयर लंका की फ्लाइट से श्रीलंका के लिए रवाना हो सकती है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि इस उड़ान में ऑस्ट्रेलियाई टीम भी शामिल हो सकती है। हालांकि, प्रेस रिलीज को तुरंत हटाया गया और संपादित रूप में दोबारा जारी किया गया, जिससे यह साफ हो गया कि पीसीबी फिलहाल जानकारी सार्वजनिक करने में झिझक रहा है।

पाकिस्तानी पत्रकारों ने भी इस लीक प्रेस नोट का उल्लेख करते हुए कहा कि टीम के लॉजिस्टिक प्लान स्पष्ट रूप से इशारा कर रहे हैं कि पाकिस्तान विश्व कप खेलने जा रहा है। बावजूद इसके, बोर्ड की ओर से आधिकारिक घोषणा न होने के कारण संशय कायम है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह अनिश्चितता संभवत: एक दिखावा भी हो सकती है, जिससे पाकिस्तान विश्व कप को लेकर अपने राजनीतिक और प्रशासनिक रुख को अंतिम रूप देने से पहले माहौल पर नजर बनाए रखना चाहता है। परंतु यह स्थिति क्रिकेट जगत के लिए अस्थिरता पैदा कर रही है खासकर तब, जब टूर्नामेंट 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाला है।

पिछले दिनों पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकबी के बयान ने भी इस सस्पेंस को बढ़ाया था। उन्होंने कहा था कि यदि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री यह निर्णय लेते हैं कि टीम विश्व कप में हिस्सा नहीं लेगी, तो पाकिस्तान अपना नाम वापस ले सकता है। यहां तक कि उन्होंने आईसीसी को भी सलाह दी थी कि वे विकल्प के तौर पर दूसरी टीम तैयार रखें। इस बयान के बाद से पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर असमंजस और गहरा गया है।

हालांकि, तमाम रिपोर्टों और अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि पाकिस्तान अंतत: टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगा। चर्चा यह भी है कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ मुकाबला न खेलने या बांग्लादेश को बाहर किए जाने पर विरोध दर्ज कराने जैसे विकल्पों पर विचार कर सकता है। लेकिन यह स्थिति अधिक देर तक गुप्त नहीं रह सकती, क्योंकि टूर्नामेंट के आरंभ में अब केवल एक सप्ताह शेष है। कुल मिलाकर, परिस्थितियाँ इशारा कर रही हैं कि पाकिस्तान मैदान में उतरेगा, लेकिन अंतिम निर्णय कब और कैसे सामने आएगा, इस पर क्रिकेट जगत की निगाहें टिकी हुई हैं।

एलिस मर्टेंस और झांग शुआई ने महिला डबल्स खिताब जीता, शानदार वापसी से किया कमाल

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में एलिस मर्टेंस और झांग शुआई की अनुभवी जोड़ी ने बेहतरीन तालमेल और दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए महिला डबल्स का खिताब अपने नाम कर लिया। बेल्जियम और चीन की चौथी वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने फाइनल में एना डैनिलिना और एलेक्जेंड्रा क्रुनिक को सीधे सेटों में 7-6(4), 6-4 से हराकर खिताबी जीत दर्ज की। मुकाबले की शुरुआत उनके लिए आसान नहीं रही, क्योंकि पहले सेट में वे 1-4 से पिछड़ गई थीं। लेकिन दबाव में शानदार वापसी करते हुए मर्टेंस-झांग ने सेट को टाईब्रेक तक खींचा और जीत हासिल की। दूसरे सेट में मर्टेंस और झांग ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और 5-0 की बड़ी बढ़त बना ली। हालांकि सातवीं वरीयता प्राप्त डैनिलिना-क्रुनिक की जोड़ी ने वापसी की कोशिश की और 5-2 पर दो चैंपियनशिप पॉइंट बचाए, लेकिन अंतत: अनुभव और धैर्य के दम पर मर्टेंस-झांग की जोड़ी ने मैच खत्म कर ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। यह दोनों खिलाड़ियों के लिए एक खास जीत रही, क्योंकि वे आखिरी बार 2022 में विंबलडन में एक साथ ग्रैंड स्लैम खेली थीं। लंबे अंतराल के बाद फिर से एकजुट होकर कोर्ट पर उतरने वाली इस जोड़ी ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार तालमेल दिखाया और खिताब जीतकर अपनी वापसी को यादगार बना दिया। इस जीत के साथ एलिस मर्टेंस के ग्रैंड स्लैम डबल्स खिताबों की संख्या बढ़कर छह हो गई है, जिनमें से तीन ऑस्ट्रेलियन ओपन में आए हैं। वहीं झांग शुआई के खाते में अब कुल तीन ग्रैंड स्लैम महिला डबल्स ट्रॉफियां हो गई हैं। इससे पहले उन्होंने 2019 ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2021 यूएस ओपन में सामंथा स्टोसुर के साथ साझेदारी करते हुए खिताब जीता था।

मुकाबले से पहले सचिन तेंदुलकर ने दी अंडर-19 टीम को जीत की सीख

नई दिल्ली । जिम्बाब्वे में चल रहे अंडर-19 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया बेहतरीन लय में है और सभी मैच जीतकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने अंडर-19 भारतीय टीम को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले अहम सुपर सिक्स मुकाबले से पहले खास गुरुमंत्र दिया है। 1 फरवरी रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाला मुकाबला ग्रुप की स्थिति को देखते हुए वर्चुअल नॉकआउट माना जा रहा है। ऐसे में सचिन तेंदुलकर ने युवा भारतीय खिलाड़ियों से वर्चुअल बातचीत कर उन्हें मानसिक मजबूती और खेल के प्रति सही दृष्टिकोण रखने की सलाह दी।

बीसीसीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सचिन की वर्चुअल मुलाकात की तस्वीरें साझा कर बताया कि यह सत्र खिलाड़ियों के लिए बेहद फायदेमंद रहा। टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे समेत सभी खिलाड़ियों को सचिन ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता पाने के लिए तकनीकी कौशल के साथ-साथ एकाग्रता, अनुशासन, फिटनेस और विनम्रता सबसे जरूरी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सफलता

मिलने के बाद जमीन से जुड़े रहना ही खिलाड़ी को महान बनाता है। सचिन तेंदुलकर का खुद का वर्ल्ड कप अनुभव बेहद समृद्ध रहा है। 1992 से 2011 तक लगातार छह विश्व कप खेलने का रिकॉर्ड उनके नाम है। वे 45 मैचों में 2,278 रन बनाकर टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं। 2011 विश्व कप जीतकर उन्होंने अपने करियर को सुनहरे अंदाज में समाप्त किया था। इंग्लैंड के न्यूजीलैंड को हराने और अफगानिस्तान के आयरलैंड को मात देने के बाद भारत और पाकिस्तान का आगामी मुकाबला निर्णायक हो गया है। ग्रुप 2 से केवल एक टीम को ही सेमीफाइनल का टिकट मिलेगा, ऐसे में यह मैच दोनों टीमों के लिए करो या मरो जैसा बन गया है। भारत ने सुपर सिक्स के अपने पहले मैच में जिम्बाब्वे पर 204 रनों की शानदार जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले में विहान मल्होत्रा ने शतक जड़ा, जबकि अभिज्ञान कुंडू ने शानदार अर्धशतक लगाया। गेंदबाजों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत सुनिश्चित की। टीम का संतुलित प्रदर्शन संकेत देता है कि पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में खिलाड़ी पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे। अब देखना होगा कि सचिन तेंदुलकर की सीख और टीम इंडिया की मजबूत लय पाकिस्तान

टेस्ट क्रिकेट में बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम – टेम्बा बावुमा ने गंभीर को दिया पूरा समर्थन

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने भारतीय टेस्ट टीम की मौजूदा स्थिति पर खुलकर अपनी राय व्यक्त की है। हाल ही में लिखे अपने एक में उन्होंने माना कि जहां एक ओर भारत वनडे और टी20 जैसे सफेद गेंद फॉर्मेट में दुनिया की सबसे दमदार टीमों में से एक है, वहीं टेस्ट क्रिकेट में वह इस समय स्पष्ट रूप से एक 'ट्रांजिशन फेज' से गुजर रही है। उनके अनुसार, इस बदलाव के दौर ने टीम की कई कमजोरियों को उजागर कर दिया है, जिन पर लंबे समय तक ध्यान देने की जरूरत है।

बावुमा ने विशेष रूप से विराट कोहली और रोहित शर्मा की अनुपस्थिति को भारतीय टेस्ट टीम के लिए बड़ा नुकसान बताया। उन्होंने कहा कि इन दोनों दिग्गजों के बिना टीम की कमियां सामने आईं, ठीक वैसे ही जैसे 2019 में दक्षिण अफ्रीका को अपने अनुभवी खिलाड़ियों के संन्यास के बाद जूझना पड़ा था। उनके मुताबिक, वनडे क्रिकेट में कोहली और रोहित की मौजूदगी भारत को स्थिरता देती है, लेकिन टेस्ट में उनकी कमी टीम के प्रदर्शन और मनोबल पर असर डाल रही है।

हेड कोच गौतम गंभीर पर उठ रहे सवालों के बीच बावुमा ने उनके पक्ष में मजबूत दलील रखी।

उन्होंने बीसीसीआई को सलाह दी कि गंभीर पर अनावश्यक दबाव न डाला जाए और उन्हें 2027 वनडे विश्व कप तक का पूरा समय दिया जाए। उन्होंने अलग-अलग फॉर्मेट के लिए अलग कोच रखने की प्रणाली पर भी सवाल उठाए और कहा कि इससे खिलाड़ियों में भ्रम की स्थिति पैदा होती है। बावुमा के अनुसार, गंभीर के पास सफेद गेंद प्रारूप में मजबूत संसाधन मौजूद हैं, जो उन्हें टेस्ट टीम को पुनर्निर्माण के लिए पर्याप्त समय और स्पेस दे सकते हैं।

बावुमा ने यह भी बताया कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में शुभमन गिल की चोट भारत के लिए बड़ा झटका साबित हुई। इसकी वजह से भारत को ऋषभ पंत को अस्थायी कप्तान बनाना पड़ा, जिसका फायदा उनकी टीम ने बखूबी उठाया। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को इस कठिन दौर में धैर्य बनाए रखने की जरूरत है और सीनियर खिलाड़ियों को आगे आकर टीम को स्थिरता देनी चाहिए। उनके अनुसार, वर्तमान चुनौतियाँ ही भविष्य की मजबूत टेस्ट टीम की नींव बनेंगी।

साल 2025 के अंत में दक्षिण अफ्रीका के भारत दौरे का जिक्र करते हुए बावुमा ने याद दिलाया कि उनकी टीम ने पहली बार भारतीय सरजमीं पर टेस्ट में 2-0 से क्लीन स्वीप कर इतिहास रचा था। भारत ने वनडे सीरीज 2-1 से जीत ली थी और टी20 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में दबदबा कायम रहा था, लेकिन टेस्ट में मिली करारी हार के बाद गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठे थे और यह चर्चा भी तेज हुई थी कि आखिर किन कारणों से विराट कोहली और रोहित शर्मा ने समय से पहले टेस्ट करियर को अलविदा कहा।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया की फाइनल टीम घोषित, पैट कमिंस चोटिल होकर बाहर

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय फाइनल टीम का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक पहले टीम को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि तेज गेंदबाज पैट कमिंस पीठ की चोट के कारण पूरे वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। कमिंस के साथ-साथ एक और बड़ा बदलाव करते हुए टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट को भी स्क्वॉड से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शियस को टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा बिग बैश में शानदार प्रदर्शन के बावजूद स्टीव स्मिथ को अंतिम टीम में जगह नहीं मिली है। स्क्वॉड में शामिल किए गए बेन ड्वार्शियस और बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ को लेकर चयनकर्ता टोनी डोडमाइड ने भरोसा जताया है कि ये दोनों खिलाड़ी आगामी वर्ल्ड कप में अहम भूमिका निभा सकते हैं। डोडमाइड ने बताया कि ड्वार्शियस न सिर्फ तेज गेंदबाजी में विविधता ला सकते हैं, बल्कि शानदार फील्डिंग और लोअर-ऑर्डर बल्लेबाजी से भी टीम को मजबूती देंगे। कमिंस की अनुपस्थिति में ड्वार्शियस को टीम का संतुलन बनाए रखने के लिए एक उपयुक्त विकल्प माना जा रहा है। हेजलवुड, टिम डेविड और नाथन एलिस जैसे मुख्य खिलाड़ी चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद अब पूरी तरह फिट घोषित किए गए हैं। हेजलवुड एशेज से पहले

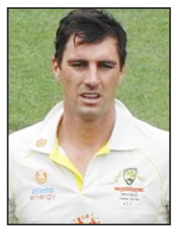

हैमस्ट्रिंग और अकिलीज की चोट के कारण मैदान से दूर थे, जबकि टिम डेविड हैमस्ट्रिंग समस्याओं से जूझ रहे थे और बिग बैश लीग व पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज नहीं खेल पाए। नाथन एलिस भी हल्की हैमस्ट्रिंग चोट के चलते बीबीएल फाइनल और पाकिस्तान दौरे से बाहर थे, लेकिन अब सभी खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध हैं।

मैथ्यू रेनशॉ को शामिल किए जाने पर डोडमाइड ने कहा कि रेनशॉ ने हाल ही में सभी फॉर्मेट में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। श्रीलंका में स्पिन मददगार पिचों की संभावना को देखते हुए मिडिल ऑर्डर में एक लेफ्ट-हैंड विकल्प के रूप में रेनशॉ टीम को अतिरिक्त मजबूती देंगे। उनका मानना है कि रेनशॉ की बहुमुखी क्षमता और विभिन्न परिस्थितियों में खेलने की क्षमता टीम को और संतुलन प्रदान करेगी। कुल मिलाकर ऑस्ट्रेलिया ने चोटों और फिटनेस चुनौतियों के बावजूद एक संतुलित और प्रतिस्पर्धी टीम मैदान में उतारी है। टीम नए खिलाड़ियों की ऊर्जा और अनुभवी खिलाड़ियों

कार्यालय नगरपालिका परिषद बालाघाट जिला-बालाघाट (म.प्र.) पिनकोड-481001

E-mail- cmobalaghat@mpurban.gov.in/cmo.bgt@gmall.com

क्रमांक/एफ /50-2/जलप्रदाय शाखा/2026/13735 बालाघाट तारीख-30/01/2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट **https://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता हैं।

क्रं.	निविदा आईडी	कार्य का विवरण	लागत मूल्य	अमानत राशि/निविदा फार्म शुल्क	निविदा की अंतिम तिथि
01	2026_UAD_479023_1	Stop Dam Work	9.60 लाख	19,200.00/- 2000.00/-	16-02-2026

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बालाघाट
जिला- बालाघाट (म.प्र.)

नशे से दूर रहने का लिया गया संकल्प, महात्मा गांधी की पुण्यतिथि अर्पित की श्रद्धाजंलि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर ग्राम पंचायत भाण्डी(केरा)में मद्य निषेध संकल्प दिवस का आयोजन किया गया।जिसके तहत आयोजित जन-जागरूकता कार्यक्रम में नशा मुक्त समाज बनाने के संकल्प के साथ नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई।यह आयोजन दीप ज्योति नशा मुक्ति केन्द्र के सहयोग से किया गया।कार्यक्रम के दौरान पूर्व जिला पंचायत सदसय किशोर अमूले ,और नशा मुक्ति केंद्र अध्यक्ष अंकित एड़े के नेतृत्व में नशे के दुष्परिणाम के बारे में अवगत कराया गया।वही पदाधिकारी राजकुमार लिल्हारे सहित उपस्थितजनों ने राष्ट्र पिता महात्माँ गांधी जी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए जागरूक करना एवं लोगों को स्वस्थ, सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करना था। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित उपस्थितजनों ने संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर कर नशा मुक्त जीवन जीने का संकल्प लिया।

ग्राम पंचायत भाण्डी(केरा) में मद्य निषेध संकल्प दिवस सम्पन्न

नशे की गिरफ्त की ओर बढ़ रहा समाज- अंकित

दीप ज्योति नशा मुक्ति केंद्र संचालक

अंकित एडे ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए जागरूक करना व लोगों को स्वास्थ्य सकारात्मकता की ओर प्रेरित करना है।उन्होंने बताया कि हमारा देश युवाओं का देश है और जिसकी जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक है जिसमें से 28 करोड लोग किसी न किसी प्रकार के नशे के आदी हैं जबकि 16 करोड लोग तो शराब के आदि जिसमें 12 करोड़ अन्य नशे के आदी हैं 3.50 करोड़ लोग गांजा का सेवन करते हैं,बाकी 90 लाख लोग इंजेक्शन का उपयोग करते है वही एक करोड़ लोग नशीली गोलियों का सेवन करते हैं।उन्होंने बताया कि 28 करोड़ में से 7.50 करोड लोग तो नशे के आदि हो गए हैं।जिसमें भी 5.50 करोड लोग शराब के आदि है और 2 करोड लोग अन्य नशे के आदि है। जिनकी वजह से परिवार और समाज परेशानी में आ गया है।

नशे हो बढ़ रहे अपराध

कार्यक्रम में बताया गया कि नशे से देश मे अपराध भी बढ़ रहे है।बच्चों व पत्नी के साथ मारपीट करना मां-बाप को परेशान करना घरेलू हिंसा करना इसके पीछे 80त्न कारण नशा है।वही चाकू मारना गाली गलौज कर देना गोली मार देना डंडे से मार देना इसके पीछे 50त्न कारण नशा है।वही देश में जो आत्महत्या हो रही है इसके पीछे 50त्न कारण नशा है।इसके अलावा हमारे देश में मानसिक रोगियों की संख्या बढ़ाने के पीछे 50त्न कारण नशा है।उन्होंने आगे बताया कि हमारे देश मे सड़क दुर्घटनाओं के पीछे 60त्न कारण नशा है।देश में जो बच्चे अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं 28 करोड़ में से 6 त्न कारण नशा है।हमारे देश में कर्मचारी अधिकारी व श्रमिक वर्ग के खराब कार्य कुशलता के पीछे भी 50त्न कारण नशा है।उन्होंने बताया कि हमारे देश में हर साल शराब का सेवन ज्यादा करने की वजह से 5 लाख लोग की मृत्यु हो जाती है।

सकल स्वर्ण समाज ने प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। कटंगी। यूजीसी द्वारा प्रस्तावित 2026 के नए प्रावधानों को लेकर देशभर में उठ रहे विरोध के बीच कटंगी में सकल स्वर्ण समाज ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपकर कानून को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग की है। यह ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) कार्यालय में नायब तहसीलदार के माध्यम से प्रेषित किया गया। ज्ञापन में समाज ने आरोप लगाया कि यूजीसी से जुड़े हुए नए प्रावधान सामान्य वर्ग के प्रति असमानता की अनुभूति कराते हैं और वे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 में निहित समानता और अवसर की समानता के सिद्धांतों के विपरीत प्रतीत होते हैं। ज्ञापन में सामान्य वर्ग के प्रति भेदभावकारी यूजीसी प्रावधानों/कानूनों को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए। आरक्षण की व्यापक, समयबद्ध और निष्पक्ष समीक्षा कर इसे जाति के बजाय आर्थिक आधार पर पुनर्सरचित किया जाए, ताकि किसी भी जाति का वास्तविक रूप से गरीब नागरिक पीछे न रहे। एससी/एसटी अधिनियम के दुरुपयोग पर प्रभावी रोक के लिए कड़े प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाय लागू किए जाएँ, ताकि निर्दोषों को अनावश्यक उत्पीड़न से बचाया जा सके। शिक्षा और रोजगार में समान नियम, समान अवसर और योग्यता-आधारित प्रतिस्पर्धा को प्राथमिकता दी जाए, जिससे राष्ट्र की प्रतिभा सशक्त हो और भारत वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर हो की मांग रखी गई है। इस दौरान कैलाश शर्मा, नीरज पालीवाल, दिनेश मिश्रा महेंद्र दुबे, विनीत मोर,शंभू त्रिवेदी, संदीप शर्मा राकेश शर्मा आकाश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, देवीप्रसाद तिवारी, सतीश सिंह, आशीष पांडे, मयूर गोयल, पीयूष दीक्षित, अमन अग्रवाल, अनिल गुप्ता, नरेश कटारिया, ज्ञानचंद कोचर, हीरालाल मोर, हिमांशु मोर, गोविंद शुक्ला,अमन शर्मा, राजा शर्मा,के अलावा सकल स्वर्ण समाज के अन्य लोग मौजूद थे।

संत शिरोमणि श्री नरहरि महाराज महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज का स्नेह सम्मेलन आज

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय किरनापुर में नूतन वर्ष 2026 के अवसर पर संत शिरोमणि श्री नरहरि महाराज महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज का स्नेह सम्मेलन का आयोजन आज दिनांक 1 फरवरी दिन रविवार को संत नरहरि नगर, नक्शी रोड किरनापुर में किया जायेगा। जिसमें प्रात: 10 बजे से 11 बजे तक दीप प्रज्वलन, अतिथियों का स्वागत अभिनंदन, सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले 15 से 16 वर्ष के बच्चों का पंजीयन होगा। 11 बजे से 1 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान, 1 बजे से 2 बजे तक स्वजातीय बंधुओं द्वारा समाज हित में उदबोधन , 2 बजे से 2.30 बजे तक विशेष मुख्य आमंत्रित अतिथियों का स्वागत अभिनंदन होगा , 2.30 बजे से 3.30 बजे तक प्रतिभा पुरस्कार वितरण होगा, 3.30 बजे से 4.30 बजे तक मुख्य अतिथियों एवं अध्यक्षीय उदबोधन। 4.30 बजे कार्यक्रम समापन होगा, इसके बाद स्वरूचि भोजन दिया जायेगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारती पारधी (सांसद बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र), राजकुमार कर्राहे (विधायक लांजी किरनापुर विधानसभा क्षेत्र) होंगे। एवं विशेष अतिथिगण, सह आयोजक, महिला कार्यकारिणी, युवा कार्यकारिणी अध्यक्ष , उपाध्यक्ष , कोषाध्यक्ष, सचिव, सह सचिव, एवं समस्त सदस्यगणों की उपस्थिति में कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर समस्त स्वजातीय बंधुओं से भारी जनसंख्या में उपस्थित होने की अपिल संगठन पदाधिकारियों ने की है।

सहायक संचालक विनय राहंगडाले को सेवानिवृत्ति पर दी गई भावभीनी विदाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आज दिनांक 31 जनवरी को जनजाति कार्य विभाग के सहायक संचालक श्री विनय राहंगडाले के अधिवर्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर कार्यालय परिसर में गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी और उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कार्यालय प्रमुख एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में श्री राहंगडाले के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से विभागीय कार्यों को नई दिशा मिली है। उन्होंने बताया कि श्री राहंगडाले ने अपने कार्यकाल के दौरान जनजातीय हितों के संरक्षण एवं विभागीय योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विदाई समारोह में विकासखंड बैहर, बिरसा एवं परसवाड़ा के प्राचार्य, विकासखंड अधिकारी तथा जनजाति कार्य विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने श्री राहंगडाले के सरल स्वभाव, अनुशासनप्रियता और सहयोगात्मक कार्यशैली की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने श्री राहंगडाले के लंबे सेवाकाल में किए गए उल्लेखनीय कार्यों पर प्रकाश डाला और कहा कि उनका मार्गदर्शन विभाग के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा। उपस्थित कर्मचारियों ने उनके साथ बिताए गए अनुभव साझा करते हुए उन्हें एक आदर्श अधिकारी के रूप में स्मरण किया। विदाई समारोह के अंत में श्री राहंगडाले का पुष्पहार एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का समापन आत्मीय वातावरण में हुआ, जहां सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद और शांतिपूर्ण सेवानिवृत्त जीवन की कामना की।

महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का खापा में शुरूआत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम पंचायत खापा में २९ जनवरी २०२६ से ४ फरवरी २०२६ तक आयोजित किया गया है। शिविर का शुभारंभ महाविद्यालय के संरक्षक प्राचार्य सरिता कोल्हेकर के मार्गदर्शन एवं कृष्णा पराते कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में मेरा युवा भारत तथा डिजिटल साक्षरता के लिए युवा विषय पर आयोजित किया गया। शिविर के द्वितीय दिवस समस्त स्वयंसेवकों द्वारा प्रात: योग अभ्यास के पश्चात परिश्रम कार्य हेतु ९ बजे से वार्ड नंबर १७,१८,१९ में श्रमदान किया गया। तत्पश्चात बौद्धिक सत्र के कार्यक्रम में साइबर क्राइम, बाल संरक्षण और बाल अधिकार और नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत विषय पर परिचय की गई । जिसमें विशिष्ट अतिथि शिवगिरी गोस्वामी ,मेघा तिवारी प्रभारी साइबर क्राइम बालाघाट ,चांदनी शांडिल साइबर क्राइम बालाघाट, रक्षा निकोसे,पूर्णिमा कुमरे ,श्रीमती सविता सेनवार,नरेंद्र कुमार डोंगरे, शिखा देव गिरकर उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि शिवगिरी गोस्वामी के द्वारा बाल संरक्षण और बाल अधिकार जागरूकता कार्यक्रम में बाल विवाह अधिनियम, शिक्षा का अधिकार, बालकों के साथ होने वाले अभद्र व्यवहार एवं उनका दूर व्यापार, बाल शोषण, बाल श्रम से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। मेघा तिवारी के द्वारा बताया कि साइबर क्राइम में हमें अपने डेटा को सुरक्षित रखने के लिए किसी भी अज्ञात व्यक्ति को बिना वेरीफाई करें उसे अपनी आईडी से नहीं जोड़ना चाहिए। साथ ही अज्ञात सॉफ्टवेयर से बचे सतर्क रहे मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें । मल्टी फैक्टर ऑथेंटिकेशन सक्षम करें किसी व्यक्ति के साथ डाटा एक्सेस ना करें और कॉलर की पहचान सीधे अपने आप वेरीफ ई करें किसी दूसरे दिए गए नंबरों के माध्यम से नहीं। चांदनी शांडिल्य लिंगल इनलिगल शॉपिंग, कस्टमर केयर नंबर और साइबर क्राइम में एरर वायरस अटैकए डॉट ए पी के फ इल, एंटीवायरस यूआरएल वेरीफाई, फायरवॉल सुरक्षा और उपयोग के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। रक्षा निकोसे ने बताया कि नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य युवाओं,महिलाओं और समुदाय की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से मादक पदार्थों के दुरुपयोग के मुद्दे पर जन जागरूकता फैलाना है। जिसे स्वयं के साथ.साथ समाज और राष्ट्र को हानि से जा सके। समाज को जागरूक करना और स्वयं के व्यक्तित्व का विकास करना राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य होता है और हमारे स्वयंसेवक एनएसएस के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का विकास तो करते ही है साथ ही समाज के विकास में योगदान भी देते हैं। सविता सेनवार ने बताया कि हमें किस प्रकार बालको की सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन नंबर १०९८ तथा ११२ का उपयोग कर समाज में होने वाले बाल अपराध और बाल विवाह, बाल शोषण एवं अन्य सामाजिक बालक बालिका संबंधी मुद्दों पर जागरूक होकर समाज के विकास में योगदान दे सकते हैं। द्वितीय दिवस के बौद्धिक कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्य शिवानी मेश्राम के द्वारा किया गया और अंत में कृष्णा पराते कार्यक्रम अधिकारी के द्वारा सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

विराट हिन्दू सम्मेलन में शामिल होने दिया संदेश

विशाल बाईक रैली का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के श्री राम मंदिर में विराट हिंदू सम्मेलन के आयोजन की पूर्व संध्या में सकल हिंदू समाज के तत्वाधान में ३१ जनवरी को विशाल बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह बाइक रैली का एकत्रिकरण श्री राम मंदिर में हुआ जहां सकल हिंदू समाज अपनी मोटरसाइकिल के साथ उपस्थित हुआ। जहां से डीजे पर बज रहे धार्मिक गीतों पर बाइक रैली निकाली गई। जो श्री राम मंदिर से निकलकर पुरानी बस्ती की विभिन्न गलियों और चौक चौराहा का भ्रमण कर गोलीबारी चौक से आंबेडकर चौक, नेहरू चौक ,जय स्तंभ चौक से लालबर्रा रोड़, बस स्टैंड ,दीनदयाल चौक सहित विभिन्न मार्ग एवं चौक चौराह का भ्रमण करते हुए वापस श्री राम मंदिर पहुंची जहां बाइक रैली का समापन किया गया। यह कार्यक्रम विराट हिंदू सम्मेलन के पूर्व संध्या पर किया गया जिसमें बाइक रैली में लहराते भगवे झंडे आकर्षण का केंद्र रहे। इस बाइक रैली के माध्यम से नगर सहित क्षेत्र को विराट हिंदू सम्मेलन में उपस्थित होने का संदेश दिया गया। जहां नवयुवक को सहित गणमान्य लोगों में खासा उत्साह देखा गया । इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल भी रैली में शामिल होकर युवाओं का मनोबल बढ़कर नगर भ्रमण किया। इस अवसर पर सकल हिंदू समाज बड़ी संख्या में मौजूद रहा।

सम्मेलन में स्वामी राघव देवाचार्य करेंगे रुद्राक्ष का नि:शुल्क वितरण

वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में १ फरवरी को सकल हिंदू समाज के तत्वाधान में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम हिन्दू जागरण की दिशा को नई ऊर्जा एवं चेतना प्रदान करने एवं सर्व हिन्दू समाज के द्वारा सनातन संस्कृति सनातन धर्म एवं सामाजिक एकता के प्रतीक विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में श्रीमद् जगद्गुरु सुखानंद द्वाराचार्य स्वामी राघव देवाचार्य महाराज शामिल होंगे उनके द्वारा समस्त सनातनियों को नि:शुल्क रुद्राक्ष का वितरण किया जाएगा। वहीं मुख्य अतिथि सुमित ओरछा वीर रस कवि ,मुख्य वक्ता विनोद दिनेश्वर प्रांत प्रचार प्रमुख महाकौशल प्रांत, विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रतिमा बिसेन प्रांत बौद्धिक प्रमुख राष्ट्रीय सेविका समिति भी शामिल होंगे एवं ४६ समाज के प्रमुख व्यक्तियों के द्वारा मंच पर आसीन होकर कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा। जिसमें विराट हिंदू सम्मेलन के पूर्व श्री राम मंदिर से भव्य शोभायात्रा सुबह १२ बजे निकाली जायेगी । जिसमें जीवंत झांकी के साथ विशाल कलश यात्रा आकर्षण का केंद्र होगी। वहीं यह शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम पहुंचेगी जहां विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित होगा। जिसमें राष्ट्र संस्कृति संस्कार और सनातन के विषय पर चिंतन कर सभी को जोड़ने और एकता के सूत्र में बांधने का कार्य किया जायेगा वहीं अंतिम में सामूहिक भोज का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर नगर सहित क्षेत्र के हिंदू धर्मालंबियों से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील सकल हिंदू समाज ने की है।

जोन स्तरीय शिक्षक संगोष्ठी में शिक्षक धन्नालाल बिसेन प्रथम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के आदेशानुसार २८ व २९ जनवरी २०२६ को डाइट जबलपुर में जोन स्तरीय विज्ञान गणित पर्यावरण और सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में गणित विज्ञान पर्यावरण और सामाजिक विज्ञान के जिले से चयनित प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त छात्रों के मॉडल शामिल किए गए। साथ ही एकल गीत छात्र विचार संगोष्ठी सेमिनार लघु नाटिका प्रश्न मंच और शिक्षक संगोष्ठी की प्रतियोगिता शामिल की गई। शिक्षक संगोष्ठी में वारासिवनी विकासखंड अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी के शिक्षक धन्नालाल बिसेन ने अपने विचार व्यक्त किए। विचार संगोष्ठी का विषय प्लास्टिक प्रदूषण को कम करना था। शिक्षक धन्नालाल बिसेन ने जिले की ओर से संगोष्ठी में सहभागिता करते हुए जोन स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। शिक्षक की इस उपलब्धि पर विभागीय अधिकारियों और शिक्षकों की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

पीजी कॉलेज में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विविध गतिविधियाँ आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में बाल विवाह मुक्त भारत विषय पर विभिन्न रचनात्मक एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। अभियान अंतर्गत 28 जनवरी को बाल विवाह मुक्त भारत विषय पर निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 16 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में कु. सविता राहंगडाले (बी.ए. द्वितीय वर्ष) ने प्रथम स्थान, उर्वशी चौधरी (एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, समाजशास्त्र) ने द्वितीय स्थान तथा कु. साक्षी मात्रे (बी.ए. द्वितीय वर्ष) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 29 जनवरी को महाविद्यालय परिसर में बाल विवाह मुक्त भारत विषय पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया तथा जन-जागरूकता हेतु रैली भी निकाली गई, जिसमें विद्यार्थियों ने समाज को बाल विवाह जैसी कुप्रथा से मुक्त करने का संदेश दिया। 30 जनवरी को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 10 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें अनामिका टेकाम (बी.ए. द्वितीय वर्ष) ने प्रथम स्थान, कंचन जैनवार (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने द्वितीय स्थान एवं अमन पिछोड़े (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही 31 जनवरी को आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में अंजलि उईके (बी.ए. प्रथम वर्ष) प्रथम, वीणा टेकाम (बी.ए. प्रथम वर्ष) द्वितीय तथा दिव्या जामुनपाने (बी.ए. प्रथम वर्ष) तृतीय स्थान पर रहीं।

संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं कार्यक्रम संयोजक श्रीमती चित्रमाला भिमटे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में श्रीमती सविता गेडाम, श्री सुखचंद एडे, आनंद सिंह पारधी, डॉ. अलका हिरकने एवं सुश्री प्राशु गौतम सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

सेवानिवृत्ति पर डॉ. एन.डी. पुरी एवं डॉ. उमेश निरापुरे को दी गई भावभीनी विदाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आज दिनांक 31 जनवरी 2026 को अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर पशु चिकित्सा विभाग के उप संचालक डॉ. एन.डी. पुरी एवं जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. उमेश निरापुरे शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के सम्मान में विभागीय स्तर पर गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई कार्यक्रम में उपस्थित विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दोनों अधिकारियों को भावभीनी विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल, स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु जीवन की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। समारोह के दौरान वक्ताओं ने डॉ. पुरी एवं डॉ. निरापुरे के व्यक्तित्व और कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि दोनों अधिकारियों ने अपने कार्यकाल में कड़े अनुशासन, कुशल प्रशासनिक क्षमता और सकारात्मक व्यवहार का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। अधिकारियों ने बताया कि सेवानिवृत्त हुए दोनों वरिष्ठ अधिकारी हमेशा अपने अधीनस्थों और नए अधिकारियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहे हैं। उन्होंने विभाग में आने वाले नए अधिकारियों को बेहतर कार्य करने के लिए निरंतर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन दिया। उनका सानिध्य विभागीय कर्मचारियों के लिए एक अभिभावक की तरह रहा है, जिससे सभी को प्रशासनिक और मानवीय मूल्यों की सीख मिली है। कार्यक्रम के दौरान दोनों सेवानिवृत्त अधिकारियों का शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके साथ बिताए गए अनुभव साझा किए और उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों को स्मरण किया। इस अवसर पर सेवा निवृत्त हुए दोनों अधिकारियों के परिजन, पशु चिकित्सा सेवाओं के उप संचालक का प्रभार ग्रहण करने वाले डॉ. घनश्याम परते, डॉ. राजेश नगपुरे सहित पशु चिकित्सा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर दोनों अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

बालाघाट
रविवार 01 फरवरी 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

रोड में खड़े ट्रक से टकराई कार, चालक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना नवेगांव अंतर्गत ग्राम गोंदिया रोड पर स्थित ग्राम खुरसोड़ी चौक में खड़े ट्रक से कर टकरा गई। इस इस जबरदस्त सड़क दुर्घटना में कार चालक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक रितेश पिता रूपचंद तिलासे 29 वर्ष ग्राम मोदा थाना किरनापुर निवासी है। बीती रात यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई, जब यह युवक कार में नागपुर जा रहा था। घायल इस यूवक जिला अस्पताल बालाघाट से प्राथमिक उपचार के बाद नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रितेश तिलासे ग्राम मौदा निवासी अपने मामा के साथ कंट्रक्शन का काम करते हैं और वह अपने परिवार के साथ नागपुर में ही रहते हैं। जिनके परिवार में माता-पिता के अलावा दो बहन है। जिनमें एक बहन की शादी हो चुकी है। बताया गया की हाल ही में रितेश तिलासे अपने किसी निजी काम से बालाघाट आए हुए थे और बालाघाट से अपना काम निपटाना के बाद 30एवं 31 जनवरी की दरमियान रात करीब 1ः00 बजे रितेश तिलासे कार में बालाघाट से नागपुर जाने निकले थे। गोंदिया रोड पर स्थित ग्राम खुरसोडी चौक में खड़े ट्रक से यह कार टकरा गई।। ट्रक से टकराने के साथ ही कार के परखच्चे उड़ गए और रितेश तिलासे गंभीर रूप से घायल हो गए। खबर मिलती ही108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंचीऔर घायल रितेश तेलाशे को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। इस दौरान बालाघाट गायखुरी में रहने वाले उनके रिश्तेदार गितेश तिलासे सहित अन्य परिजन पहुंच चुके थे। जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद रितेश तेलासे को हायर सेंटर रिफर किया था। किंतु परिजनों ने उन्हें बालाघाट नगर के सरदार पटेल हॉस्पिटल में भर्ती किये है। जिला अस्पताल पुलिस ने गितेश तिलासे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना ग्रामीण भिजवा दी है। खुरसोडी में चौक पर खड़ा ट्रक का नंबर एमपी 17 एच एच 4077 बताया गया है। जो 30 जनवरी की सुबह से ही वहीं खड़ा था। रात्रि के समय ट्रक में न तो इंडिकेटर जल रहे थे और न ही कोई चेतावनी संकेत लगाए गए थे। अंधेरे के कारण रितेश तेलासे को ट्रक दिखाई नहीं दिया और कार सीधे ट्रक से जा भिड़ी ।ग्रामीण पुलिस ने मौके से ट्रक हटवा दिया है तथा दुर्घटनाग्रस्त कार को थाना परिसर में सुरक्षित रखवाया गया है। मामले की जांच ग्रामीण पुलिस द्वारा की जा रही है।

हाईकोर्ट ने शासन से 90 दिनों में जांच कर रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिये

गंभीर आरोपों की ज़द में नगरपालिका अध्यक्ष

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका बालाघाट की अध्यक्ष पर लगाए गए अनियमितताओं के आरोपों को लेकर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश जारी किए हैं। न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा है कि लगाए गए सभी आरोपों की 90 दिनों के भीतर जाँच की जाए। इस आदेश के बाद नगर पालिका और जिले के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। यह मामला पार्षद सरिता सोनेकर के पति केवल सोनेकर द्वारा दायर याचिका के माध्यम से हाईकोर्ट के समक्ष लाया गया था। शिकायतकर्ता केवल सोनेकर का कहना है कि उन्होंने न्यायालय में याचिका इसलिए दायर की, ताकि नगर पालिका में कथित रूप से हुई अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच हो सके और सच्चाई सामने आए। उन्होंने उम्मीद जताई है कि न्यायालय के निर्देश के बाद अब मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी। याचिका में नगर पालिका अध्यक्ष पर विभिन्न मदों में अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं, जिनमें सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग और डीजल मामला भी शामिल हैं।

गंभीर आरोप:
जरूरत से ज्यादा डीजल का इस्तेमाल
रैन बसेरा के फर्नीचर का निजी आवास में उपयोग
स्वच्छता मिशन के गीत को बदलने में ज्यादा धनराशि

नगर पालिका में अनियमितताओं को लेकर विवाद कोई नया नहीं है। इससे पहले भी अलग-अलग जनप्रतिनिधियों और पार्षदों द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर पर कई बार गंभीर आरोप लगाए जा चुके हैं। इनमें से कुछ मामलों में जांच भी हुई, जबकि कई प्रकरण अभी संबंधित विभागों और न्यायालय में विचाराधीन बताए जा रहे हैं। इसी क्रम में हाल ही में एक बार फिर नगर पालिका से जुड़ा मामला हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। पार्षद सरिता सोनेकर के पति केवल सोनेकर एवं उनके साथियों द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर पर विभिन्न अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि डीजल उपयोग के मामले में अध्यक्ष द्वारा अपने वाहन में आवश्यकता से अधिक डीजल का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा रैन बसेरा के लिए खरीदे गए फर्नीचर को निजी आवास में उपयोग में लाने तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत दिए गए गीत को बदलने में जरूरत से ज्यादा धनराशि खर्च किए जाने जैसे गंभीर आरोप भी शामिल हैं। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देशित किया है कि इन सभी आरोपों की निष्पक्ष और जांच कराई जाए। न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा है कि राज्य सरकार 90 दिनों की समय-सीमा के भीतर पूरे प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करे। हाईकोर्ट के इस निर्देश के बाद नगर पालिका सहित पूरे शहर में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। जनप्रतिनिधियों से लेकर आम नागरिकों तक की नजरें अब इस बात पर टिकी हैं कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और राज्य सरकार इस मामले में नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ क्या कार्रवाई करती है।

इन लोगों ने लगाई याचिका

न्यायालय में जाने वाले याचिका कर्ता स्वयं सत्ताधारी पार्टी भाजपा के कुछ वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं, तो वहीं इसमें भाजपा के समर्थित पार्षद भी शामिल हैं। याचिका कर्ताओं में सबसे पहले वार्ड क्रमांक 12 की पार्षद सरिता सोनेकर के पति केवल सोनेकर, वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद और वरिष्ठ भाजपाई सुधीर चिले, वार्ड क्रमांक 17 की पार्षद श्वेता जैन के पति सौरभ जैन, और वरिष्ठ भाजपा नेता एवं वार्ड क्रमांक 32 के पार्षद राज हरिनखेडे शामिल हैं। इन सभी ने अपने ही पार्टी और पक्ष के ही अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर पर अनियमितताओं और कई गंभीर मामलों में आरोप लगाते हुए न्यायालय में याचिका दायर की है। याचिका में उन्होंने न्यायालय से यह स्पष्ट मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और उचित जांच की जाए । इस पूरे मामले के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है और सभी इस बात का बारीकी से इंतजार कर रहे हैं कि न्यायालय किस प्रकार का निर्णय सुनाता है। याचिका कर्ताओं ने फिलहाल सार्वजनिक रूप से मीडिया के सामने खुलकर बयान देने से इनकार किया है, लेकिन उन्होंने यह संकेत जरूर दिया है कि आगामी दो से तीन दिनों के भीतर वे स्वयं मीडिया के समक्ष आकर अपनी शिकायतों और लगाए गए आरोपों के बारे में विस्तारपूर्वक अपनी बात रखेंगे।

अपनी स्वार्थ सिद्धी के लिये आरोप लगा रहे हैं - भारती

इस पुरे मामले पर नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर ने स्पष्ट किया कि फिलहाल न्यायालय में उनके खिलाफ कोई आरोप सिद्ध नहीं हुआ है और न्यायालय ने केवल मामले की जांच के निर्देश दिए हैं तथा इसके लिए समय सीमा निर्धारित की गई है। अध्यक्ष ठाकुर ने डीजल मामले को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका इनोवा वाहन निजी है और इसके खर्च का जिम्मा उनका परिवार ही उठाता है। उन्होंने फर्नीचर मामले पर भी विस्तार से बात की और बताया कि वार्ड क्रमांक 25 में जनसुविधा कार्यालय के लिए रखे गए फर्नीचर की पूरी लिखापढ़ी मौजूद है। उनका कहना था कि कार्यालय के समाप्त होने के बाद यह फर्नीचर नगर पालिका को वापस कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, नगर के कुछ तथाकथित लोगों के द्वारा अपनी स्वयं की स्वार्थ सिद्धी के लिये अनर्गल अनियमितताओं के आरोप लगा रहे है, जो निराधार हैं । मैं जल्द ही अपने कार्यकाल का सोशल ऑडिट करवा कर एक-एक हिसाब आम जनता के सामने रखूंगी, उन्होंने यह भी बताया कि वह इस पूरे विषय को अपने पार्टी के संगठन के सामने भी रखेंगी।

स्थायी वारंटी प्रभुदयाल सेन गिरफ्तार

बस स्टैण्ड से पुलिस ने की कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली पुलिस ने चेक बाउंस के मामले में फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को बस स्टैंड में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार स्थाई वारंटी प्रभु दयाल पिता मेहतर सेन वार्ड नंबर 13

आईटीआई के पास बूढ़ी बालाघाट निवासी है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय, बालाघाट के प्रकरण क्रमांक SCNIA/166/2019, धारा 138 एन.आई. एक्ट के अंतर्गत प्रभुदयाल सेन के विरुद्ध न्यायालय द्वारा दिनांक 23 जून 2025 को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किए जाने हेतु स्थायी वारंट जारी किया गया था ।वारंट जारी होने के पश्चात आरोपी प्रभुदयाल सेन लगातार पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी हेतु थाना कोतवाली द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे थे तथा मुखबिर तैनात किए गए थे। 31 जनवरी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि स्थायी वारंटी प्रभुदयाल सेन बस स्टैण्ड पर मौजूद है और बस के माध्यम से कहीं बाहर जाने की फिराक में है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कामेश धुमकेती के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देश पर थाना कोतवाली की पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए बस स्टैण्ड पर घेराबंदी की गई और आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया ।गिरफ्तार आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस सफल कार्यवाही में थाना कोतवाली, में पदस्थ प्रधान आरक्षक गजेन्द्र माटे, आरक्षक विकास बोरकर एवं आरक्षक शेख शहजाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस को देख ट्रैक्टर-ट्राली छोड़कर फरार हुआ चालक

बिना नंबर का ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध रेत सहित जप्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट पुलिस द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत ग्रामीण थाना नवेगांव पुलिस ने 31 जनवरी को प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक बिना नंबर का ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध रेत सहित जप्त किया है। किंतु उसका चालक फरार हो गया। ग्रामीण पुलिस के मुताबिक ग्राम चीचगांव से कन्नड़गांव मार्ग पर घेराबंदी की गई इस दौरान एक ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत का परिवहन करते हुए दिखाई दिया। पुलिस वाहन को दूर से देखकर ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर ट्राली को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। मौके पर खड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली की जांच करने पर ट्रॉली में अवैध रूप से चोरी की गई रेत पाई गई। पुलिस द्वारा बिना नंबर के ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित अवैध रेत को मौके से जप्त कर लिया गया है। जिसे थाना परिसर में खड़ा करवा दिया गया है। अज्ञात ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता एवं धारा 21/4 खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। फरार चालक एवं वाहन स्वामी की तलाश की जा रही है। गौरतलब है कि

ग्रामीण थाना नवेगांव पुलिस द्वारा 30 जनवरी को भी ग्राम गायखुरी क्षेत्र में बैनगंगा नदी से अवैध रूप से उत्खनन कर परिवहन की जा रही रेत से भरे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त किए गए थे ।ग्रामीण पुलिस का कहना है कि अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन शासकीय संपत्ति की चोरी होने के साथ-साथ पर्यावरण के विरुद्ध गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों में बालाघाट पुलिस द्वारा कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अवैध रेत कारोबार के विरुद्ध यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन,
स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान,
शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि
सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

ੴ ੴ
अंतिम अरदास
घल्ले आवे नानका सदे उठी जाए

स्व. सरदार रघुवीर सिंघ नरडे
स्वर्गवास दिनांक : 26/01/2026
हमारे पिताजी की आत्मिक शांति के लिए श्री अखंड पाठ साहिब की आरंभता दिनांक 30/01/2026 दिन शुक्रवार को सुबह 11 बजे हमारे निवास स्थान विवेकानंद कॉलोनी में, तथा समाप्ति श्री अखंड पाठ साहिब दिनांक 01/02/2026 दिन रविवार सुबह 11 बजे हमारे निवास स्थान पर होगी। कीर्तन एवं अंतिम अरदास गुरुद्वारा बालाघाट में दिनांक 01/02/2026 (11:30 से 1 बजे तक)। उपरांत गुरु का लंगर।
शोकाकुल
नरडे परिवार
9425138902

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट